डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सप्ताह की प्रकाशित, संयुक्तांक 16.01.2022 से 22.01.2022 वर्ष-38 अंक-03 मूल्य 00.00

आंखों में आंसू न लायें, ओलावृष्टि से हुये नुकसान की भरपाई करेगी सरकार - मुख्यमंत्री

निवाड़ी, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर तहसील के ग्राम खिस्टोन में असमय वर्षा और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआयना किया। प्रभावित फसलों को देखने मुख्यमंत्री श्री चौहान खेतों में पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाहर से फसलें हरी दिखती हैं पर खेत में अंदर जाकर देखो तो कुछ नहीं बचा है। प्रदेश में पृथ्वीपुर सहित जहां-जहां भी फसलों को नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को शीघ्रता से राहत राशि का भुगतान करायें।

मुख्यमंत्री ने खेतों में फसल का जायजा लेने के बाद किसानों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि, 'घबराना मत, मुसीबत का मिलकर मुकाबला करेंगे। आंख में आंसू मत लाना। सभी संकट से बाहर निकाल लूंगा। जहां-जहां भी ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है उसकी भरपाई सरकार करेगी। यदि फसल का 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है, तो 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर राहत राशि दी जायेगी। फसल बीमा का लाभ अलग से मिलेगा। साथ ही अल्पकालीन ऋण की वसूली स्थगित की जायेगी और अल्पकालीन फसल ऋण को मध्यकालीन ऋण में बदला जायेगा।'

श्री चौहान ग्राम खिस्टोन में ओलावृष्टि से प्रभावित खेत के भ्रमण के दौरान पीड़ित महिला किसान को 50 हजार रुपये की राशि शीघ्रता से भुगतान करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने मड़िया हल्का के मवई ग्राम की महिला किसान श्रीमती मक्खन बाई रजक से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, आपका भाई मुख्यमंत्री है। उन्होंने अधिकारियों को मक्खन बाई को 50 हजार रुपये सहायता राशि देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में किसानों के दुख दर्द में शामिल होने के लिए ग्राम बजावन में आया हूं। मैं किसानों की परेशानी को भली भांति जानता हूं। किसान अपने पसीने से फसलों को सींचता है, तभी अन्न का दाना मिल पाता है। इसी बीच यदि फसलों पर प्राकृतिक आपदा का कहर बरसता है तो फसलें चौपट हो जाती हैं। इससे किसानों के सपने चकनाचूर हो जाते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि फसलों को जो नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई राहत राशि तथा बीमा राशि दिलाकर पूरी की जाएगी। उन्होंने कमिश्नर एवं कलेक्टर को निर्देश दिये कि फसलों के नुकसान के सर्वे का कार्य 18 जनवरी तक पूर्ण कराया जाए। सर्वे का कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ हो। सर्वे उपरांत सूची पंचायतों में लगाई जाए, जिससे संबंधित किसान भी अवगत हो सकें। यदि किसी को आपत्ति हो तो उसका निराकरण किया जा सके।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निवाड़ी जिले के खिस्टोन गांव में अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का जायजा लेते हुये।

मुआवजा देगी सरकार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनहानि के लिये 4 लाख, गाय-भैंस की मृत्यु पर 30 हजार रुपये और छोटे पशुओं बछड़ा-बछड़ी, बकरा-बकरी तथा मुर्गा-मुर्गी के लिये भी राहत राशि दी जायेगी। यदि मकानों को क्षति हुई है, खपरेल को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिये भी मुआवजा राशि दी जायेगी।

फसलों के नुकसान की भरपाई करेंगे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बेमौसम हुई बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित हुए किसानों को इस दुख की घड़ी में संकट के पार निकालेंगे। फसलों को हुए नुकसान की राहत राशि एवं बीमा राशि का किसानों को शीघ्र भुगतान करवाया जाएगा।

क्राइसिस मैनेजमेंट की वर्चुअल बैठक

कोरोना नियंत्रण के लिये नये दिशा-निर्देश

31 जनवरी तक बंद रहेंगे 12वीं तक के स्कूल और हॉस्टल

भोपाल, राज्य शासन ने कोविड-19 के पॉजीटिव तथा एक्टिव प्रकरणों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत नये दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 14 जनवरी को ली गई क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप्स की वर्चुअल बैठक में हुए विचार-विमर्श के तत्काल बाद अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने जारी किये गये प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर सभी कलेक्टर्स को उनका कड़ाई से पालन करने को कहा है।

डॉ. राजौरा ने बताया कि कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के समस्त स्कूल एवं हॉस्टल 31 जनवरी 2022 तक बंद रहेंगे। जनवरी 2022 में आयोजित होने वाली प्री-बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पृथक से आदेश जारी किए जाएंगे। सभी प्रकार के मेले (धार्मिक, व्यावसायिक), जिनमें जन-समूह एकत्रित होता है, प्रतिबंधित रहेंगे। समस्त रैली एवं जुलूस प्रतिबंधित रहेंगे।

समस्त राजनैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और मनोरंजन आदि के आयोजनों में 250 व्यक्तियों से अधिक की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी। बंद हॉल में हॉल की क्षमता के 50 प्रतिशत से कम की उपस्थिति के ही आयोजन/कार्यक्रम आयोजित हो सकेंगे। खेलकूद संबंधी गतिविधियों के लिए स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति के आयोजन प्रतिबंधित रहेंगे।

खास खबर

शासकीय कार्यों के लिये शासकीय ई-मेल आई.डी. के उपयोग के निर्देश

भोपाल, सामान्य प्रशासन विभाग ने शासन, शासकीय विभागों, शासकीय कार्यालयों द्वारा किये जाने वाले सभी पत्राचारों में जारीकर्ता अधिकारी का नाम, पदनाम, शासकीय दूरभाष एवं ई-मेल आई.डी. अंकित करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सभी को शासकीय ई-मेल का ही उपयोग करने को कहा है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी समीक्षा बैठक के दौरान शासकीय कार्यों के लिये शासकीय ई-मेल आई.डी का ही उपयोग करने को कहा है। इस संबंध में स्मरण-पत्र सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

कोविड संक्रमण के नियंत्रण, उपचार और प्रबंधन की समीक्षा

तीसरी लहर को जनसहयोग के मॉडल से रोकेंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, कोविड के नियंत्रण में मध्यप्रदेश का जनभागीदारी मॉडल तीसरी लहर में भी काम आएगा। कोविड की पहली और दूसरी लहर में जिस तरह से जनसहयोग से संकट की स्थितियों से निपटते हुए कार्य हुआ है उसी तरह एक बार फिर सरकार और नागरिक मिलकर तीसरी लहर को पराजित करेंगे। संयुक्त रूप से किए जाने वाले प्रयत्नों को सफलता मिलेगी, मानवता जीतेगी। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा भोपाल स्थित निवास से प्रदेश के जिलों में कोविड की स्थिति की जानकारी लेते हुये कहीं।

सिर्फ 3 प्रतिशत के आसपास भर्ती हैं पॉजिटिव रोगी, सावधानी बरतना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा है कि तीसरी लहर के रूप में एक बड़ी चुनौती हमारे सामने है। घबराना नहीं है, सजग और सतर्क रहना है। कोरोना के केस तेजी से बढ़ने की आशंका भी है। पूरी दुनिया की तरफ से एक तथ्य आया है कि इस लहर में जो संक्रमित होते हैं, उनकी गंभीरता कम है। इसलिए अस्पताल में भर्ती होने वाले प्रकरण अभी लगभग तीन प्रतिशत से थोड़े ज्यादा हैं। विशेषज्ञों का मत है कि इस वैरिएंट का असर गले तक रहता है। यह लंग्स को अधिक प्रभावित नहीं करता है। लेकिन यह कदापि नहीं कि हम सजग न रहें। पूरी सजगता से इस लहर का मुकाबला करते हुए कोविड महामारी से हमें जीतना है।

टेस्ट रिपोर्ट जल्दी आए

मुख्यमंत्री ने सभी कमिश्नर्स को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि 24 घंटे में टेस्टिंग की रिपोर्ट आ जाए। मेडिकल कॉलेजों में जो लैब हैं, उसकी निगरानी करें।

प्रदेश में ऑक्सीजन व्यवस्थाओं को बनाया गया बेहतर

प्रदेश में वर्तमान में 17 हजार ऑक्सीजन कन्संट्रेटर शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध हैं। कुल 36 हजार 393 ऑक्सीजन सिलेण्डर भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा 51 जिला चिकित्सालयों में 6 KL टैंक स्थापना की पहल और प्रायवेट क्षेत्र में 151 मीट्रिक टन और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 353 मीट्रिक टन क्षमता के टैंक उपलब्ध हैं।

प्रदेश में वैक्सीनेशन

प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक आयु के वैक्सीनेशन के लिए पात्र लोगों में से 96.6 प्रतिशत लोगों को प्रथम डोज और 92.3 प्रतिशत लोगों को प्रथम और द्वितीय डोज लगाया जा चुका है। इसी तरह 15 से 18 के पात्र किशोरों में से 57.6 प्रतिशत को प्रथम डोज लगाया जा चुका है।

ग्रेडिंग के आधार पर प्रदेश की पंचायतें होंगी पुरस्कृत - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल स्थित मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश की पंचायतों के कार्य की ग्रेडिंग की जायेगी तथा जो पंचायतें अच्छा कार्य कर रही हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जायेगा। हर पंचायत की विकास योजना बनाई गई है, उस पर अमल कर 'स्मार्ट विलेज' बनाये जायेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये कहीं। उन्होंने विभाग द्वारा गांव-गांव में कचरा संग्रहण एवं परिवहन के लिये बनाये गये 'मोबाइल एप' का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्व-सहायता समूहों द्वारा 127 'दीदी कैफे' संचालित किये जा रहे हैं। ये स्वल्पाहार केंद्रों के रूप में सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। आने वाले समय में वल्लभ भवन, विंध्याचल, सतपुड़ा आदि स्थानों पर भी 'दीदी कैफे' खोले जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्लास्टिक कचरा निपटान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हो रहा है। गांव-गांव से प्लास्टिक कचरा संग्रहण की व्यवस्था की गई है, जहां से प्लास्टिक कचरा संग्रहण केंद्रों तक पहुंचेगा और वहीं से इसकी बिक्री होगी। प्रदेश में 28 प्लास्टिक संग्रहण केंद्र खोले जा रहे हैं, जिनका संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जायेगा। प्रदेश में लगभग 9 हजार किलोमीटर सड़कों के निर्माण में वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 42 हजार से अधिक पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्उद्धार का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से कराया जा रहा है। इससे बड़े क्षेत्र में सिंचाई, मछली पालन, सिंघाड़ा उत्पादन आदि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

8 जनवरी

शैक्षणिक संस्थान डिजिलॉकर में रखी गई डिग्री को माने वैध–यूजीसी

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को डिजिलॉकर खातों में उपलब्ध डिग्री, मार्कशीट और अन्य दस्तावेजों को वैध प्रमाण-पत्र के रूप में स्वीकार करने के निर्देश दिये हैं। यूजीसी ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को लिखे पत्र में कहा कि राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) अकादमिक संस्थानों द्वारा डिजिटल प्रारूप में रखे गये अकादमिक दस्तावेज (डिग्री और मार्कशीट) का एक ऑनलाइन भंडार है। ये विद्यार्थियों को सीधे डिजिटल प्रारूप में प्रामाणिक दस्तावेजों और प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। यूजीसी ने कहा कि कई विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों ने मार्कशीट, टीसी जैसे डिजिटल दस्तावेज देना शुरू कर दिया है, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों को इन्हें स्वीकार करना चाहिये।

● सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की इम्प्रूवमेंट परीक्षा में प्राप्त अंकों को फाइनल अंक मानने की पॉलिसी को रद्द कर दिया है। सीबीएसई ने कहा कि कक्षा बारहवीं की इम्प्रूवमेंट परीक्षा के अंक को फाइनल अंक माना जायेगा। इस नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर इम्प्रूवमेंट परीक्षा में पहले से कम अंक आते हैं, तो आगे की प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसलिये बेहतर अंक चुनने का विकल्प देना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका की सुनवाई में निर्देश दिया कि सीबीएसई ने कक्षा बारहवीं के रिजल्ट की अंतिम घोषणा के लिये प्राप्त दो अंकों में से बेहतर को चुनने का विकल्प दिया जाये।

● दक्षिण लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के एक समूह पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने शांतिरक्षकों के वाहनों में तोड़-फोड़ की और उनके सामान छीन लिये। संयुक्त राष्ट्र के अंतरिम बल ने लेबनान के अधिकारियों से मामले की त्वरित जांच करने और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

9 जनवरी

सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ेगी भूमिका – रक्षामंत्री

● देश में 100 नये सैनिक विद्यालयों की स्थापना से लड़कियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना योगदान देने का अवसर मिलेगा। यह बात केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सैनिक विद्यालयों के एक वेबीनार को संबोधित करते हुये कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने में विश्वास रखती है और इस दिशा में लगातार कई कदम उठा रही है। इनमें सैनिक विद्यालयों में लड़कियों का नामांकन कराना और महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान कराना शामिल है। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सैनिक विद्यालयों में रक्षा और शिक्षा का एकीकरण राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि जहां 'सैनिक' एकता, अनुशासन और निष्ठा को दर्शाता है, वहीं 'विद्यालय' शिक्षा का केंद्र है।

10 जनवरी

हज–2022 के लिये प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

● केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मुंबई के हज हाउस में हज-2022 के लिये प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री नकवी ने कहा कि हज-2022 की योजना हजयात्रियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये बनाई गई है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों की सारी व्यवस्थाएं डिजिटल माध्यम से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल आवेदन, प्रक्रिया को पारदर्शी, सुलभ, किफायती और सुविधाजनक बनाया गया है। श्री नकवी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 550 से अधिक प्रशिक्षक ऑनलाइन और वास्तविक रूप से भाग ले रहे हैं।

11 जनवरी

चीन के चांग ई–5 यान ने चंद्रमा की सतह पर ढूंढ़े पानी के सबूत

● चीन के अंतरिक्ष मिशन के चांग ई-5 यान (लैंडर) को चंद्रमा की सतह पर पानी होने के साक्ष्य मिले हैं। इन साक्ष्य से उपग्रह के सूखेपन के संबंध में नई जानकारी मिलती है। चीन की विज्ञान पत्रिका 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया कि चंद्रमा पर यान के उतरने के स्थान पर मिट्टी में पानी की मात्रा 120 ग्राम प्रति टन से कम है। यह स्थान पृथ्वी की तुलना में बहुत अधिक शुष्क है। वैज्ञानिकों के अनुसार पहले भी दूरस्थ परीक्षणों में पानी की मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन यान ने अब चट्टानों और मिट्टी में पानी के लक्षणों का पता लगाया है। यान में लगाये गये एक विशेष उपकरण ने चट्टानों और सतह की जांच कर पानी की मौजूदगी का पता लगाया। अध्ययन में कहा गया कि चंद्रमा एक निश्चित अवधि के भीतर सूख गया था और इसकी वजह सतह से नीचे मौजूद भंडार से गैसों का अवशोषित होना था।

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, मद्रास, मंडी और इंदौर में नये निदेशकों की नियुक्ति की गई है। आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर रंगन बनर्जी को आईआईटी दिल्ली का निदेशक नियुक्त किया गया है, वहीं आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर वी. कामकोटी को आईआईटी मद्रास का निदेशक बनाया गया है। इसके अलावा आईआईटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहेरा को आईआईटी मंडी का निदेशक बनाया गया है, साथ ही आईआईटी मुंबई के मैकेनिकल प्रोफेसर तथा कॉर्पोरेट रिलेशंस के डीन सुहास जोशी को आईआईटी इंदौर का निदेशक नियुक्त किया गया है।

12 जनवरी

डीआरडीओ ने किया टैंक रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक मानव संचालित एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि टैंक रोधी इस मिसाइल का अंतिम कॉन्फिगरेशन परीक्षण किया गया है। स्वदेशी रूप से विकसित कम वजन की इस मिसाइल को मानव संचालित लॉन्चर से लॉन्च किया जा सकता है। यह मिसाइल दागो और भूल जाओ तकनीक पर काम करती है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने अपने निर्धारित लक्ष्य को नष्ट किया। इस मिसाइल की मारक क्षमता 2.5 किलोमीटर है। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने टैंक रोधी मिसाइल के सफल परीक्षण के लिये डीआरडीओ को बधाई दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइल का सफल परीक्षण उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित रक्षा प्रणाली के विकास में आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण कदम है।

● संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अपनी वेबसाइट पर भारत के विश्व धरोहर स्थलों की जानकारी हिंदी भाषा में जारी करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी पेरिस में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल द्वारा दी गई है। प्रतिनिधिमंडल ने एक बयान में कहा कि भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल को यह घोषणा करते हुये प्रसन्नता हो रही है कि विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर के निदेशक ने हमें सूचित किया कि भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के हिंदी विवरण वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर की वेबसाइट पर प्रकाशित होंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यूनेस्को के इस निर्णय की सराहना की है।

13 जनवरी

ब्रह्मोस मिसाइल के उन्नत नौसैनिक संस्करण का सफल परीक्षण

● भारत ने सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के उन्नत नौसैनिक संस्करण का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त उपक्रम है, जिसमें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) भारत का प्रतिनिधित्व करता है। डीआरडीओ ने बताया कि मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य पर सटीक प्रहार किया है। मिसाइल का परीक्षण भारतीय नौसेना के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर आईएनएस विशाखापट्नम से किया गया है। आईएनएस विशाखापट्नम को हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। इस दौरान मिसाइल का समुद्र से समुद्र में मार करने की अधिकतम दूरी क्षमता का परीक्षण किया। इस मिसाइल की गति 2.8 मैक है, जो ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना अधिक है।

● अमेरिका की संघीय अदालत ने फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) को सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट फेसबुक के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। एफटीसी ने फेसबुक पर एंटी ट्रस्ट और प्रतिस्पर्धा कानूनों के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। एफटीसी ने कहा कि फेसबुक ने सोशल मीडिया में एकाधिकार के लिये प्रतिस्पर्धी कंपनियों को खरीदने या उन्हें कामकाज समेटने के लिये मजबूर किया है।

● संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरूमूर्ति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दूसरा कार्यकाल प्राथमिकताओं के सुदृढ़ीकरण का समय होगा। भारत दिसम्बर में परिषद की अध्यक्षता के साथ अपने कार्यकाल का समापन शानदार तरीके से करेगा। टीएस तिरूमूर्ति ने कहा कि भारत ने अपने दो साल के कार्यकाल के पहले साल में अफगानिस्तान और म्यांमार सहित कई मामलों पर दृढ़ और रचनात्मक रुख अपनाया है।

14 जनवरी

गगनयान के क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने गगनयान कार्यक्रम के लिये क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया है। इसरो ने तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित इसरो के प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में 720 सेकेंड की अवधि के लिये इस इंजन का परीक्षण किया। इसरो ने एक बयान जारी कर बताया कि इंजन ने परीक्षण के उद्देश्यों को पूरा किया। इसरो ने कहा कि लंबी अवधि का यह सफल परीक्षण मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम गगनयान के लिये एक मील का पत्थर है। इसरो ने बताया कि इस क्रायोजेनिक इंजन को 1810 सेकेंड की कुल अवधि के लिये चार और परीक्षण से गुजरना होगा।

● संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भारत की विकास दर को दुनिया में सबसे तेज गति वाली विकास दर बताया है। यूएन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022 में भारत की विकास दर के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि यह विकास दर पिछले वित्तीय वर्ष में लगाये गये विकास अनुमान (8.4 प्रतिशत) से कम है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

आईएएस/आईपीएस, एमपीपीएससी/बैंक पीओ/ पुलिस सब इंस्पेक्टर/पटवारी/संविदा शिक्षक वर्ग – एक, दो, तीन और अन्य
परीक्षाओं की सफल तैयारी डॉ. जयंतीलाल भण्डारी के मार्गदर्शन में करें...
प्रतियोगिता निर्देशिका
(ऑनलाइन मासिक पत्रिका)
फरवरी 2022 अंक
मात्र ₹15
तुरन्त खरीदें, पढिए और चाहें तो प्रिंट करें ...
www.pratiyogitanirdeshika.com
परीक्षोपयोगी 5000 से अधिक निशुल्क प्रश्नोत्तरों के लिए सब्सक्राइब करें : youtube channel–career disha by Dr. Bhandari
विभिन्न परीक्षाओं के नोट्स के लिए सम्पर्क करें
111, गुमाश्ता नगर, इन्दौर
फोन : 0731– 2482060 , 2480090
सोनू
R-46474/2022

BUILDING CAREER, BUILDING NATION
SHAHEED BHAGAT SINGH CIVIL SERVICES ACADEMY
(A VENTURE OF SIMRAN GROUP)
निःशुल्क साक्षात्कार
COMPREHENSIVE INTERVIEW PROGRAM (MPPSC-2019)
'अब करे इंटरव्यू की तैयारी शहीद भगत सिंह सिविल सर्विसेज एकेडमी में
Atul Sir
(Delhi,18+ Years Experience)
एवं अनुभवी टीम के साथ..
FACILITIES
• DAF Discussion • Improve Personality Development/Correction • Body Language • 15 Mock Interview
• Feedback by The Interview Panel • Post Preference Details and Discussion • Video Interview
Some Of Our Achievers
Rakesh Rathore निरीक्षक (INSPECTOR) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग
Avinash Harit Probationary Officer
Manoj Chorashiya क्षेत्रीय प्रबंधक केंद्रीय कंडार विभाग रक्षा मंत्रालय
Awni Rathore सहकारिता निरीक्षक/ संस्था अधिकारी
Contact : 6262081313 | Ph. 0731-4982595
1-इन्द्रपुरी, भंवरकुआं चौराहा, पुलिस थाने के पास, इन्दौर (म.प्र.)
R-46473/2022

ISO 9001-2008 & "A" GRADE CERTIFIED
PATEL GROUP OF INSTITUTIONS, INDORE
Estd. 2002
Requirement of Faculties under DAVV College Code - 28 For the post of -
PRINCIPAL | PROFESSOR | ASSOCIATE PROFESSOR | ASSISTANT PROFESSOR in Hindi, English, Communication, Commerce, Management, B.Com (Computer, Tax, Insurance, Plain), B.Sc (Maths, Biology, Seed Technology, Physics, Chemistry, Botany, Zoology), BBA & MBA (Marketing, Finance HR, IT and Operations) in
Patel Group of Institution, Patel College of Management & Patel College of Science & Technology
We also have requirement for Faculty & Lab Technicians in Civil, Mech., EC, CS, IT Departments
Accounts- Accounts Officer & Accounts Executive | Transport- Bus In-charge, Driver, Cleaner | Administration- Training & Placement Officer, Computer Operator, Librarian, Receptionist | Other- Security Guard, Supervisor, Plumber, Sweeper, Gardener, Peon.
Shreeram
Qualification & Salary As Per Norms
Send your resume within 7 days with all testimonials to - director.indore@patelcollege.com
hrindore@patelcollege.com | Contact - 0731-2437100, 9826307711, 9826567733
R-46483/2022

साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें
टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 03 17.01.2022 से 23.01.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

शिक्षा के साथ रोज़गार प्रदान करने का माध्यम बने उच्च शिक्षा

मध्यप्रदेश में सौ उच्च शिक्षा संस्थानों में 459 पाठ्यक्रम के संचालन की मंजूरी दी गई है। इनमें 282 प्रमाण-पत्र और 177 डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं। विद्यार्थियों के लिये यह पाठ्यक्रम जीवन की राह पर आगे बढ़ने में सहयोगी होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश में 85 विषय के लिये परिणाम आधारित पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। उपरोक्त जानकारी उच्च शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में दी गई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में प्रारंभ वर्चुअल कक्षाओं का संचालन विद्यार्थियों के लिये उपयोगी सिद्ध हुआ। सामान्य स्थितियों में भी इसका उपयोग होना चाहिये। मध्यप्रदेश को ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श बनायें। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 100 संस्थानों में 200 स्मार्ट क्लास का संचालन सराहनीय है। इसी तरह प्रदेश के 100 उच्च शिक्षा संस्थानों में सूचना प्रौद्योगिकी अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण में 75 कम्प्यूटर लैब और 59 इंटरनेट लीज लाइन का कार्य किया गया है। एकीकृत पोर्टल में 6 मॉड्यूल बना लिये गये हैं। शेष 12 मॉड्यूल का कार्य प्रगति पर है। डिजिटल रिपोजिटरी की स्थापना के लिये लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। कुल 21 विषय के 440 ई-कंटेंट तैयार कर लिये गये हैं। इस प्रकार के 6 हजार अन्य ई-कंटेंट भी तैयार किये जा रहे हैं। इनके निर्माण के लिये 10 संभागों में स्टूडियो स्थापित किये गये हैं। प्रदेश के 200 महाविद्यालयों में वर्चुअल क्लास रूम की स्थापना का कार्य भी चल रहा है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021-22 के नैक मूल्यांकन के लिये 55 महाविद्यालय चिन्हांकित किये गये हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान में प्रदेश में 98 करोड़ 23 लाख रुपये की राशि खर्च हुई है। मध्यप्रदेश भारत सरकार द्वारा जारी राशि का 86 प्रतिशत उपयोग कर इस क्षेत्र में देश के अग्रणी प्रांतों में है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि महाविद्यालयों को प्लेसमेंट प्राप्ति के लिये सहयोगी केंद्र के रूप में पहचान मिले। महाविद्यालयों में विद्यार्थियों का नामांकन ही अधिकाधिक होता रहे, यह एकमात्र उद्देश्य नहीं है। वर्तमान जरूरतों के अनुरूप शिक्षा देने के साथ ही रोज़गारमूलक पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने का कार्य किया जाये। श्री चौहान ने कहा कि उच्च शिक्षा, विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण, ज्ञान प्राप्ति और रोज़गार चुनने में मददगार है। उच्च शिक्षा में पर्याप्त रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिये यह अत्यंत उपयोगी है। यदि विद्यार्थी बिना उद्देश्य के शिक्षण परिसर में जीवन के महत्वपूर्ण 5-6 साल सिर्फ डिग्री के लिये व्यतीत करें तो हम बेरोज़गारों की फौज तैयार करने के अलावा कुछ हासिल नहीं कर पाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनेक नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत सराहनीय है, इस दिशा में निरंतर कार्य हो और नये-नये उपयोगी पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ायी जाये।

एआई से डिमेंशिया की भविष्यवाणी

डिमेंशिया एक ऐसा रोग है, जिससे व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। इस बीमारी में व्यक्ति अपने रोजमर्रा के कामों को भी आसानी से याद नहीं रख पाता है। अमेरिका में बड़े पैमाने पर किये गये एक अध्ययन में सामने आया है कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) इस बात की सटीक भविष्यवाणी कर सकता है कि स्मरणशक्ति के विकारों से ग्रस्त कौन लोग दो साल के अंदर स्मृति भ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त हो जायेंगे। अध्ययन में किये गये प्रयोग में 92 फीसदी सही उत्तर आये। अमेरिका के एक्सेटर विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शोध में 15,300 से अधिक मरीजों का ब्यौरा देखने से पता चलता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मशीन लर्निंग नामक रूप सही-सही बता सकता है कि किस मरीज में स्मृति भ्रंश विकसित होगा। यह तकनीक इस ब्यौरे में छिपे हुये पैटर्न को खोजती है और यह पता करती है कि कौन सबसे अधिक जोखिम में है। इसके द्वारा की गयी गणना से उन लोगों की संख्या को कम करने में मदद मिल सकती है, जिन्हें गलत तरीके से डिमेंशिया का मरीज बता दिया जाता है। शोधकर्ताओं ने अमेरिका के '30 नेशनल अल्जाइमर कोआर्डिनेटिंग सेंटर मेमोरी क्लीनिक' के नेटवर्क में शामिल हुये लोगों के ब्यौरे का विश्लेषण किया। अध्ययन की शुरुआत में उपस्थित लोगों को स्मृति भ्रंश नहीं था, हालांकि वे स्मृति संबंधी या अन्य तरह की मस्तिष्क संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे थे। 2005 से 2015 के बीच किये गये अध्ययन में दस लोगों में से एक में स्मृति क्लिनिक में जाने के दो वर्षों के भीतर स्मृति भ्रंश का मामला मिला। शोध में पाया गया कि मशीन लर्निंग मॉडल दो मौजूदा वैकल्पिक शोध विधियों की तुलना में कहीं अधिक 92 प्रतिशत तक सटीक तरीके से इन डिमेंशिया मामलों की भविष्यवाणी कर सकता है। शोधकर्ताओं ने पहली बार यह भी पाया कि लगभग 8 फीसदी निदान में त्रुटियां की गई हैं, क्योंकि बाद में उनके निदान की रिपोर्ट गलत साबित हो गई।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

भारतीय सेना दिवस | 15 जनवरी

राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण हैं सशस्त्र सेनाएं

किसी भी राष्ट्र की स्वतंत्रता और संप्रभुता तभी अक्षुण्ण रह सकती है, जब देश को विदेशी आक्रमण और घरेलू सशस्त्र संघर्षों से निपटने के लिये उस राष्ट्र में मुकम्मल सशस्त्र सेना हो। भारत को भी जब 15 अगस्त 1947 में उपनिवेशी शासन से स्वतंत्रता मिली थी। उस समय देश में विभाजन के कारण कई स्थानों पर दंगे भड़क गये थे। बड़ी संख्या में शरणार्थियों के भारत आने से उथल-पुथल और अस्त-व्यस्तता का माहौल था। कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी बेकाबू हो गई थी कि सेना की सहायता के बिना इस विकट स्थिति से निपटना सम्भव ही नहीं था। इस घरेलू अशांति और हिंसा से निपटने में आज़ादी के बाद सेना के उपयोग का वह सम्भवतः पहला अवसर था। उसी समय कश्मीर में भी बाह्य आक्रमण के कारण सेना को मोर्चे पर जाना पड़ा था। देश में घरेलू सशस्त्र हिंसा और बाह्य सैन्य आक्रमण से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए एक विशेष सेना कमाण्ड का गठन किया गया था। देश में विभाजन के कारण उत्पन्न इन्हीं विषम परिस्थितियों में तत्कालीन भारतीय सेना ने उस समय देशवासियों की सुरक्षा और बाह्य आक्रमण करने वाले घुसपैठियों को मार गिराने में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। तब तक इस भारतीय सेना के प्रमुख ब्रिटिश मूल के कमाण्डर जनरल रॉय फ्रांसिस बुचर थे। तब भी भारतीय सैनिकों और सैन्य अधिकारियों की सहायता से भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम का विलक्षण प्रदर्शन किया था और स्वतंत्र देश के पहले युद्ध में सशस्त्र सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की थी।

करियप्पा की पदभार तिथि को मनाया जाता है भारतीय सेना दिवस

भारतीय सेना-दिवस, भारत में हर वर्ष 15 जनवरी को फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा के भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उस समय करिअप्पा सेना के कमाण्डर जनरल थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश राज के समय के भारतीय सेना के अंतिम अंग्रेज शीर्ष कमांडर जनरल रॉय फ्रांसिस बुचर से यह पदभार ग्रहण किया था। यह दिन सैन्य परेडों, सैन्य प्रदर्शनियों व अन्य सैन्य आधिकारिक कार्यक्रमों के साथ नई दिल्ली व सभी सेना मुख्यालयों में मनाया गया था, जो आज भी पारम्परिक तौर पर मनाया जाता है। इस दिन उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी भी दी जाती है, जिन्होंने कभी ना कभी अपने देश और लोगों की सलामती के लिये अपना सर्वोच्च न्यौछावर कर दिया था। भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष देश की राजधानी दिल्ली में दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड से एक परेड निकाली जाती है, जिसकी सलामी थल सेनाध्यक्ष लेते हैं।

पिछले तीन-चार सालों की यदि हम चर्चा करें तो वर्ष 2018 में सत्तरवें भारतीय सेना दिवस की सलामी तत्कालीन जनरल विपिन रावत ने ली थी। जनरल विपिन रावत वर्ष में भारतीय सेना के पहले मुख्य रक्षा प्रमुख (चीफ डिफेंस ऑफिसर) बने थे। हाल ही में इनका असामयिक निधन हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुआ।

वर्ष 2019 के इकहत्तरवें भारतीय सेना दिवस की आर्मी सर्विस परेड का नेतृत्व पहली बार महिला आर्मी ऑफिसर लेफ्टिनेंट भावना कस्तूरी ने किया। इस वर्ष भी परेड की सलामी आर्मी चीफ विपिन रावत ने ही ली थी। वर्ष 2020 के बहत्तरवें भारतीय सेना दिवस की परेड की सलामी भी आर्मी चीफ विपिन रावत ने ही ली थी। अगले

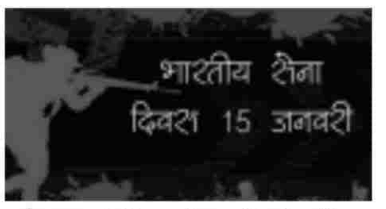

वर्ष 2021 में तिहत्तरवें भारतीय सेना दिवस पर परेड की सलामी भारतीय थलसेना के प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे ने ली। वर्ष 2019 में पूर्व जनरल बिपिन रावत देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ बन गये थे उन्होंने अपने संदेश में कहा कि 'हम उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हैं और उनका आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कर्तव्य के प्रति प्रकट वीरता और बलिदान हमें नए सिरे से दृढ़ता के साथ खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है। 'फील्ड मार्शल देश का सर्वोच्च पांच सितारा सैन्य सम्मान है और जनरल करियप्पा यह सम्मान पाने वाले दूसरे सेनाध्यक्ष थे। वर्ष 1973 में जनरल मानेक शॉ को और वर्ष 1986 में जनरल करियप्पा को यह सम्मान प्रदान किया गया था।

भारतीय सशस्त्र बल में सबसे प्रमुख है भारतीय थल सेना

भूमि पर सैन्य अभियानों का संचालन का जिम्मा भारतीय थल सेना का है और भारतीय थल सेना भारतीय सशस्त्र बल का सबसे बड़ा और सबसे प्रमुख अंग है। भारत के राष्ट्रपति, थलसेना के प्रधान सेनापति होते हैं और भारतीय सेना की कमान भारतीय थल सेनाध्यक्ष के हाथों में होती है जो कि चार-सितारा जनरल स्तर के अधिकारी होते हैं। पांच-सितारा रैंक के साथ फील्ड मार्शल की रैंक भारतीय सेना में श्रेष्ठतम सम्मान की औपचारिक स्थिति है। अभी तक जनरल करियप्पा, अर्जन सिंह और मॉनेक शॉ को इससे सम्मानित किया जा चुका है। ब्रिटिश भारतीय सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा किया गया जो बाद में ब्रिटिश इंडियन आर्मी के रूप में परिवर्तित हुई थी। आजादी के बाद यह सेना भारतीय राष्ट्रीय सेना के रूप में परिणित हुई। भारतीय सेना की टुकड़ी और रेजिमेंट का शौर्यपूर्ण इतिहास रहा है। कई वैश्विक लड़ाईयों और सैन्य अभियानों में भारतीय सेना ने हिस्सा लिया। आजादी से पहले और बाद में बड़ी संख्या में युद्ध सम्मान अर्जित किये। भारतीय सेना का आदर्श वाक्य है, 'सर्विस विफोर सेल्फ' यानी (स्व पूर्व सेवा)।

कोरोना संक्रमण और सेना का ऑपरेशन 'नमस्ते'

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए भारतीय सेना ने भी ऑपरेशन 'नमस्ते' आरम्भ किया था। तत्कालीन आर्मी चीफ एम.एम. नरवणे मानते हैं कि महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए सेना की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह सरकार की मदद करे। नरवणे ने लाइन ऑफ कंट्रोल या लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तैनात सैनिकों से अपने करीबी और प्रियजन के बारे में चिंता न करने और छुट्टियों को रद्द करने का प्रस्ताव किया था। उच्च सैन्य अधिकारियों को लगा था छुट्टी को रद्द करने से सैनिकों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन उन्होंने बताया कि वर्ष 2001-02 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान सेना के जवानों ने आठ से दस महीने तक छुट्टियां नहीं ली थीं। देश की रक्षा के लिए जरूरी है कि सेना अपने आप को फिट और सुरक्षित रखें। इसको ध्यान में रखते हुए सेना की ओर से दो-तीन एडवाइजरी जारी की गई थीं। भारतीय सेना ने इसे ही ऑपरेशन नमस्ते नाम दिया है। उन्होंने अपने सैनिकों को भरोसा दिलाया कि वह अपने करीबियों की चिंता न करें, क्योंकि सेना उनका ख्याल रख रही है। आर्मी चीफ ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि हम अपने ऑपरेशन नमस्ते में सफल होंगे और ऐसा हुआ भी।

कोरोना संक्रमण के बाद भी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है

कोरोना संक्रमण के कारण जब देश में लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां ठप्प हुईं तो उसके प्रभाव से भारतीय सेना भी अछूती नहीं रह पाई, लेकिन इसकी तैयारियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। भारतीय सेना के लिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल रही। कोरोना के कारण हमारी तैयारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और हमने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पाक सीमा पर एकीकृत युद्ध समूह तैनात किये और तैयारियों को जारी रखने और प्रभावी ढंग से उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए रक्षा बल का संरक्षण सुनिश्चित किया। युद्ध तत्परता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सभी रैंकों को लगातार प्रोत्साहित भी किया। कोरोना के कारण उपजी आर्थिक बाधाओं के मद्देनजर रक्षा बजट के तहत आवंटित राशि के बेहतर इस्तेमाल की पहल भी सेना ने की। रक्षा के लिये आरक्षित राशि का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से युद्ध सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिये किये जाने का संकल्प भी दोहराया।

संकट में जनता के साथ हमकदम रहती है भारतीय सेना

भारतीय सेना का प्राथमिक उद्देश्य तो राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की एकता सुनिश्चित करना, राष्ट्र को बाहरी आक्रमण और आंतरिक खतरों से बचाना और अपनी सीमाओं पर शांति और सुरक्षा को बनाए रखना हैं। भारतीय सेना प्राकृतिक आपदाओं और अन्य गड़बड़ियों के संकेत के दौरान मानव जीवन को बचाने और कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखने में भी जरूरत पड़ने पर सहायता करती है। भारतीय थलसेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना के साथ राष्ट्रीय शक्ति का एक प्रमुख अंग है। संघर्षों के अलावा, सेना ने शांति के समय कई बड़े अभियानों और ऑपरेशन का संचालन किया है। सेना ने कई देशों में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में एक सक्रिय प्रतिभागी भी रहा है। विकट परिस्थितियों में भी सौंपे गये सैन्य लक्ष्यों को न्यूनतम मानवीय एवं सैन्य संसाधनों की क्षति के साथ सैन्य कर्तव्यों के निर्वाह में भारतीय सेना की पारंगतता की भी वैश्विक ख्याति रही है।

भारतीय सेना की संरचना प्रविधि एकल सैन्य दल वाली है

भारतीय सेना की संरचना - एकल सैन्य दल अर्थात् रेजीमेन्ट प्रणाली वाली है। लेकिन भारतीय सेना बुनियादी क्षेत्र के गठन विभाजन के साथ संचालन और भौगोलिक रूप से सात कमान में विभाजित है। यह एक सर्व-स्वयंसेवी बल है और इसमें देश के सक्रिय रक्षाकर्मियों का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। यह सक्रिय और आरक्षित सैनिकों की भारी संख्या के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्थायी सेना है। भारतीय सेना ने सैनिकों के आधुनिकीकरण कार्यक्रम की शुरुआत भी की है, जिसे 'फ्यूचरिस्टिक इन्फैंट्री सैनिक प्रणाली' के नाम से जाना जाता है। इसके साथ ही भारतीय सेना अपने बख़्तरबंद, तोपखाने और उड्डयन शाखाओं के लिए नए संसाधनों का संग्रह एवं उनमें सुधार का काम भी कर रही है।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

HIGH COURT OF MADHYA PRADESH : JABALPUR

ADVERTISEMENT

M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE (DISTRICT JUDGE - ENTRY LEVEL)

DIRECT RECRUITMENT FROM BAR, EXAM-2021

Advertisement No. 04 /Exam/DR_HJS/2021 **Date : 12.01.2022**

Starting Date for submission of Online Application Form - 25.01.2022 (12:00 PM)
Last Date for submission of Online Application Form - 23.02.2022 (11:55 PM)
Period of Correction in Online Application Form - 01.03.2022 (12:00 PM) To 03.03.2022 (11:55 PM)
Date of Online Preliminary Examination - To be notified later
Date of Main Written Examination - To be notified later

Only Online applications are being invited for **09 posts** in Madhya Pradesh District Judge (Entry Level) in the pay scale of Rs. 51550-1230-58930-1380-63070 (Pre revised) in the cadre of Higher Judicial Service by Direct Recruitment from amongst the eligible Advocates under Rule 5(1)(c) and as per direction of Hon'ble Supreme Court passed in SLP (C) No. 14156/2015 (*Dheeraj Mor Vs. Hon'ble High Court of Delhi*). Recruitment to these posts and conditions of service will be governed by the M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017 & other relevant laws, Rules, Notification, Regulation & Implementation, as amended up to date of the Advertisement.

IMPORTANT-NOTE

1. Candidates interested in and who are eligible to apply for the post, should submit their applications as per the Online Application-format available on **www.mphc.gov.in** by filling all details in respect of certificates/testimonials relating to their date of birth, caste, category, qualifications, domicile, experience, standing at the Bar etc.
2. The entries in application forms shall be same as is shown in the Eligibility Documents.
3. The right to change the number of vacancies (i.e. increase or decrease) at any time, if required, is vested with High Court of M.P.
4. It is made clear that all candidates who are not bonafide domicile of State of Madhya Pradesh shall be treated to be of "Unreserved category", irrespective of their categories in their own States and they are required to fill up their category as Unreserved (UR) in the application forms and wherever required, during Process of Examination and Selection process he/she shall also have to pay Examination fee, accordingly.
5. Permission to appear in the exam shall be provisional and if at any stage, it is found that the candidate does not fulfill the conditions of Advertisement or Certificates are found false then his/her candidature shall be rejected without assigning any reason.
6. Only those forms shall be treated as successfully submitted, where the examination fees is credited in the account of High Court within prescribed time. It shall be the duty of candidate to fill all the details correctly in Online Application Form. Any representation received for correction or otherwise after prescribed time shall be summarily rejected.
7. **It is cautioned that the candidates are required to write their Roll No. only** in place provided for that purpose at the first cover-page of the answer book of Main Written Examination. Writing his/her own name or roll no. or any mark of identification in form of any number or name or mark or any other form, shall be deemed to be made in order to distinguish/ identify the answer-book of the candidate from others and the same is strictly prohibited. Any Violation of it shall, in addition to other grounds, entail cancellation of candidature and withholding of result, and any correspondence, in this regard, shall not be entertained.
8. Candidate shall use **blue or black ink only** for writing in Answer book of Main Written Examination and shall not use ink of any other colour or Pencil for the same.
9. **It is compulsory for the candidate to appear in all Question Papers. If any candidate does not appear in any Question Paper then he/she shall not be permitted to appear in the examination of remaining Question Paper(s). The Answer books of such candidate shall not be evaluated and his/her candidature shall be deemed to be cancelled.**
10. Any representation/application for changing dates of examination/selection process, for relaxation of conditions mentioned in the Advertisement or Examination related directions or guidelines or minimum marks or qualifications/requirements etc. or for revaluation, shall not be entertained and shall be summarily rejected without assigning any reason.
11. All the directions/instructions/guidelines/format issued regarding Examination shall be treated as part of the Advertisement.
12. The High Court shall have all the right reserved to make any change at any time of Selection process which may be notified by porting on the website of High Court **(www.mphc.gov.in).**
13. **Selection process is subject to decision of Hon'ble the Apex Court/High Court that may affect selection under under Rule 5(1)(c) of M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017.**

DETAILS OF POSTS

Rule 6 sub-rule (1) & (2) of the M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017, provides reservation for S.C., S.T. and O.B.C. Candidates 15%, 18% and 14% of posts respectively and 2% Horizontal reservation for persons suffering from locomotor disabilities, for the posts of Direct Recruitment (from Bar), under Rule 5(1)(c) of the above Rules. The details of number of Vacancies to the post, Category-wise are as under :-

S. No.	Category	Percentage
01	Scheduled Castes	15% of 09 posts = 1.35 i.e. 1 post
02	Scheduled Tribes	18% of 09 posts = 1.62 i.e. 2 post
03	OBC	14% of 09 posts = 1.26 i.e. 1 post
04	Unreserved	(total 09-04 reserved =05) 5 post
	Total	**09**

Note :-1. The right to change the number of vacancies (i.e. increase or decrease) at any time, if required is vested with High Court of M.P.
2. Total reserved post cannot exceed 50% of total vacancy.
3. The aforesaid 2% of Horizontal reservation as per Rule 6 sub-rule (1) & (2) of the M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017, will be applied to first fill up the Open Competition quota (50%) on the basis of merit and second step would be to fill up each of the social reservation quotas i.e. SC, ST and OBC and then the third step would be to find out how many candidates belonging to special reservations have been selected on the above basis and if that quota is already satisfied, no further question of providing reservation arises. If not so satisfied, the requisite number of special reservation candidates i.e. horizontal reservation shall have to be pushed up and adjusted against their respective social reservation categories by deleting the corresponding number of candidates there from.
If, for example, a physically handicapped person selected for appointment happens to belong to Scheduled Caste category, he will be taken to have exhausted one seat of Scheduled Caste category. If however he belongs to Open Competition (OC) category, he will be placed in that category by making necessary adjustments. The purpose of this is to ensure that horizontal reservation provided within the vertical reservation may not result in exceeding the percentage of the prescribed quota.

2. Eligibility of candidates -

No person shall be eligible for appointment by direct recruitment unless, he or she -

(a) is a citizen of India ;
(b) has attained the age of 35 (thirty five) years and has not attained the age of 45 (forty five) years on the first day of January in the year in which applications for recruitment are invited;
(c) (i) has for atleast 7 (seven) years been an advocate on the first day of January of the recruitment year in which applications for recruitment are invited (certificate of competent authority is required);

Hon'ble the Supreme Court vide judgment dated 19.02.2020 passed in SLP (C) No. 14156/ 2015 (Dheeraj Mor Vs. Hon'ble High Court of Delhi) has held that –

"47 (iv) For the purpose of Article 233(2), an Advocate has to be continuing in practice for not less than 7 years as on the cut-off date and at the time of appointment as District Judge. Members of judicial service having 7 years' experience of practice before they have joined the service or having combined experience of 7 years as lawyer and member of judiciary, are not eligible to apply for direct recruitment as a District Judge."

(c) (ii) has been Prosecution Officers/Addl./Assistant Prosecution Officer, having Seven or more years of experience, (will be treated to be an Advocate and eligible as per judgment of Hon'ble Supreme Court in Civil Appeal No. 561/2013 **(Deepak Aggarwal Vs. Keshav Kaushik & others);**
(d) has good character and is of sound mind and body and free from any physical and mental disability which renders him/her unfit for such appointment;

The aforesaid fact of practice may be prima facie seen by the following modes:-

(1) By calling Income-tax return of candidate (at least three previous years) in which his/her income should be shown from the profession of Advocate (Detail has to be furnished by the candidate);
(2) The candidate shall also give list of at least 10 Finally decided/ Disposed off cases along with details i.e. Certified Copy of Final Order/ Judgment in which his/her name is shown;
(3) Certificate of Continuous Practice, issued by the Principal District Judge or in Case of High Court, by the Registrar (Judicial)/Similar Competent Authority.

3. Disqualification of Candidates :-

A person shall be disqualified for appointment by direct recruitment, if he or she–

(a) has more than one spouse living;
(b) has been dismissed or removed from service by any High Court, Central or State Government, Statutory Body or Local Authority ;
(c) has been convicted of an offence involving moral turpitude or has been permanently debarred or disqualified by any High Court or Union Public Service Commission or any State Public Service Commission or any Services Selection Board or Staff Selection Commission constituted under statutory provisions by the Government ;
(d) has been involved in such other criminal case which in the opinion of the Appointing Authority is not suitable to discharge the functions as Judicial Officer ;
(e) has been found guilty of professional misconduct under the provisions of the Advocates Act, 1961 or any other law for the time being in force ;
(f) has more than two living children one of whom is born on or after 26-01-2001 in terms of sub-rule (6) of Rule 6 of The Madhya Pradesh Civil Services (General Conditions of Services) Rules, 1961 ;
Explanation :- For the purpose of this Sub Rule, child born within 280 days from the date of 26.01.2001 shall not constitute disqualification;
(g) if he has accepted or accepts dowry at the time of his marriage ;
Explanation :- In this clause, the word "dowry" shall have the same meaning as assigned to it in Dowry Prohibition Act, 1961 (No. 28 of 1961).
(h) If he or she does not fulfill the provisions of M.P. Higher Judicial Service (Recruitment & Conditions of Service) Rules, 2017, M.P. Civil Services (conduct) Rules, 1965, M.P. Civil Services (General Conditions of Service) Rules 1961 and any other Rules/Regulation/ Notification/Instructions, as issued by the State Government as may be adopted by the High Court.
(i) **Uses Unfair Means or gives false information as to whether he/she has been prohibited or debarred, temporarily or permanently to appear in any Examination conducted by M.P. High Court or any Board or Statutory authority.**

Unfair Means :-

In any of the following cases, Applicants/Candidates may be liable for prosecution and/or cancellation of their candidature for and/or he/she may be prohibited or debarred, temporarily or permanently, to appear in any Examination conducted by M.P. High Court, if he or she,:-

(i) Takes or attempts to take any favour in any form at any stage of Examination, or,
(ii) Impersonates himself or gets other to impersonate as him in the exam process, or,
(iii) Makes or submits any forged document in support of his or her candidature, or,
(iv) Conceals any material information or provides any false information, at any stage of selection process or appointment, or,
(v) Uses or attempts to use, improper or illegal means, either for purpose of being permitted to appear in examination or at any stage of Examination in Examination Room/Hall, or,
(vi) During Examination or Interview, harasses or threatens or causes physically injury to or misbehaves with, any Officer or employee or person engaged there for, or,
(vii) Disobeys any directions relating to Examination including oral directions by the Invigilator or Observer or any other Officer or Employee engaged in conduction of Examination.
(viii) **Uses or attempts to use any material to cheat or brings any prohibited item in Examination room/hall of Online Preliminary Exam or Main Written Exam or Interview, or causes any harm to the computer or any wire, peripherals attached thereto or to any furniture, buildings or any other thing of any Examination Centre, or talks with any candidate or other person or peeps on the computer-screen, table or answer-sheets of other candidates, during Examination.**
(ix) Commits any violation of instructions as to not bringing Mobile Phones, pagers or any electronic & communication devices/calculators inside the main gate of premises where the Examination, either Online Preliminary or Main Written Exam, shall be conducted.

Note(s) :-

(i) In all or any of aforesaid case, in addition to the cancellation of candidature/selection/ appointment, the candidate may be prosecuted for an offence punishable under M.P. Recognised Examination Act, 1937 for which the punishment is upto 3 years of imprisonment or/and under other relevant Law.
(ii) Candidates are advised not to bring any banned items and any valuable/costly items to the examination centre, as there may not be any arrangement for safe-keeping for the same. High Court or Service Provider or Examination Center will not be responsible for any loss in this regard.
(iii) Canvassing in any form, at any stage of process, will also be a disqualification. Similarly, any attempt on the part of a candidate to enlist support for his candidature/selection/appointment

through persons of influence or officers of Government will also disqualify him for candidature/ selection/appointment.

4. Procedure and Direction for submitting Online Application Form :-

Candidates are required to log on website of **www.mphc.gov.in and to click on "Recruitment"** tab, then click on Online Application for M.P. H.J.S. (Direct Recruitment from Bar) Exam-2021. Now the candidate will find Four links –

(1) Advertisement
(2) Registration
(3) Application
(4) Edit Application.

The candidate will have to Click on Advertisement and read carefully the instructions given in Advertisement. Thereafter, click on "Registration" link and after filling the required information candidate will get the User ID and Password on the Registered Mobile No. and E-mail ID to fill up the Application Form.

The Online Registration and Application form are being so designed that the Candidate will be prompted through alert pop up messages regarding entries and same shall be cross verified through alert window. Entries shall also seek confirmation from the Candidate before final submission of the Application Form by him.

Once the Candidate has registered himself and starts to fill the form, **no correction/alteration shall be allowed in entries made during registration.** However, if a Candidate wants to correct/change any entry of registration form he may, before pressing the submit button to deposit the fees, re-register and fill application form afresh.

After filling the application form candidate will be required to upload signature and recent Colour Photo in the last "Document Upload" tab and after preview the form details click on "Submit" button and pay the Application Fee.

5. Mode of Payment –

After completing form details and uploading photo and signature candidate can preview the form by clicking on Preview button then click on Submit button to make the payment opting from any of the mode provided through Payment Gateway. After making payment successfully, the candidates are required to take a print out of Application Form by clicking on "Print" tab and keep safely with them for further requirement if and when needed.

Once fee is submitted after filling the form, no changes in the Application Form are allowed as to entries made during registration. The "Edit Application" Period is provided for correction of entries in "Application Form" only.

Notes :- Before Calling for any help read Advertisement carefully –

(i) For any help regarding Online Application candidate may call on Helpline No. 022-61306271.

(ii) For any help regarding Advertisement candidate may call on Helpline No. 0761-2622395.

6. Examination Fees –

Looking to the circumstances posed by Covid-19 pandemic, for the safety and security of candidates, Examination shall be conducted by adopting SD-100 with isolations Model. The fees structure of SD-100 with isolation Model is as given below :-

Online Preliminary Exam

1.	**For Unreserved (UR) and candidates** from the state other then Madhya Pradesh candidates	**Rs.1047.82/-** (Examination Fee Rs. 400/- + 60/- +18% GST (Jammer Fee) + Portal Charge Rs. 577.02/- (335/- + 154 Covid-19 Arrangement Fee + 18% GST for Service Provider))
2.	For Candidates of **Reserved categories** (O.B.C., S.C. & S.T candidates who are domicile of M.P. only and Specially Abled candidates)	**Rs. 647.82.** (Examination Fee Rs. 00/- + 60+18% GST (Jammer Fee) only Portal Charge Rs. 577.02/- (as mentioned above))

Main Written Exam

3.	For all candidates appearing in Main Written Exam	Rs.283.20/- (@Rs.60/- per session (Jammer Fee) + 18% GST for Service Provider)

Note:- 1. Above mentioned fees may be subject to increase and in case of increase, candidate has to pay the increased fees and no objection as to increase in fees shall be entertained.

2. Any candidate, who is not a bonafide resident (domicile) of State of Madhya Pradesh, shall be treated as Unreserved Category (UR) in all respects for the purpose of selection process and he/she shall also have to pay Examination fee, accordingly.

There shall be no provision for the refund or adjustment of examination fees. Only those forms shall be treated as successfully submitted, where the examination fees is credited in the account of High Court within prescribed time. It shall be the duty of candidate to fill all the details correctly in Online Application Form. Any representation received for correction or otherwise shall be filed without assigning any reason.

Candidate(s) whose payment against above prescribed fees is not shown credited within prescribed time in account of Exam Cell of High Court, for any reason, then neither he/she shall be permitted to appear in exam nor shall their Admit Card be issued. Any representation in this regard shall be rejected without assigning any reason.

Candidate of any category, except person with disability belonging to the State other than Madhya Pradesh shall be treated as candidate of Unreserved category for the purpose of examination fees.

7. Travelling Expenses –

No Travelling Expenses or allowances will be payable to any candidate for appearing in Preliminary Examination, Main Written Examination or Interview.

8. Admit Cards –

Admit Cards/Hall Tickets at each stage of Selection Process (Online Preliminary Exam, Main Written Exam & Interview) containing necessary instructions shall be generated on the website of M.P. High Court and the candidate may download the same and take print of Admit Card. Breach of any necessary instruction by candidate shall disentitle him/her to further participate in examination.

Note:- Permission to appear in examination to candidates shall be provisional. Issuance of Admit Card shall not be construed as endorsement on eligibility of candidate, if at any stage during process of examination, it is found that the candidate(s) does not fulfill the conditions of Advertisement or Certificates are found false then his/her candidature shall be rejected without assigning any reason.

9. Special provision as to person with disability :-

Candidates with disability may be allowed to avail the Facility of scribe in suitable cases and as per prevailing guidelines and norms and Compensatory time may also be granted to candidates with disability as per the Office Memorandum F.No.34-02/2015-DD-III, dt 29.08.2018 issued by the Government of India, Ministry of Social Justice & Empowerment of Persons with Disability and direction of Hon'ble the Supreme Court in Civil Appeal No. 273/2021 **(*Vikas Kumar V. U.P.S.C. & others,* 2021 S.C.C. Online SC 84).**

10. Selection/Recruitment Process-

The Selection /Recruitment process shall be completed in Three Stages-

A. Preliminary/Screening Exam,
B. Main Written Exam and
C. Interview

A- Preliminary/Screening Examination

(1) Date, time, Shifts and Centres -

Online Preliminary Examination, for the purpose of screening, may be held on such date as may be notified later.

Centres –

The **Online Preliminary Examination** may be held in the cities at Jabalpur, Bhopal, Indore, Gwalior, Sagar, Satna & Ujjain (at all or one or more places) in different Institutions/Colleges as may be identified by the Service Provider for such purpose by keeping in mind the number of candidates appearing in exam as per requirement.

Though the candidates may opt District for Online Preliminary Examination but the District allotted to the candidates by the Service Provider shall be final and the candidates shall not have any right to make any objection in this regard. Objections made in this regard shall be deemed to be filed.

The **Main Written Examination** shall be held at Jabalpur in one or more different Institutions/ Colleges, on two or more consecutive days/Date(s). The date, time and venue(s) of Main Written Exam shall be decided by Hon'ble the Chairman, Examination Committee with the approval of Hon'ble the Chief Justice.

2. Change in Venue and Date of Examination

The date, time and place of Online Preliminary or Main Written Exam may be changed in case of any exigency(s) or circumstances beyond control. Online Preliminary or Main Written Exam scheduled for any date may be cancelled in case of technical snag, calamity, disaster etc, at all or any one or more Centre(s). In case of such cancellation, the Online Preliminary or Main Written Exam of all candidates scheduled for that date at the concerned centre(s), may be re-scheduled for some other suitable date, time and place(s)/centre (s). In such case, the Set of Question Paper shall be different from previous date and the duration of Exam of each shift shall be the same. No candidate/ applicant of Online Preliminary or Main Written Exam shall have any right to raise any objection, in this regard.

Examination centers would be equipped with CCTV cameras facing the candidates with Video Recording facility.

3. Practice/Mock Test:

A Mock Test/exam link is being hosted by Service Provider on High Court website i.e. **(www.mphc.gov.in)** for the candidates before sufficient reasonable period from Online Preliminary Examination in order to make them familiar with the exam pattern and procedure to be adopted by them during examination.

4. Pattern and Syllabus of Online Preliminary Exam -

The Online Preliminary (Screening) Examination shall be conducted online, through the portal, website and system of Service Provider and there shall be objective Multiple Choice Questions (M.C.Q.) wherein the candidates shall have four options to select the most appropriate/right answer to be given in online Examination.

Question paper for Online Preliminary Examination shall contain **150 multiple choice objective type questions to be solved within a period of Two hours (120 Minutes).**

Syllabus with proportionate marks for Preliminary Examination of District Judge (Entry Level) Direct from Bar, Exam-2021, as given hereinafter:-

S.N.	Subject	No. of Ques.	Marks
1.	I.P.C., Cr.P.C. & Evidence Act	30	30
2.	C.P.C.,T.P. Act & Contract Act	20	20
3.	Constitution of India	10	10
4.	Specific Relief Act	5	5
5.	N.D.P.S. Act	4	4
6.	Limitation Act	3	3
7.	Negotiable Instrument Act	3	3
8.	M.P. Land Revenue Code	5	5
9.	M.P. Accommodation Control Act	5	5
10.	Hindu Marriage Act, Hindu Succession Act & Hindu Adoption & Maintenance Act only)	7	7
11.	SC & ST (Prev. Of Atrocity) Act	3	3
12.	Motor Vehicle Act (Chapter X, XI & XII only)	3	3
13.	Court Fees Act, Indian Registration Act & Indian Stamp Act)	7	7
14.	General Knowledge	15	15
15.	Computer Knowledge	10	10
16.	General English	10	10
17.	Law Lexicon & Maxims	5	5
18.	Medical Jurisprudence	5	5
	Total	**150**	**150**

Note :- *Out of the above, there may also be some questions based on leading/ latest Supreme Court Decisions and Full Bench Decisions of M.P. High Court.*

* All above Acts, as stand amended up to the date of publication of Advertisement.

The Questions of Online Preliminary Exam shall be accessible to a candidate on the screen of Machine/Computer of the candidate after login by using Unique I.D. & Password provided to each candidate only on the date and time provided for Online Preliminary Examination. The duration of Online Preliminary Exam shall be two hours (120 Minutes).

Once the candidate gives the answer of one question and seal the option by applying "Save & Next" button, the next question with options, will appear on the computer screen and so on, till the last question of the question paper and unless the opted answer of any question is marked for "review", after the answer opted and Save and Next button is applied, the next question with its options will appear on the screen and thereafter, no change in options of the question so answered, may be made. After completing online examination, the candidates shall be required to submit the answered Question Paper, thereafter no addition or amendment of answer/option can be made.

6. (i) Objections & Finalization of Model Answers -

After completion of Online Preliminary Examination, the proposed Model Answers/Keys intended to be used for generating result and valuation of online answer-sheet of online Preliminary Exam shall be ported on the website of the M.P. High Court along-with notice, to invite objections (with supportive documents) from the candidates regarding any Model Answer/Key. Such objection may be submitted by the candidate in writing & signed by him in person/via e-mail/registered post to the Principal Registrar/Registrar (Exam) M.P. High Court, Jabalpur, within 07 days during working hours from the date of porting of the proposed Model Answer/Keys. The candidate(s) who raised objection must mention his/her name & application number along-with self attested photo-copies of source document(s)/proof on the basis of which he/she has submitted the objection.

Objections received within aforesaid time and in aforesaid manner shall be taken into consideration. However, any objection received without any authentic proof/source or without signature or any objection received after aforesaid stipulated period/time shall not be entertained/considered on any ground whatsoever and may be rejected without assigning any reason.

The Model Answer shall be finalized after due consideration of objection(s) received. The Model Answer so finalized shall be used as Keys/Model Answer for the generation of result/ valuation of the answer-sheets of the candidates of Online Preliminary Exam. After declaration of result of Online Preliminary Exam, no representation in respect of objection to any finalized

Answer Keys, shall be entertained on any ground, whatsoever it may be and such representations, if any, received after declaration of the result, shall stand rejected, without assigning any reason.

(ii) Valuation, Minimum marks & Result of Online Preliminary Exam by Service Provider -

After completion of Online Preliminary Examination, the valuation shall be made as early as possible. The Result shall be uploaded on the website of the M.P. High Court.

Minimum Marks -

The candidates of UR (Unreserved) and OBC Categories, who secure 60% Marks and the candidates belonging to S.C. & S.T. Categories, who secure 55% marks, subject to the maximum number of candidates in the ratio of 1:10 shall be eligible to apply for the Main Written Examination. However, candidates securing equal minimum cut-off Marks shall also be eligible to apply for the Main Written Examination, irrespective of the fact that by inclusion of such candidates, ratio of 1:10 exceeds.

Being the screening test, no reservation shall be given / applicable to the candidates; however, in order to provide fair opportunity to all categories candidates, a separate Merit list of successful candidates, for each category shall be prepared. There shall be no prescribed minimum number of candidates, if sufficient number of the candidates could not secure minimum prescribed marks in ratio of 1:10 of the vacancies.

A Notice to the effect that the result has been declared and is available on the website of M.P. High Court may be displayed on the Notice board of Examination Cell.

B- Main Written Examination (400 Marks)

1. Applications and Documents for Main Written Examination -

After declaration of Result of Online Preliminary Examination, the eligible/successful candidates shall have to submit Application Form for appearing in Main Written Exam, along-with Self-Attested copies of relevant documents, in prescribed proforma made available on the website of M.P. High Court, with the declaration of result.

The duly filled Applications, with documents, must reach the Examination Cell of the High Court within the prescribed time. Duly and correctly filled Application Form along-with Jammer fees shall be treated as valid, while incomplete Application Form or Application Form with incorrect particulars & without or deficit fees will not be considered to be valid. No correspondence shall be entertained in this regard and the same shall be filed without assigning any reason.

Non-receipt of completed Application Form of any candidate, within time mentioned above, for whatsoever reason i.e. even postal delay, will not be accepted as an excuse for late submission of Application Form and application received after last date shall be summarily rejected without assigning any reason.

2. List of Documents/Certificates to be submitted with the Application for Main Written Examination :-

Candidates qualifying for Main Written Examination shall have to submit with his/her Application Form documents mentioned as under :-

(1) All details and Self-attested Copies of the Certificates/testimonial relating to their date of birth, caste, qualifications, domicile, experience, standing at the Bar, antecedents, etc.

(2) Income-tax return of candidate (at least three previous years) in which his/her income should be shown from the profession of Advocate.

(3) Certified Copies of 10 Finally decided/Disposed off cases in which his/her name is shown mentioned by him in Application Form which may be verified by the High Court from the concerned authority.

(4) Certificate of Continuous Practice for not less than seven years as on the Last date for filling Online Application Forms issued by the Principal District Judge or in case of High Court, by the Registrar (Judicial)/Similar Competent Authority.

(5) Self-attested Copies of all other Educational Certificates and other testimonials mentioned in application.

(6) Such other document/certificate as may be required by Examination Cell.

3. Venue, Date & time of Main Written Examination -

The Main Written Examination shall be held only at Jabalpur, on two consecutive days. The Date & Time of Main Written Examination shall be notified later.

4. Syllabus/Pattern of Main Written Examination –

The Main Written Examination shall be held on two consecutive days in two shifts. There shall be four descriptive question papers. Each paper shall be of three hours duration and shall carry 100 Marks each. On first day, Examination of 1st and 2nd Question Paper and on Second day, Examination of 3rd and 4th Question Paper will be conducted.

Syllabus for Main Written Examination shall include the following subjects and topics for which the marks are prescribed as under:-

1st Paper–Constitution, Civil Law & Procedure (100 Marks)

1.	Constitution of India	20 Marks
2.	Civil Procedure Code,	20 Marks
3.	Transfer of Property Act,	12 Marks
4.	Contract Act,	12 Marks
5.	Hindu Marriage Act & Hindu Succession Act	12 Marks
6.	Specific Relief Act,	08 Marks
7.	Limitation Act	08 Marks
8.	M.P. Accommodation Control Act	08 Marks

2nd Paper – Article & Summary Writing (100 Marks)

1.	Article on Social Topic	20 Marks
2.	Article on Legal Topic	20 Marks
3.	Summary Writing (Legal)	20 Marks
4.	Translation of Hindi into English	20 Marks
5.	Translation of English into Hindi	20 Marks

3rd Paper – Local Laws, Criminal Law & Procedure (100 Marks)

1.	Indian Penal Code	20 Marks
2.	Criminal Procedure Code	20 Marks
3.	Evidence Act	20 Marks
4.	SC & ST (Prevention of Atrocities) Act	12 Marks
5.	POCSO Act	12 Marks
6.	NDPS Act (Chapter-3,4 & 5)	08 Marks
7.	Negotiable Instrument Act (Ch.-13 &17)	08 Marks

4th Paper – Judgment Writing (100 Marks)

1.	Settlement of Issues	10 Marks
2.	Framing of Charges	10 Marks
3.	Judgment writing (Civil)	40 Marks
4.	Judgment writing (Criminal)	40 Marks

Note-1. For Summary Writing, the candidate(s) shall be asked to summarize it into 1/3rd words of the matter given.

Note-2. All provisions of the mentioned laws, in force as on date of Advertisement.

Note-3. It is compulsory for the candidate to appear in the exam of all Question Papers. If any candidate does not appear in any Question Paper then he/she shall not be permitted to appear in the examination of remaining Question Paper(s), the answer sheets of such candidate shall not be evaluated and his/her candidature shall be deemed to be cancelled.

It is cautioned that the candidates are required to write their Roll Ro. only in place provided for that purpose at the first cover-page. Writing of his/her own name or roll no. or any mark of identification in any form or any Number or name or mark, by which the Answer-book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer-Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature and withholding of his/her result. Any correspondence, in this regard, shall not be entertained. Candidate shall use **only blue or black ink** and shall not use red, green etc. ink or Pencil for writing in Answer books.

5. Result & Minimum marks of Main Written Examination -

After valuation of Answer Books of Main Written Examination, the result shall be prepared. Endeavour shall be made to declare the result as early as possible.

The Unreserved & O.B.C. candidates will have to secure at least 50% marks aggregate and the S.C. & S.T. candidates will have to secure at least 45% marks aggregate in four papers to be declared successful for Interview/Viva Voce. Result shall be prepared Merit-wise, in the ratio of 1:3, subject to the availability of qualified candidates, i.e. who have secured minimum qualifying marks. However, all candidates securing marks equal to the cut-off marks, shall be eligible for Interview/Viva Voce.

The Roll No. Wise List of candidates successful for Interview/Viva Voce shall be made available on Website of M.P. High Court. However, the Marks obtained by candidates in Main Written Exam shall not be disclosed at this stage and shall be disclosed only after the declaration of Final Result.

6. Marks of candidates -

The marks obtained by the candidates in Online Preliminary Exam may be disclosed after declaration of result of Online Preliminary Exam and marks obtained by the candidates in Main Written Exam shall be disclosed to concern candidate under RTI only after declaration of Final Result and recommendation letter of selected candidates are sent to Law Department.

7. Rechecking/Revaluation -

There is no provision for Rechecking of Marks or Revaluation of Answer-books at any stage of Examination. Any representation/application received in this regard shall not be entertained and will automatically stand rejected without assigning any reason.

C - Interview/Viva Voce

The Interview/ Viva Voce shall be of 50 marks and a candidate has to secure minimum 40% marks in Interview to be finally selected. Interview Board(s) consisting of Hon'ble Judges of High Court shall be constituted by Hon'ble the Chief Justice. If any candidate has been awarded less than 20 marks or more than 40 marks, Interview Board may record reason(s) for that. Interview shall be held only at Jabalpur.

After result of Main Written Examination, the candidates who qualified for Interview shall submit Bio-Data Form and Attestation forms to be made available on the website. Call Letters shall be generated by the Service Provider and a Interview plan, showing Roll No., Name of the candidates, place, date & time of Interview and also list of original documents/ testimonials to be produced for checking and comparing with the photocopies submitted with the Application Form for Main Written Exam, shall be ported on the website of the M.P. High Court.

Before Interview, the original documents of the candidates shall be checked by the Staff of the Examination Cell and any candidate fails to produce original document, he/she may be debarred from appearing in Interview. The Candidature of candidate who remained absent on the given time and Place for Interview/Viva Voce shall be deemed to be rejected.

8. Final Result /Select List -

After completion of process of interview/Viva Voce (1) Provisional Select List. (2) Roll No.-Wise Marks List of all candidates who have qualified for Interview and (3) Roll No.-Wise Marks List of all candidates who appeared in Main Written Examination shall be prepared. Final result shall be prepared, on the basis of aggregate marks obtained by candidate in Main Written Examination and Viva-Voce. **In final result, if two or more candidates obtained equal Marks in the aggregate, then the candidate who has secured higher Marks in Interview shall be given preference over the other and if Marks of Interview are also same then candidate older in age will be given preference in their respective category.**

The Provisional Select list/result, subject to approval of Full Court of M.P. High Court, shall be declared and published in order of merit on the Website of M.P. High Court **(www.mphc.gov.in)** after approval from the Examination-cum-Selection & Appointment Committee and Hon'ble the Chief Justice.

9. Post Selection Process -

(i) A candidate selected for appointment shall be required to undergo medical examination or physical fitness by a Medical Board before he/she is appointed. Every candidate who appears before a Medical Board shall pay the Medical Examination fee, which in no case shall be refundable.

(ii) The Training shall be such as may be prescribed by the M.P. High Court.

(iii) A person appointed in the Madhya Pradesh Higher Judicial Service District Judge-Entry Level (Direct Recruitment from Bar) shall be on probation for a period of two years and the High Court may extend the period of probation. The High Court may, at any time during or at the end of period of probation, recommend the termination of services of such probationers.

(iv) The conditions of service of appointment on the post Advertised shall be governed by the Rules, Regulations and Circulars etc. applicable to the M.P. Higher Judicial Services, in force from time to time.

10. Corrigendum -

At any time after the recruitment process has started, if any Clarification, Modification etc. is required to be made on the part of High Court then it may be done by porting a Corrigendum on the official website of MP High Court. Porting of Corrigendum on official website shall be deemed as sufficient notice to all candidates / aspirants and no objection shall be entertained on the ground that candidate was having no information of such Corrigendum.

11. RTI -

The information in PDF form as to **"Candidate Response Sheet"** of Online Preliminary Examination, shall be made available, only to the candidate concerned on the website of M.P. High Court, subject to payment of prescribed fees only after declaration of result & before expiry of a period of 03 months from the date of declaration of Online Preliminary Exam result. After expiry of period of 03 months from the date of declaration of result of Online Preliminary Examination and thereafter, the data regarding answer-sheets of online preliminary examination may be eliminated.

RTI Application for Marks in Main Written Examination shall not be entertained before the declaration of Final Result.

12. Elimination/disposal of Used Examination Materials -

After lapse of one year from the date of declaration of Final result/select list of the selection process, all used Answer-books of Main Written Examination & Interview, Application Forms (except Application forms for Main Written Exam of finally selected candidates) and other Examination Material, shall be eliminated/disposed off unless otherwise directed by Competent Authority or Hon'ble Court or case is pending before Hon'ble Court. However, regarding Online Preliminary Examination, data of online answer-sheets etc. shall be eliminated after lapse of three months from the date of declaration of result of Online Preliminary Examination.

JABALPUR
Date-12.01.2022 **REGISTRAR GENERAL**
G-21393/46464/2022

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो.वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल

क्र./26/तशा/प.यं./2021 **दिनांक : 07.01.2022**

विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में विभिन्न मरम्मत/उन्नयन कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक (1) 2022_MPPHC_177873_1 (2) 2022_MPPHC_177874_1 (3) 2022_MPPHC_177875_1 (4) 2022_MPPHC_177876_1 हेतु निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.01.2022 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103234/46475/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक - 03

गोरखपुर थाने के पीछे 1558 ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.) पिनकोड - 482003, फोन : 0761-4927003

Email : mpphcjabalpur3@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-03 के अंतर्गत जिला-नरसिंहपुर में सिविल अस्पताल परिसर, गाडरवारा में 02 एफ 04 जी एवं 04 एच टाइप आवासीय भवनों के अपूर्ण निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 10/2021-22; Online Tender No.-2022_MPPHC_178358_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक **21.01.2022 समय सायं 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103241/46478/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्र.-03 भोपाल-462003

Mobile : 9425601545, ई-मेल :- mpphidcbpl3@gmail.com

क्र.-मप्रपुआअविनि/31/पयं/भोपाल-03/तशा/2022 भोपाल, दि. : 10.01.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय सीहोर का 200 से 300 बिस्तर पर उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्रमांक.-13/2021-22 (टेण्डर क्रमांक-178194) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक **25.01.2022 सायं 5:00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103235/46476/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.) फोन नं. 0734-2527715

मोबा. 9406808103, Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in

क्र. 50/पयं/मप्रपुहाइडेकालि/22 उज्जैन, दिनांक 11.01.2022

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 24/2021-22

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 24/2021-22 दिनांक 11.01.2022 के अंतर्गत जिला देवास, आगर-मालवा एवं नीमच के विभिन्न थानों में बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्यों की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022_MPPHC_177803, 2022_MPPHC_177804, 2022_MPPHC_177805 कुल 3 निविदा आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 11.01.2022 17.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं एवं दिनांक 25.01.2022, 18.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103244/46479/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना - 19/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 19/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_178205_1, MPPHC_178206_1, MPPHC_178208_1 एवं MPPHC_178210_1, है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.01.2022 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/103239/46477/2022

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल

Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com

क्र.-मप्रपुआअविनि/27/पयं/भोपाल-02/तशा/2022

भोपाल, दिनांक 12.01.2022

प्रेस विज्ञप्ति

"जिला-भोपाल में म.प्र. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग राजीव गांधी भवन श्यामला हिल्स भोपाल में अधिकारी कक्ष का रिनोवेशन कार्य" हेतु निविदा क्रमांक-10/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. - 2022_MPPHC_178655_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.01.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103257/46481/2022 **परियोजना यंत्री**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Regional Office : 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park
Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.) (CIN : U51102MP1977SGC001392)
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in

No. MPIDC/RO/IND/TECH/21-22/16196-97 **Date : 11.01.2022**

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

	Probable amount of contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender form (in Rs.)	Last date of Submission of Tender
Appointment of SQC for the construction of RCC Drain work of Industrial area SEZ-II, Pithampur & Up-gradation work of Industrial Area Nimrani, Khargone.	51.70	51700/-	11800/-	31.01.2022
O&M of Pumping station at river Anas, WTP and OHT/Sumpwell at I/a Meghnagar, Jhabua for a period of 24 months.	29.86	29860/-	5900/-	31.01.2022
O&M of 0.25 MLD Capacity STP, SEZ Phase–I for a period of 36 months.	36.00	36000/-	5900/-	31.01.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/103249/46480/2022 **EXECUTIVE ENGINEER**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./40/तशा/प.यं./2022 **दिनांक : 11.01.2022**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2022_MPPHC_178542_1 हेतु निविदा प्रपत्र **दिनांक 19.01.2022 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103281/46482/2022 **परियोजना यंत्री**

असमय वर्षा और ओलावृष्टि से हुई फसलों की क्षति का तत्काल सर्वेक्षण होगा

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हाल ही में प्रदेश के कुछ जिलों के ग्रामों में हुई असमय वर्षा और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को पहुंचे नुकसान का शीघ्र सर्वे किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां क्षति हुई है, तत्काल सर्वे कराया जाए। साथ ही क्षति का आकलन कर राहत राशि के भुगतान की व्यवस्था भी की जाए।

श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि फसल बीमा योजना का लाभ दिलवाना भी सुनिचित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार संकट की घड़ी में हमेशा किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ है, वे किसान संकट में हैं, लेकिन उन्हें इस संकट से निकालने का कार्य किया जाएगा। किसानों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।

मध्यप्रदेश में सोया इण्डस्ट्रीज के विकास के प्रयास बढ़ायेंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में सोया इण्डस्ट्री को स्थापित करने के लिए प्रयास बढ़ाए जाएंगे। किसानों के हित में सोया इण्डस्ट्रीज को फिर से खड़ा करना है। सोयाबीन उत्पादन में वृद्धि, उत्पादन की बिक्री और प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से किसानों को लाभ दिलवाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। प्रयाय यह करेंगे कि किसानों के परिश्रम का उन्हें भरपूर मूल्य मिले, इसलिए निर्यात के क्षेत्र में भी प्रयास बढ़ाए जाएंगे। वर्तमान में सोया ऑयल का आयात बढ़ने से राष्ट्र की पूंजी का व्यय हो रहा है। इस नाते सोया प्रसंस्करण इकाइयों की शुरुआत मायने रखती है। किसानों से कच्चा माल लेकर उनके प्रोडक्ट का वेल्यू एडिशन कर उन्हें लाभ दिलवाने के लिए ऐसी इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने धार जिले की बदनावर तहसील के ग्राम खैरवास में करीब 360 करोड़ रुपये की लागत के सोया प्लांट के भूमिपूजन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये कहीं। आईबी ग्रुप के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वर्चुअली भागीदारी की। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने इस अवसर पर प्लांट का भूमिपूजन किया। लगभग 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोज़गार देने वाले इस संयंत्र का कार्य अगले 18 माह में पूर्ण होगा। करीब 3000 मीट्रिक टन की क्षमता से उत्पादन होगा। स्थानीय किसानों को सोयाबीन फसल के पर्याप्त दाम मिलेंगे।

किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के परिश्रम से मध्यप्रदेश को सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। अब हम कृषि से खाद्य प्रसंस्करण की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी किसानों की आय दोगुनी करना चाहते हैं। उनके संकल्प को पूरा करने के लिए ऐसे प्लांट सहायक होंगे जो किसानों को लाभान्वित करेंगे। प्रदेश में उत्पादन वृद्धि, लागत घटाने, उचित मूल्य दिलवाने की व्यवस्था के साथ शून्य प्रतिशत पर ऋण जैसी सुविधाओं को उपलब्ध करवाया जा रहा है। पूर्व में भावांतर योजना के माध्यम से भी किसानों को बाजार से फसल के मूल्य के अंतर की राशि उपलब्ध करवाई गई। सोया प्रसंस्करण इकाई के लिए मध्यप्रदेश का चयन उचित भी है, क्योंकि उपभोक्ताओं को खाद्य तेल भी कम कीमत पर मिलेगा और सोयाबीन उत्पादक कृषक भी लाभान्वित होंगे। इस तरह की इकाइयों की स्थापना के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोज़गार सृजन के लिए भी नए निवेश आवश्यक हैं। मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए समय-समय पर नीतियों में भी संशोधन किया गया है।

पीला सोना कहलाता है सोयाबीन

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 11 जलवायु क्षेत्र हैं। मध्यप्रदेश गेहूं के उत्पादन और गुणवत्ता के मामले में विश्व विख्यात है। गेहूं उत्पादन में हमने पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया है। इसी तरह दलहन, तिलहन उत्पादन में हम आगे आ गए हैं। यही नहीं फलों, सब्जियों और औषधीय पौधों के उत्पादन में भी मध्यप्रदेश प्रगति कर रहा है। एक समय सोयाबीन में भी मध्यप्रदेश नंबर एक पर था। इसे पीला सोना कहते हैं। किसानों की आर्थिक हालत बदलने का काम किया था, लेकिन फसलों की क्षति भी काफी होती थी। इस संबंध में कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त किया जाएगा। प्रदेश में तीन शासकीय और छह निजी विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान का कार्य कर रहे हैं।

सिंचाई ने पलटी है काया, बदनावर को मिलेगा नर्मदा जल का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहले 6 से 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती थी। गत 18 वर्ष में इसकी वृद्धि 43 लाख हेक्टेयर तक हो गई है। हमारा लक्ष्य 65 लाख हेक्टेयर का है। शासकीय और निजी साधनों से करीब एक करोड़ आठ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। भरपूर सिंचाई से ही मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में देश में अग्रणी प्रांतों में शामिल हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस संयंत्र की स्थापना से विशेष रूप से बदनावर क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे।

कोरोनाकाल में भी आया निवेश

श्री चौहान ने कहा कि निवेश के लिए मध्यप्रदेश सबसे अनुकूल राज्य है। यहां औद्योगिक शांति के साथ पर्याप्त भूमि की उपलब्धता भी है। प्रदेश के नागरिक सहयोगी स्वभाव के हैं। यहाँ निवेशकों के लिए हितैषी उद्योग प्रोत्साहन नीति है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2021-22 के प्रारंभिक 9 महीनों में 27 हजार 856 करोड़ रुपये का नवीन निवेश आया है। करीब 70 हजार लोगों के लिये प्रत्यक्ष रोज़गार की राह खुली है।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और सोयाबीन जैसे उत्पादन को उपयोग में लाने के लिए प्रसंस्करण इकाई की शुरुआत हो रही है।

संचालनालय, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास
1, शिवाजी नगर, भोपाल

क्रमांक : एफ 17/सं.नि./2022/22 **भोपाल, दिनांक : 03.01.2022**

वरिष्ठ परामर्शी (सीनियर कंसलटेंट), परामर्शी (एसोसिएट प्रोफेसर) एवं विशेषज्ञों की संविदा नियुक्ति

आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31.01.2022

मध्यप्रदेश शासन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अंतर्गत संचालित गैस राहत चिकित्सा इकाईयों में वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी एवं विशेषज्ञ के रिक्त पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति की जाने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

उक्त आवेदन पत्र संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास, 01, शिवाजी नगर, भोपाल से विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक से दिनांक 31.01.2022 (दिन सोमवार) तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए रु. 500/- (रु. पाँच सौ मात्र) तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए रु. 250/- (रु. दो सौ पचास मात्र) का संचालक, गैस राहत एवं पुनर्वास, भोपाल के नाम का बैंक ड्राफ्ट देकर आवेदन प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदक अपना आवेदन पत्र प्रमाण पत्रों की स्वयं सत्यापित प्रतियों के साथ समक्ष में या पंजीकृत डाक द्वारा **दिनांक 31.01.2022** (दिस सोमवार) सायं 5.00 बजे तक संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास, 01, शिवाजी नगर, भोपाल-462001 में जमा कर सकते हैं। डाक के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र भी उक्त निर्धारित दिनांक एवं निर्धारित समय तक प्राप्त होना अनिवार्य है। किसी भी डाक विलम्ब के लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा, निर्धारित तिथि व समय के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह विज्ञापन विभागीय वेबसाइट **www.bgtrrd.mp.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

(1) रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है :- (जिनमें कमी या वृद्धि हो सकती है) :-

क्र.	पदनाम	संविदा वेतन	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	अनुभव	विषयवार रिक्त पदों की संख्या	
1.	वरिष्ठ परामर्शी (सीनीयर कंसलटेंट)	रु. 1,07,858/-	**अर्हता :-** भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 की प्रथम अथवा द्वितीय अनुसूची या अनुसूची तीन के भाग-2 में सम्मिलित कोई चिकित्सा अर्हता (अनुसूची-तीन के भाग-2 में सम्मिलित अर्हताएं रखने वाले व्यक्तियों को अधिनियम की धारा 13 (3) में विनिर्दिष्ट की गई शर्तें भी पूरी करनी होंगी)। संबंधित डिसिप्लीन/विषय में कोई स्नातकोत्तर अर्हता, अर्थात एम.डी./एम.एस. या उसके समकक्ष कोई मान्यता प्राप्त अर्हता **और/या** सर्जिकल सुपर/स्पेशलिटी हेतु एम.सी.एच. तथा मेडिकल सुपर स्पेशलिटी हेतु/डी.एम. या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता।	**अनुभव :-** एम.डी./एम.एस. की अर्हकारी उपाधि अभिप्राप्त करने के पश्चात संबंधित सुपर स्पेशलिटी के सुस्थापित विभाग में 2 वर्षों के विशेषज्ञ प्रशिक्षण के साथ के सुपर स्पेशलिटी विषय में मान्यता प्राप्त संस्था में न्यूनतम 14 वर्षों का अनुभव।	मेडिसिन	01
2.	परामर्शी (एसोसिएट प्रोफेसर)	रु. 1,05,688/-	**अर्हता :-** भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 की प्रथम अथवा द्वितीय अनुसूची या अनुसूची तीन के भाग-2 में सम्मिलित कोई चिकित्सा अर्हता (अनुसूची-तीन के भाग-2 में सम्मिलित अर्हताएं रखने वाले व्यक्तियों को अधिनियम की धारा 13(3) में विर्निदिष्ट की गई शर्तें भी पूरी करनी होंगी) संबंधित डिसिप्लीन/विषय में कोई स्नातकोत्तर अर्हता, अर्थात एम.डी./एम.एस. या उसके समकक्ष कोई मान्यता प्राप्त अर्हता। **और/या** सर्जिकल सुपर स्पेशलिटी हेतु एम.सी.एच. तथा मेडिकल सुपर स्पेशलिटी हेतु/डी.एम. या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता।	**अनुभव :-** एम.डी./एम.एस. की अर्हकारी उपाधि अभिप्राप्त करने के पश्चात संबंधित सुपर स्पेशलिटी के सुस्थापित विभाग में 2 वर्षों के विशेषज्ञ प्रशिक्षण के साथ सुपर स्पेशलिटी के विषय में मान्यता प्राप्त संस्था में न्यूनतम 08 वर्षों का अनुभव। **और/या** एम.सी.एच./डी.एम. या इसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता अभिप्राप्त करने के पश्चात मान्यता प्राप्त संस्था में न्यूनतम 06 वर्षों का अनुभव।	आप्थालमोलॉजी गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी नेफ्रोलॉजी रेडियोलॉजी गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी सर्जिकल आई.सी.यू. सायकेट्री पैथालॉजी **कुल 08 पद**	01 01 01 01 01 01 01 01
3.	विशेषज्ञ	रु. 53,848/-	**अर्हता :-** भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 की प्रथम अथवा द्वितीय अनुसूची या अनुसूची तीन के भाग-2 में सम्मिलित कोई चिकित्सा अर्हता (अनुसूची-तीन के भाग-2 में सम्मिलित अर्हताएं रखने वाले व्यक्तियों को अधिनियम की धारा 13(3) में विर्निदिष्ट की गई शर्तें भी पूरी करनी होंगी) संबंधित डिसिप्लीन/विषय में कोई स्नातकोत्तर अर्हता, अर्थात एम.डी./एम.एस. या उसके समकक्ष कोई मान्यता प्राप्त अर्हता। **और/या** सर्जिकल सुपर स्पेशलिटी हेतु एम.सी.एच. तथा मेडिकल सुपर स्पेशलिटी हेतु/डी.एम. या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता।	**अनुभव :-** एम.डी./एम.एस. की अर्हकारी उपाधि अभिप्राप्त करने के पश्चात संबंधित सुपर स्पेशलिटी के सुस्थापित विभाग में 2 वर्षों के विशेषज्ञ प्रशिक्षण के साथ सुपर स्पेशलिटी के विषय में मान्यता प्राप्त संस्था में न्यूनतम 01 वर्ष का अनुभव।	गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी सर्जिकल पीडियाट्रिक मेडिसिन आई.सी.यू. (1 अनारक्षित, 1 अ.पि.व.) डायलिसिस न्यूरोलॉजी मेडिकल विशेषज्ञ (2 अनारक्षित, 1 अनुसूचित जनजाति, 1 अ.पि.व.) सर्जिकल विशेषज्ञ (1 अनारक्षित, 1 अ.पि.व.) नेत्ररोग विशेषज्ञ (2 अनारक्षित, 1 अनुसूचित जनजाति, 1 अ.पि.व., 1 अनुसूचित जाति) पैथालॉजी (3 अनारक्षित, 1 अनुसूचित जनजाति, 2 अ.पि.व. 1 अनुसूचित जाति) मानसिक रोग ब्लड बैंक ऑफीसर रेडियोलॉजिस्ट (2 अनारक्षित, 1 अनुसूचित जनजाति, 1 अनुसूचित जाति, 1 अ.पि.व.) शिशु रोग विशेषज्ञ (2 अनारक्षित, 1 अनुसूचित जनजाति, 1 अ.पि.व., 1 अनुसूचित जाति) निश्चेतना विशेषज्ञ (1 अनारक्षित, 1 अ.पि.व., 1 अनु.जनजाति) स्त्री रोग विशेषज्ञ (1 अनारक्षित, 1 अ.पि.व.) माईक्रोबायलॉजी **कुल 43 पद**	01 01 01 02 01 01 04 02 05 07 01 01 05 02 01

सुपर स्पेशलिटी हेतु/डी.एम. या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता।

(2) आयु :- संविदा नियुक्ति के लिए उस वर्ष की जनवरी के प्रथम दिन को जिसमें नियुक्ति की जाना है। न्यूनतम और अधिकतम आयु-सीमा 21 वर्ष और 65 वर्ष होगी।

(3) सेवानिवृत्त शासकीय सेवक की नियुक्ति - सेवानिवृत्त चिकित्सक यदि आयु तथा अन्य अर्हता रखते हैं तो वे भी संविदा नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

(4) निरर्हता - कोई भी अभ्यर्थी संविदात्मक नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा, यदि उसकी दो से अधिक संतानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात् हुआ था।

(5) संविदा नियुक्ति की कालावधि एवं पदस्थापना - संविदा चिकित्सक की संविदा की कालावधि नियुक्ति दिनांक से अधिकतम दो वर्ष होगी।

(6) चयन हेतु मेरिट तैयार करने के मापदंड - (1) एम.बी.बी.एस. उपाधि के 20 अंक, (2) स्नातकोत्तर के लिए 10 अंक, (प्रत्येक प्रयत्न हेतु ऋणात्मक 2 अंक), (3) सुपर स्पेशलिटी 10 अंक में पोस्ट पी.जी. (प्रत्येक प्रयत्न हेतु ऋणात्मक 2 अंक), (4) प्रकाशन हेतु 15 अंक मेडिकल काउन्सिल इंडिया के मापदंडों द्वारा अपेक्षित प्रकाशनों की न्यूनतम संख्या के अतिरिक्त प्रत्येक प्रकाशन के लिए 2 अंक/प्रकाशन आई.एन.डी.ई.एक्स. एम.ई.डी.यू.एस./नेशनल जनरल में अनुक्रमणित होना चाहिए, (5) अनुभव हेतु 15 अंक (उक्त पद के लिए विहित अनुभव के अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष के अनुभव हेतु 2 अंक), (6) साक्षात्कार हेतु 30 अंक।

(7) पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की सूचना उनके द्वारा आवेदन पत्र में दिए गए पत्र व्यवहार के पते पर दी जाएगी तथा साक्षात्कार पश्चात उपरोक्त मापदण्ड अनुसार प्राप्तांकों की अंतरिम मेरिट सूची का प्रकाशन विभागीय वेबसाइट **www.bgtrrd.mp.gov.in** पर किया जाकर निर्धारित समय सीमा में दावा/आपत्तियां प्राप्त की जाकर दावा/आपत्तियों के निराकरण पश्चात अंतिम मेरिट सूची, चयनित सूची व प्रतिक्षा सूची उक्त विभागीय वेबसाइट पर जारी की जाएगी। जिसकी जानकारी के लिए अभ्यर्थी नियमित रूप से उक्त वेबसाइट का अवलोकन करते रहे।

नियुक्ति की अन्य शर्तें निम्नानुसार रहेंगी :-

1. चयनित अभ्यर्थी नियुक्ति आदेश प्राप्त होने के तत्काल पश्चात नियुक्ति प्राधिकारी के साथ 50 रुपए के नॉन ज्यूडीशियल स्टाम्प करार निष्पादित करेगा। करार के निष्पादन पर होन वाले व्यय, चयनित अभ्यर्थी द्वारा वहन किए जाएंगे, चयनित अभ्यर्थी उसकी पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से संविदा सेवा में माना जाएगा।
2. चयनित अभ्यर्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह नियुक्ति आदेश जारी होने के भीतर संविदा नियुक्ति के स्थान पर 15 दिवस में अपना कार्यभार ग्रहण करें। उक्त काल अवधि में कार्यभार न ग्रहण करने की दशा में संविदा नियुक्ति स्वतः रद्द हो जाएगी।
3. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ का चरित्र सत्यापन, शासकीय सेवकों को लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जाएगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा संविदा नियुक्ति बिना कोई कारण तुरन्त रद्द कर दी जाएगी।
4. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ द्वारा संविदा राशि प्राप्त करने के पूर्व संविदा अधिकारी स्वयं अपने खर्च पर जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा किया जाने वाला चिकित्सीय परीक्षण करवाएगा। इस चिकित्सीय परीक्षण में उपयुक्त पाए जाने पर ही संविदा नियुक्ति वैध होगी। सेवानिवृत्ति शासकीय सेवक को भी यदि वे उक्त पद पर नियुक्त किए जाएं, ऐसा चिकित्सीय परीक्षण करवाना आवश्यक होगा।
5. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ पद हेतु साक्षात्कार से पूर्व अभ्यर्थी के मूल दस्तावेजों का सत्यापन आवेदन में संलग्न दस्तावेजों के साथ किया जाएगा। सत्यापन के समय यदि कोई भी दस्तावेज पूर्ण/सही नहीं पाया जाता है तो उसका साक्षात्कार नहीं लिया जाएगा।
6. नियुक्ति पश्चात किसी भी समय यदि कोई भी अभिलेख असत्य या छिपाए हुए पाए जाते हैं तो संबंधित की संविदा नियुक्ति तत्काल समाप्त की जाएगी व संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा सकेगी।
7. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ शासकीय सेवा में नियमितिकरण के लिए हकदार नहीं होंगे और न ही भविष्य में इस नियुक्ति के आधार पर किसी प्रकार के नियमितिकरण का दावा कर सकेंगे।
8. संविदा नियुक्ति, किसी भी एक पक्ष द्वारा और किसी भी समय पर एक माह का सूचना या एक माह की संविदा राशि का भुगतान करके संविदा नियुक्ति समाप्त की जा सकती है।
9. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ बिना किसी विशिष्ट कारण के बिना किसी सूचना के अपने कर्तव्य से एक माह से अधिक के लिए अनुपस्थित रहता है तो उसकी संविदा नियुक्ति ऐसी अनुपस्थिति की तारीख से स्वतः समाप्त हुई मानी जाएगी।
10. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ एक कैलेन्डर वर्ष में अधिकतम 15 दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। वह एक समय में अधिकतम 3 दिनों के आकस्मिक अवकाश का उपभोग कर सकेगा/सकेगी। महिला संविदा कर्मचारी, जिसकी दो से कम जीवित संतान हों अधिकतम 180 दिनों की कालावधि के लिए प्रसूति अवकाश की हकदार होगी। उपरोक्त अवकाश स्वीकृत करने की शक्तियां संबंधित इकाई प्रमुख में निहित होंगी।
11. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ उसकी संविदात्मक कालावधि के लिए किन्हीं पेंशन संबंधी प्रसुविधाओं का हकदार नहीं होगा। उसे ऐसी कालावधि के लिए कोई बोनस आदि भी देय नहीं होगा।
12. अन्य सेवा संबंधी शर्तें ऐसी होंगी, जैसी नियुक्ति आदेश में विर्निदिष्ट की जाएं।
13. इसके अतिरिक्त शासन/संचालनालय, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास द्वारा आवश्यक सेवा शर्तों का समावेश नियुक्ति के समय किया जा सकता है।
14. संविदा विशेषज्ञ चिकित्सक को चिकित्सालय की आवश्यकता अनुसार एवं निर्धारित टाइम टेबिल अनुसार ड्यूटी चिकित्सालय में देनी होगी। अवकाश दिवस में ड्यूटी एवं रात्रिकालीन ड्यूटी का ऑफ संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के नियमानुसार दिया जावेगा।
15. संविदा वरिष्ठ परामर्शी, परामर्शी, कनिष्ठ परामर्शी एवं विशेषज्ञ भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा राजपत्र में प्रकाशित संविदा नियम-2003 में निहित व समय-समय पर शासन द्वारा संशोधित किए गए अन्य प्रावधानों के भी अधीन होगा।

संचालक

जी-21140/46452/2022 **भोपाल, गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, 1, शिवाजी नगर, भोपाल**

अफवाहों पर न दें ध्यान, टीका लगवाकर बचायें जान।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड रायसेन

दूरभाष क्र. - 07482-222095, फैक्स क्र. - 07482-223388, ईमेल - eephrai@nic.in

क्रमांक/18/लेखा./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/रायसेन दिनांक : 04.01.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के विभिन्न ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से ग्रामों में शत प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदाय कार्य हेतु निम्नलिखित तालिका अनुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 18.01.2022** शाम 17.30 है एवं संशोधन केवल वेबसाइट पर देखे जा सकेंगे।

क्र.	ऑनलाइन टेण्डर आई.डी. क्र.	निविदा क्र.	वि.खं.	ग्राम का नाम	कार्य की अनु. लागत राशि रु.
01	2022_PHED_176812_1	67	औ.गंज	1. चांदलाखेड़ी 2. कनोरा 3. रसूलिया 4. रोजडाचक 5. मूडला बाजयाप्त 6. डांटखेड़ी 7. दाउदपुर 8. गेंहूखेड़ा 9. हाजली 10. खासरोद 11. मगरपूँछ 12. पारखेडी 13. सलकनी 14. प्रेमतालाव 15. बेरसिया 16. केशलवाड़ा 17. मंडकांसिया 18. सिंगलदीप 19. ढावला	48551512/-
02	2022_PHED_176813_1	68	औ.गंज	1. कुमडी विठोरी 2. कारीतलाई 3. गुराड़िया 4. चिरोलिया/सियाकुंडल 5. छतरपुरा 6. आमछाकलां 7. डामडोगरी 8. डुगरिया 9. हिरदुआ 10. जैत 11. नीलगढ 12. सेमरीखुर्द 13. खैरी टप्पा आंकलपुर	37730684/-
03	2022_PHED_176814_1	69	औ.गंज	1. अजवाईन 2. बादरचुहा 3. बरहाखेड़ा 4. खपरिया खापा 5. खैरीचोका 6. मगरधा पिपलिया 7. झागर 8. लाडली 9. राजलवाडी 10. तरावली 11. ईटायाखुर्द 12. जैतपुर 13. चौरमउ 14. दादरोद 15. पहाडखेडी	36911667/-
04	2022_PHED_176815_1	70	औ.गंज	1. बमुलिया 2. बमुलिया दांगी 3. गोखलाकुण्डी 4. खुखरिया 5. पिपलिया धाकड़ 6. भैंसाया 7. चिकलोदखुर्द 8. बांसगहन 9. देहगांव 10. खैरी टप्पा 11. खोहा 12. सिलारी 13. ताडी	33381526/-

सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं
जी-21106/46450/2022 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड रायसेन

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 858/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 03.01.2022

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 25.01.2022** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_176620	टर्न की पद्धति पर :- करैरा स्टॉप डेम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	581.80
2.	2022_WRD_176644	टर्न की पद्धति पर :- दीवाल लघु सिंचाई तालाब (नहर रहित) मिट्टी के बांध का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	खण्डवा	535.30
3.	2022_WRD_176650	टर्न की पद्धति पर :- बिहार-सारोला बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	खण्डवा	375.70
4.	2022_WRD_176626	टर्न की पद्धति पर :- बिलासा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	361.16
5.	2022_WRD_176632	टर्न की पद्धति पर :- बोरझाड बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	510.66
6.	2022_WRD_176636	टर्न की पद्धति पर :- खुटाजा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	376.77
7.	2022_WRD_176631	टर्न की पद्धति पर :- छोटा भावटा तालाब क्र. 3 का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	291.29
8.	2022_WRD_176630	टर्न की पद्धति पर :- देहदला बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	445.79
9.	2022_WRD_176641	टर्न की पद्धति पर :- बोरझाड बैराज क्र. 2 का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	अलीराजपुर	318.22

जी-21138/46451/2022 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, सागर संभाग-सागर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्र.-04/2021-22/792 भोपाल, दिनांक : 05.01.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-सागर के जिला टीकमगढ़ एवं निवाड़ी में नवीन उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
2022_DHS_176527	टीकमगढ़	बडागांव एवं जतारा	10	438.75
2022_DHS_176528	टीकमगढ़	पलेरा	06	263.25
2022_DHS_176529	टीकमगढ़	बल्देवगढ़ एवं पलेरा	14	614.25
2022_DHS_176530	निवाड़ी	निवाड़ी	10	438.75
2022_DHS_176531	टीकमगढ़ एवं निवाड़ी	जतारा एवं पृथ्वीपुर	08	351.00

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.01.2022 समय 17.30 बजे** तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-21215/46457/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-सागर

कार्यालय मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र), लोक निर्माण विभाग जबलपुर

E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in, Phone No. : 0761-2621541, Fax No. : 0761-2678521

निविदा सूचना क्रमांक - 04/सा/2021-22 जबलपुर, दिनांक : 03.01.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
01	2022_PWDRB_176600_1	जबलपुर क्र.-2	उड़ना से सकरा मार्ग लंबाई 13.60 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	946.76 लाख	9,46,800/-	20,000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.01.2022 समय 5.30 बजे** तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र)
जी-21150/46455/2022 लोक निर्माण विभाग जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, खरगोन

फोन नं. 07282-231402, ईमेल - eephedkhr@nic.in

क्रमांक/27/निविदा/का.यं./लो.स्वा.यां./2022 खरगोन, दिनांक : 03.01.2022

निविदा सूचना क्रमांक 38/2021-22

खरगोन जिले के विभिन्न विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइन लाइन, आर.सी.सी. टंकी एवं संपवेल, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य हेतु निविदाएं कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल द्वारा जारी यू.एस.ओ.आर. जो दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील है एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक संशोधित दरों पर निविदा एपेंडिक्स "2.10" पर ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। जिनके टेण्डर आई.डी. क्रमशः 2022_PHED_176543, 176545, 176546, 176547, 176548, 176550, 176551, 176803 है। समस्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत **रु. 1133.34** लाख है। उपरोक्त निविदाओं में ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की एवं निविदा दर डालने **अंतिम तिथि - 19.01.2022**, समय - 17.30 बजे तथा ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 21.01.2022 है। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री
जी-21156/46454/2022 लोक स्वा.यांत्रिकी खण्ड खरगोन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष - 07582-224269, E-mail - eephe_sagar@yahoo.co.in

क्र. 43/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड, सागर दिनांक : 06.01.2022

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन के अंतर्गत सागर जिले के विकास खण्ड शाहगढ़ के तालिका में उल्लेखित ग्राम में शतप्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय हेतु नल जल योजना कार्य की ऑनलाइन निविदा **http://www.mptenders.gov.in दिनांक 19.01.2022** सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

सं. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-निविदा क्रमांक	ग्राम के नाम	अनु. लागत रुपये (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	01/04.01.2022	2021_PHED_176785_1	बगरोही	100.61	100610/-	रु. 12500/-

निविदा में संशोधन ऑनलाइन ही देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
जी-21172/46453/2022 एवं सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता मिशन जिला साग

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लॉट नं. - 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 36/2021/निविदा/सा/एपीडी भोपाल, दिनांक : 04.01.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत छात्रावास भवन निर्माण कार्य रतनपुर, सातनेर, बीजादेही एवं दामजीपुरा।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2022_PWPIU_177565_1	बैतूल	1333.62	1000000/-	30000/-	14 माह वर्षाकाल सहित
2. परियोजना संचालक पीआईयू, मुख्यालय भोपाल अंतर्गत विभिन्न जिलों हेतु डीपीआर कंसल्टेंट कार्य।					
2022_PWPIU_177186_1	भोपाल	1000.00	200000/-	15000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
3. एपीडी जोन पीआईयू पीडब्ल्यूडी भोपाल में विभिन्न केंद्रों पर एमजीपीएस प्रणाली प्रदान करना।					
2022_PWPIU_177560_1	भोपाल	585.94	585940/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
4. विदिशा जिले अंतर्गत तहसील गंजबासौदा में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा।					
2022_PWPIU_173264_2	विदिशा	99.98	99980/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
5. विदिशा जिले अंतर्गत जिला विदिशा में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा।					
2022_PWPIU_173270_2	विदिशा	99.98	99980/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 04.01.2022 समय 10.30 से दिनांक 19.01.2022 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक
जी- 21321/46467/2022 (मुख्य अभियंता) लो.नि.वि., पी.आई.यू., भोपाल

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स भोपाल
ISO : 9001:2008

E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र/प्रशि/न.स-36/2022/513 भोपाल, दिनांक : 6.01.2022

राज्य सेवा परीक्षा 2019 की मुख्य परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तैयारी हेतु प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 में उत्तीर्ण एवं साक्षात्कार हेतु अर्हता रखने वाले म.प्र. के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा साक्षात्कार प्रारंभ होने की तिथि घोषित होने के **20 दिवस** पूर्व से प्रारंभ किया जावेगा। प्रशिक्षण की अवधि 1 सप्ताह की होगी। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी संलग्न आवेदन में अपनी जानकारी संलग्न निर्धारित प्रपत्र में प्रेषित करें। अधिक जानकारी के लिए केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर कार्यालयीन दिवस व कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य/अपर संचालक
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल म.प्र.

कार्यालय प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स भोपाल
ISO : 9001 : 2008
E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

राज्य सेवा परीक्षा 2019 के मॉक इंटरव्यू हेतु आवेदन पत्र

1. अभ्यर्थि का नाम - .....शैक्षणिक योग्यता.....
2. पिता का नाम - .....
3. शैक्षणिक योग्यता - .....आय.....
4. माता का नाम - .....
5. शैक्षणिक योग्यता - .....आय.....
6. स्वयं की वार्षिक आय (यदि हो तो) - .....
   परिवार की वार्षिक आय - .....
7. निवास का वर्तमान पता - .....
8. जाति - .....उपजाति.....
9. जाति प्रमाण पत्र क्र. - .....
10. मोबाइल नं. - .....
11. ई-मेल आई.डी. - .....
12. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का अनुक्रमांक - .....
13. विगत वर्षों में राज्य सेवा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो उसका विवरण :-
    - मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष .....
    - मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक .....
    - इंटरव्यू के प्राप्तांक .....
    - उस वर्ष का कट ऑफ .....
14. अभ्यर्थी यदि शा. सेवा में है तो उसका विवरण.....पद.....
15. अभिरुचि - .....
16. व्याख्यान हेतु विषय .....
    (यदि कोई व्याख्यान हेतु चाहते हो तो)

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर - .....
नाम - .....
पता - .....

जी-21219/46458/2022

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, अनूपपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं. :- 01/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./27 रीवा, दिनांक : 06.01.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का समूह-ए में कार्य का नाम (1) आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास फुनगा (2) आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास कोतमा (3) आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास कोतमा के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2022_PWPIU_177587_1	अनूपपुर	903.30	903300/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का समूह-बी में कार्य का नाम (1) आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास चोलना (2) आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास पोडी-चोडी के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_177589_1	अनूपपुर	601.72	601720/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का समूह-सी में कार्य का नाम (1) आदिवासी सीनियर संयुक्त बालक छात्रावास जैतहरी (2) आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास जैतहरी (3) आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास अनूपपुर क्र.-2 के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_177596_1	अनूपपुर	904.02	904020/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का समूह-डी में कार्य का नाम (1) आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास भेजरी (2) आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास पुष्पराजगढ़ (3) आदिवासी सीनियर संयुक्त कन्या छात्रावास पुष्पराजगढ़ (4) आदिवासी सीनियर संयुक्त बालक छात्रावास पुष्पराजगढ़ के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_177599_1	अनूपपुर	1204.88	1000000/-	30000/-	15 माह वर्षाकाल सहित	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का समूह-ई में कार्य का नाम आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास अमदरी के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_177601_1	अनूपपुर	301.58	301580/-	15000/-	10 माह वर्षाकाल सहित	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 10.01.2022 समय 09.00 AM से **दिनांक 24.01.2022** समय 6.00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-21224/46459/2022 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., अनूपपुर (म.प्र.)

Directorate of Skill Development Madhya Pradesh

Govt. ITI Campus, Raisen Road, Govindpura, Bhopal-462023 (Madhya Pradesh) India
Ph. : + 91-755-2581919, Web. : www.mpskills.gov.in
E-Mail : proposals.mpssdegb@gmail.com
Android App : KOUSHALAM, Facebook : Mapskills, Twitter : Map_Skills

Selection of Agency for conducting a Tracer Study on the Employment Outcomes of trained candidates from Short-Term Skill Training (2nd Call)

MPSSDEGB invites technical and financial proposals for Selection of Agency for conducting a Tracer Study on the Employment Outcomes of trained candidates from Short-Terms Skill Training Schemes i.e. MMKSY, MMKY, MMYSY and PMKVY.
For Key Dates & more details please visit the **www.mptenders.gov.in, www.mpskills.gov.in** or **www.ssdm.mp.gov.in**

G-21229/46461/2022 Additional Director

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 12/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2021–22 भोपाल, दिनांक : 03.01.2022

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. शहडोल जिले के गोरखपुर भमरहा मार्ग के कि.मी. 1/2 में ग्राम भमरहा के पास झापर नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2022_PWDRB_176462_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	1017.94	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. अनूपपुर जिले के सामतपुर हर्री वर्री मार्ग में तिपान नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_176463_1	अनूपपुर	पुल कार्य	प्रथम	588.70	केवल ऑनलाइन
		कुल योग		**1606.64**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 24.01.2022**, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-21199/46456/2022 लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 24/2021-22 सतना, दिनांक : 06.01.2022

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर ई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि	अमानत राशि
1.	2022_PWDRB_177401_1	उपसंभाग मझगवां अंतर्गत पुरानी खैर से भैरमबाबा मार्ग का निर्माण लंबाई 1.725 कि.मी.। रु. 188.14 लाख।	प्रथम	06 माह	16755482/-	167600/-
2.	2022_PWDRB_177402_1	उपसंभाग मझगवां अंतर्गत पिण्ड्रा से गुरूकुल मार्ग का निर्माण लंबाई 5.25 कि.मी.। रु. 443.31 लाख।	प्रथम	12 माह	39465612/-	394700/-
3.	2022_PWDRB_177403_1	उपसंभाग मझगवां अंतर्गत टी.पी. मोड सतना चित्रकूट मार्ग से त्रिवेनी संगम वाया बरूआ मार्ग का निर्माण लंबाई 6.425 कि.मी.। रु. 442.27 लाख।	प्रथम	12 माह	39226497/-	392300/-
4.	2022_PWDRB_177404_1	उपसंभाग मैहर अंतर्गत लटागांव छात्रावास से रझौंदी मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 197.01 लाख।	प्रथम	10 माह	19598117/-	196000/-
5.	2022_PWDRB_177405_1	उपसंभाग मैहर अंतर्गत कांसा से कसेई मार्ग लंबाई 3.20 कि.मी. का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 160.95 लाख।	प्रथम	10 माह	16062654/-	160700/-
6.	2022_PWDRB_177442_1	उपसंभाग मैहर अंतर्गत करतहा से करूआ मार्ग लंबाई 2.80 कि.मी. का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 139.59 लाख।	प्रथम	08 माह	13941665/-	139400/-
7.	2022_PWDRB_177445_1	उपसंभाग मैहर अंतर्गत टीकर कला से भदई मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 135.32 लाख	प्रथम	08 माह	13501941/-	135100/-
8.	2022_PWDRB_177446_1	उपसंभाग नागौद अंतर्गत पिपरी से काटेश्वर मार्ग व्हाया ररिया टोला रमजुआ मार्ग लंबाई 8.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 398.88 लाख।	प्रथम	12 माह	39870989/-	398800/-
9.	2022_PWDRB_177447_1	उपसंभाग नागौद अंतर्गत दवारी से ररा पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। निविदा शिड्यूल रु. 109.89 लाख	प्रथम	08 माह	10989008/-	109900/-
10.	2022_PWDRB_177529_1	उपसंभाग नागौद के अंतर्गत सेमरी हरिजन बस्ती से फुर्ताल पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। लंबाई 4.20 कि.मी.	प्रथम	05 माह	14553308/-	145600/-
				योग :-	**223965273/-**	

उपरोक्त वेबसाइट में ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन विड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 25.01.2022 सायं 17.30 बजे** तक निर्धारित है। ई.एम.डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी., एनएक्सर एच., शपथ पत्र, विड की रसीद एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-21303/46466/2022 लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)

पर्यावरण विभाग की समीक्षा

पौध रोपण करने वाले जिलों की होगी रैंकिंग - मुख्यमंत्री

भोपाल, पौध रोपण कर हरियाली बढ़ाने वाले जिलों की रैंकिंग करें। हर वर्ष विश्लेषण के बाद इसके परिणाम घोषित करें। सर्वाधिक पौध रोपण वाले जिलों को प्रोत्साहित और सबसे कम पौध रोपण वाले जिलों को पौध-रोपण के लिये प्रेरित करें। रैंकिंग की शुरुआत शहरों से कर जिलों में विस्तार करें, इससे पर्यावरण संतुलन और जलवायु परिवर्तन के उद्देश्यों की पूर्ति में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में पर्यावरण विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंकुर कार्यक्रम को जनआंदोलन बनायें। इसे जन अभियान परिषद से भी जोड़ें। मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि अंकुर कार्यक्रम में प्रदेश में अब तक 5 लाख 23 हजार पौध-रोपण हुआ है। जिले अपने लक्ष्य निर्धारित कर पौध-रोपण को बढ़ावा दे रहे हैं।

गंगा नदी की तरह नर्मदा नदी के जल प्रदूषण स्तर की जांच के लिये 6 स्टेशन, इंदौर में बहने वाली खान नदी और उज्जैन की क्षिप्रा नदी के लिये दो-दो स्टेशन स्थापित किये जा रहे हैं। नर्मदा जल स्तर की जांच के लिये यह स्टेशन अमरकंटक, डिण्डोरी, जबलपुर में भेड़ाघाट के आगे, होशंगाबाद, ओंकारेश्वर और धर्मपुरी में स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करें और विभाग लगातार कार्य की मॉनीटरिंग करे।

सिया प्रकरणों में करें समयावधि निर्धारित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिया और सेक प्रकरणों में समय-सीमा निर्धारित करें। प्रयास करें कि न्यूनतम समय में स्वीकृति जारी हो। मुख्यमंत्री ने सी.एम. राइज स्कूल में एप्को द्वारा किये जा रहे वास्तु आकल्पन की भी जानकारी ली।

अति प्रदूषणकारी इकाइयों में निस्राव घटा

श्री चौहान ने कहा कि उद्योगों से निकलने वाले दूषित जल को नियंत्रित करने के ठोस उपाय करें। कार्य की सतत् निगरानी करें। उद्योगों को हानि पहुंचाए बिना प्रयास करें कि उद्योगों को उत्पादन में परेशानी भी न हो और अनउपचारित पानी नदी-तालाब में न जाये। बैठक में बताया गया कि 101 अति प्रदूषणकारी इकाइयों में से 65 औद्योगिक इकाइयों में शून्य निस्राव (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) की स्थापना की गई है।

21 शहरों में वायु गुणवत्ता ऑनलाइन सिस्टम

प्रदेश के 21 शहरों की परिवेशीय गुणवत्ता मॉनीटरिंग के लिये ऑनलाइन सिस्टम स्थापित है। इनमें से भोपाल, देवास, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, कटनी, पीथमपुर, सिंगरौली, उज्जैन और मण्डीदीप में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा और अनूपपुर, दमोह, ग्वालियर, कटनी, मैहर, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर और सतना में औद्योगिक संस्थानों द्वारा स्थापित किये हैं।

स्टेच्यु ऑफ वननेस से ओंकारेश्वर बनेगा वैश्विक महत्व का स्थल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के न्यासी मंडल की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, ओंकारेश्वर में 108 फीट की आचार्य शंकर की बहुधातु प्रतिमा की स्थापना, संग्रहालय और अंतर्राष्ट्रीय वेदान्त संस्थान की स्थापना का प्रकल्प मध्यप्रदेश को पूरे विश्व से जोड़ने का कार्य करेगा। वस्तुतः यह एक राज्य का कार्य नहीं, मध्यप्रदेश की सीमाओं के बाहर देश के प्रमुख आचार्यों की सभा और संतों के आशीर्वाद से सम्पन्न किया जाने वाला महत्वाकांक्षी प्रकल्प है। स्टेच्यु ऑफ वननेस के निर्माण के पीछे भाव यह है कि मत-मतांतर, विद्वेष और वैमनस्य के भाव को समाप्त कर अद्वैत वेदांत के महत्व से जन-जन को अवगत करवाएगा। यह स्थान आचार्य शंकर के संपूर्ण जीवन दर्शन से अवगत करवाने, उनके अद्वैत वेदांत की अभिव्यक्ति, आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, मठाम्नाय परम्परा, सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन, विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव के विकास के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण स्थल के रूप में उभरेगा। 'धर्म की जय, अधर्म का नाश, प्राणियों में सद्भावना, विश्व का कल्याण' हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस प्रकल्प से जुड़े कार्यों की निरंतर समीक्षा भी होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के न्यासी मंडल की दूसरी बैठक को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की प्रतिमा की स्थापना सिर्फ प्रतिमा स्थापना कार्य ही नहीं बल्कि जीवन में व्यवहारिक वेदांत कैसे उतारा जाए इसका प्रकल्प है। यह दुनिया एक परिवार बने, इसके पीछे ये भाव भी है।

आनंद विभाग की गतिविधियों से बदल रहे हैं जीवन

श्री चौहान ने न्यास के सदस्यों को जानकारी दी कि मध्यप्रदेश में आनंद विभाग के कार्यक्रम अल्पविराम, आनंदक केंद्रों के प्रारंभ करने, स्वैच्छिक तौर पर आनंदक की सेवाएं देने वाले शासकीय और अशासकीय सेवाभावियों के चयन, आनंद उत्सव के आयोजन और आनंद कैलेण्डर निर्माण से अनेक लोगों के जीवन में बदलाव आया है। आनंद विभाग की गतिविधियां व्यक्ति को एकांत के महत्व और कुछ समय के लिए अंतर्मुखी होकर आत्म-विश्लेषण और संपूर्ण जीवन के संबंध में चिंतन के लिए प्रेरित करती हैं। ओंकारेश्वर में एकात्मकता की प्रतिमा की स्थापना, शंकर संग्रहालय, आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान का उद्देश्य व्यक्ति को इस अर्थ प्रधान और भौतिक युग में सकारात्मक विचार और कार्य के लिए प्रेरित करना है।

आमंत्रित संतों और न्यासियों के विचार

स्वामी अवधेशानंद जी और विभिन्न राज्यों से आए न्यास के सदस्यों ने विचार रखे। महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी ने कहा कि शंकराचार्य जी की दीक्षा भूमि और मध्यप्रदेश में स्टेच्यु ऑफ वननेस के निर्माण का कदम प्रेरक और अकल्पनीय है। यह विश्व व्यापी केंद्र बनेगा। स्वामी जी ने कहा कि कोरोनाकाल में आयुर्वेद और योग के प्रति सभी का ध्यान आकर्षित हुआ। इनसे मानवीय मन को संबल भी मिला। इस अवधि में आध्यात्मिक स्वीकृति भी उत्पन्न हुई है। एकत्व का विचार प्रबल हुआ है।

स्वामी परमात्मानंद ने कहा कि इस प्रकल्प से सभी जुड़ना चाहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान की यह महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी पहल है। स्वामी हरिब्रम्हेन्द्रानंद ने कहा कि आमजन के उद्धार का कार्य है। यह केंद्र दर्शनीय रहेगा, इससे जन-जन जुड़ेगा। स्वामी मित्रानंद ने कहा कि निश्चित ही यह अद्भुत कार्य हो रहा है। श्री मुकुल कानितकर ने कहा कि ओंकारेश्वर प्रकल्प के क्रियान्वयन से हम सभी धन्य हैं।

प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला ने प्रेजेंटेशन में बताया कि ओंकारेश्वर में नर्मदा तट पर आचार्य शंकर की 108 फीट की बहुधातु प्रतिमा की स्थापना और अन्य कार्यों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन बनाने के लिए वास्तुविद सलाहकार की नियुक्ति कर ली गई है।

मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं परीक्षा के आवेदन प्रारंभ

भोपाल, मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा 2022 के आवेदन 25 मार्च 2022 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकृत अध्ययन केंद्रों के माध्यम से भरे जाऐंगे। आवेदन में संशोधन 30 मार्च 2022 तक कर सकेंगे। आवेदन की हार्डकॉपी, मूल अंकसूची इत्यादि 8 अप्रैल 2022 तक भेजना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को आवेदन करने के लिये अधिकृत अध्ययन केंद्र से सम्पर्क करना होगा, जिसकी सूची कार्यालय मदरसा बोर्ड के सूचना पटल एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है।

परीक्षाओं का आयोजन कोविड गाइडलाइन एवं राज्य ओपन बोर्ड के निर्णय/टाइम टेबिल अनुसार होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

सीएम राइज स्कूलों को मॉडल के रूप में स्थापित कर शुरू करायें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, सीएम राइज स्कूलों को मॉडल के रूप में स्थापित कर शुरू कराने का कार्य प्राथमिकता से करें। शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी बनाये रखना और बच्चों को बेहतर भविष्य देना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुये कहीं।

शिक्षकों की भर्ती सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धारित मापदंड के अनुसार शिक्षकों की भर्तियां शुरू की जायें। उन्होंने कहा कि राज्य की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर शिक्षकों का चयन किया जाये। प्रशिक्षण देकर शिक्षकों की कौशल क्षमता का विकास करें।

प्रतिभाशाली बच्चों की प्रतिभा संवारें

श्री चौहान ने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों की प्रतिभा संवारने के लिए व्यवस्थित योजना बनाकर क्रियान्वयन करें। व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित हों। भारतीय संस्कारों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढ़ीकरण करें।

पीपीपी मोड पर खुलें सैनिक स्कूल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पीपीपी मोड पर सैनिक स्कूल खोले जायें। लोगों को प्रोत्साहित कर सैनिक स्कूल खोलने की कार्यवाही हो। सीएम राइज स्कूलों को नई शिक्षा नीति से जोड़कर कार्य किया जाये। विभाग की प्रगति को निरंतर पोर्टल पर अपलोड किया जाये। स्कूलों में योग शुरू करायें। प्रतिदिन योग एवं खेल की गतिविधियां हों।

अन्य राज्यों की शिक्षा का करें अध्ययन

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन राज्यों में शिक्षा का स्तर अच्छा हो, वहां का अध्ययन कर प्रदेश में लागू करने के प्रयास हों। विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए पोर्टल बनाया जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला स्तर पर शिक्षा के स्तर की रैंकिंग हो। रैंकिंग से प्रतिस्पर्धा पैदा होगी और शिक्षा के स्तर में सुधार होगा।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से नहीं होगा कोई समझौता - मुख्यमंत्री

भोपाल, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाये। गुणवत्ता नियंत्रण के लिये नया मैकेनिज्म विकसित किया जाये, जो पारदर्शी होने के साथ ही त्वरित कार्रवाई के लिये सक्षम हो। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन सड़क मार्गों के निर्माण के साथ ही शहरी क्षेत्र में गुजरने वाली सड़कों का संधारण शीघ्रता से किया जाये। उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता नियंत्रण के लिये जियो टेगिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से सेम्पल चयन और गुणवत्ता का परीक्षण किया जाये। श्री चौहान ने कहा कि ऐसी सभी सड़कों का विस्तृत डाटाबेस तैयार करें, जिनका आगामी एक से दो वर्ष में संधारण कार्य करना आवश्यक हो। उन्होंने कहा कि नवीन सड़कों के चयन में स्थानीय विधायकों के प्रस्ताव प्राथमिकता के साथ जोड़े जायें। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र का दौरा करें तथा अपनी इंस्पेक्शन रिपोर्ट विभाग के पोर्टल पर लोड करें। इस पोर्टल को सी.एम. डैशबोर्ड से जोड़ा जाये, जिससे वे स्वयं भी आकस्मिक रूप से किसी भी अधिकारी की कार्य प्रगति के विषय में जान सकेंगे।

श्री चौहान ने निर्देश दिये कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाओं का वार्षिक कैलेण्डर तैयार कर समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सीएसआर रेट से कम रेट पर टेण्डर लेने वाले ऐसे ठेकेदार जो निम्न गुणवत्ता का काम करते हैं या काम छोड़कर चले जाते हैं, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 किलोमीटर से कम दूरी की ग्रामीण अंचल की कनेक्टिविटी सड़कों के निर्माण के लिये आरआरडीए, केंद्रीय सड़क निधि, आरडीसी संयुक्त कार्य-योजना तैयार करें। साथ ही वर्तमान में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग की लगभग 70 हजार किलोमीटर सड़कों के संधारण कार्यों को भी आवश्यकतानुसार जारी रखा जाये। इसके लिये राज्य सरकार आवश्यक धन राशि उपलब्ध करायेगी। श्री चौहान ने रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के कार्य की प्रशंसा की और कहा कि आरडीसी नई तकनीक और नवाचार करे।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी उच्च स्तरीय एवं पुराने पुलों का सेफ्टी ऑडिट तथा मरम्मत सुदृढ़ीकरण कार्य के लिये एजेंसी का निर्धारण किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की परियोजना क्रियान्वयन इकाई के कार्यों की नियमित समीक्षा के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री प्रत्येक सोमवार को कार्य प्रगति की समीक्षा करें। मुख्यमंत्री ने पोहरी विधानसभा क्षेत्र के इन्दुरुखी पुल के बाढ़ में बह जाने की जांच रिपोर्ट उन्हें प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राजस्व विभाग की समीक्षा

स्वामित्व योजना का जिलों में विस्तार करें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, भूमि संबंधी रिकॉर्ड के डिजिटाइजेशन के कार्य में प्रदेश में सराहनीय कार्य हुआ है। भारत सरकार द्वारा स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश को सभी राज्यों में बेहतर माना गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरदा में हुए कार्य की प्रशंसा की थी। मध्यप्रदेश ड्रोन तकनीक के उपयोग में भी आगे बढ़ रहा है। निरंतर ड्रोन तकनीक का विस्तार करते हुए वर्षांत तक 60 ड्रोन उपलब्ध करवाए जाएंगे। ड्रोन फ्लाइंग के लिए 50 हजार ग्रामों का लक्ष्य और अधिकार अभिलेख निर्माण के लिए 42 हजार ग्रामों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वामित्व योजना का विस्तार कर प्रदेश के सभी जिलों को लाभान्वित किया जाए। गत माह वाराणसी कॉन्क्लेव में भी मध्यप्रदेश की इस उपलब्धि की चर्चा हुई थी। विभाग के अन्य सकारात्मक कार्यों से भी नागरिकों को अवगत करवाने की ठोस पहल की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में राजस्व विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

स्वामित्व योजना में प्रदेश में 4971 ग्रामों में अधिकार अभिलेख प्रकाशन का कार्य पूरा हो गया है। प्रदेश में ड्रोन तकनीक का उपयोग कर 8 हजार 331 नक्शे तैयार किए गए। प्रदेश में ड्रोन फ्लाइंग ग्रामों की संख्या इस समय 13 हजार 765 है। संशोधन के उपरांत 6 हजार 307 नक्शों को अंतिम रूप दिया गया। प्रदेश के 3500 ग्रामों के 2.71 लाख अधिकार अभिलेख समारोहपूर्वक वितरित किए गए हैं।

आमजन को नियमित रूप से उपलब्ध हों पटवारी

श्री चौहान ने कहा कि ग्रामों में राजस्व विभाग की पहचान पटवारी से है। यदि पटवारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आमजन को उपलब्ध रहे तो यह आम जनता को बड़ी राहत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय कार्यों में जो कर्तव्य पालन में श्रेष्ठ हैं उन्हें पुरस्कृत करें, साथ ही लापरवाह कर्मचारी को दंडित करने में भी पीछे न रहें। राजस्व विभाग में ईज ऑफ डूइंग को बढ़ाया जाए।

फसल क्षति के आकलन के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाएं

श्री चौहान ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के पश्चात यह बहुत आवश्यक है कि वास्तविक प्रभावित व्यक्तियों को राहत राशि मिले। इसके लिए यह जरूरी है कि क्षति का आकलन सही-सही हो। इस दिशा में वैज्ञानिक उपायों पर अमल किया जाए। वर्तमान में क्षति के आकलन का जो तरीका है, उसमें कुछ दोष हो सकते हैं। इन दोषों को दूर करते हुए नवीन तकनीक और नवीन विधियों का उपयोग कर एक मॉडल विकसित किया जाए।

आवासीय भू-अधिकार योजना के अंतर्गत होंगे कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में पात्र लोगों को भूमि देने का कार्य किया जाए। प्रदेश में वर्तमान में योजना के अंतर्गत एक लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं।

नवाचारों को जानेगी आम जनता

श्री चौहान ने राजस्व कार्यों से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि आम जनता को ऐसे महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी विभिन्न प्रचार माध्यमों से प्रदान की जाए। विभागीय नवाचारों से आमजन को अवगत करवाने के लिए जिला और तहसील स्तर पर कार्यशालाएं हों। भू-अर्जन के प्रकरणों का ऑनलाइन निपटारा करने के लिए मॉड्यूल निर्माण की पहल की गई है। इसके अंतर्गत इसी माह मॉड्यूल का उपयोग प्रारंभ हो रहा है।

ट्राइबल म्यूजियम को विश्व-स्तरीय बनाया जायेगा - मुख्यमंत्री

भोपाल, ट्राइबल म्यूजियम को विश्व-स्तरीय बनाये जाने का प्रयास किया जायेगा। म्यूजियम में पर्यटक आकर रुकें और देखें, इस तरह की व्यवस्था करें। इसी प्रकार मानव संग्रहालय को पुनर्जीवित करने एवं पर्यटन को बढ़ावा देने वहां भी पर्यटकों के ठहरने का प्रस्ताव तैयार कर भेजें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में संस्कृति विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नये संग्रहालय ऐसे उपयोगी बनाये जायें, जिसे नई पीढ़ी देखे, जाने और समझे। वहां पर्यटक आकर्षित होकर आएं और अपने आपको रोमांचित महसूस करें। पुराने संग्रहालयों को भी रुचिकर एवं प्रेरक बनायें, ताकि लोग आकर्षित हों। नवाचार अपना कर इन्हें खूबसूरत बनाया जा सकता है। नये संग्रहालय आकर्षक और रोमांचक बनें।

श्री चौहान ने कहा कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकराचार्य की प्रतिमा की स्थापना और लेजर-शो का कार्य प्रथम चरण में पूर्ण किया जायेगा। वेदांत पीठ की स्थापना देश और दुनिया में अद्भुत होगी। इस कार्य की हर सप्ताह समीक्षा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सलकनपुर मंदिर में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्य किये जायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में अपूर्व पुरा-सम्पदा है। इसकी महत्ता को प्रतिपादित करते हुए ट्रूरिस्ट सर्किट बनाया जाये। इंदौर में लाल बाग पैलेस का मूल स्वरूप बरकरार रखते हुए उसे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल) की तरह विकसित किया जाये। मुख्यमंत्री ने शिव की प्रतिमाओं के अभिप्राय पर केन्द्रित पुस्तक 'महादेव' और परमवीर चक्र विजेताओं पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया।

बैठक में बताया गया कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के लिये भारत सरकार की वेबसाइट पर भी समानांतर रूप से मध्यप्रदेश की प्रमुख गतिविधियां उपलब्ध हैं। मध्यप्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति पर आधारित संग्रहालयों के निर्माण का कार्य भी प्रस्तावित है। इसमें जनजातीय कार्य विभाग के माध्यम से भारिया जनजाति का छिंदवाड़ा, बैगा का डिण्डोरी और सहरिया जनजाति का श्योपुर में संग्रहालय बनाया जाना अपेक्षित है।

सीएम हेल्पलाइन से नागरिकों को सेवाएं देना है अच्छी पहल

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लोक सेवा प्रबंधन विभाग की समीक्षा करते हुये कहा कि सी.एम. हेल्पलाइन-181 से नागरिकों को सेवाएं देना बहुत अच्छी पहल है। सी.एम. हेल्पलाइन-181 का केवल शिकायतों के लिये नहीं, नागरिकों को सेवाएं देने के लिये बेहतर उपयोग किया जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सी.एम. हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों तक पहुंच बढ़ाने के लिये सी.एम. जनसेवा 181 के माध्यम से आय प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, चालू खसरा की प्रतिलिपि, बी-1 खतौनी की प्रतिलिपि और चालू नक्शा की प्रतिलिपि की 5 प्रमुख नागरिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह एक अच्छा प्रयास है। सी.एम. जनसेवा 181 के माध्यम से और अधिक सेवाएं नागरिकों को दी जायें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सेवा देना सरकार का दायित्व है। लोक सेवा केंद्र के माध्यम से कई प्रकार की सेवाएं नागरिकों को निश्चित समय-सीमा में मिल रही हैं।

प्रमुख सचिव लोक सेवा प्रबंधन श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि इसके माध्यम से वर्तमान में 563 प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। आगामी समय में सेवाओं की संख्या को बढ़ाया जायेगा। सभी सेवाओं को ऑनलाइन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2022-23 में 730 ग्राम पंचायतों पर उप लोक सेवा केंद्र और जिला स्तर पर उप लोक सेवा केंद्र खोले जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

खनिज साधन विभाग की समीक्षा

खनिज सम्पदा रोज़गार और राजस्व प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण

भोपाल, खनिज सम्पदा, रोज़गार और राजस्व प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है। खनिज संपदाओं का वैज्ञानिक दोहन कर रोज़गार प्रदान करने के लक्ष्य के लिए तेजी से कार्य किया जाए। पारदर्शी, सुनियोजित और व्यवस्थित रूप से कार्यों की पूर्णता हो। राजस्व प्राप्ति के प्रयासों में कमी न रहे। जिलों में खनिजों की उपलब्धता के सर्वे का कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने के लिए भारत सरकार से आवश्यक समन्वय किया जाए। खनिज साधन विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जाये। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में खनिज साधन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये दिये।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में विभिन्न करारनामों में सर्वेक्षण कार्य चल रहे हैं। मैगनीज और इंडिया लिमिटेड (मॉयल लि.) और खनिज विभाग के मध्य निष्पादित करारनामों के फलस्वरूप दमोह, छतरपुर, पन्ना, जबलपुर, कटनी, सीधी और सिंगरौली के 14 ब्लॉक एवं बालाघाट और छिंदवाड़ा में 24 ब्लॉकों का सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है। इनमें 20 क्षेत्र हीरा खनिज के शामिल हैं। साथ ही छतरपुर में लौह अयस्क और झाबुआ में मैगनीज के लिए सर्वे किया गया है। मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि. और खनिज विभाग के मध्य सर्वेक्षण के करारनामे के फलस्वरूप 7 ब्लॉक उपलब्ध कराये गये हैं। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा प्रदेश के तीन जिलों सीधी, बैतूल और कटनी में दुर्लभ धातुओं की खोज के लिए सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जाएगा।

मुख्य खनिज की 100 निष्क्रिय खदानों का लक्ष्य निर्धारित कर चूना पत्थर, वाक्साइट, मैगनीज, फायरक्ले, डोलोमाइट और लेटेराइट की 71 खदानों में कार्य प्रारंभ किया गया है।

प्रमुख खनिजों की नीलामी के लिए नई लघु खनिज नीति में मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 में संशोधन की अधिसूचना जारी करने, गौण खनिजों की डेड रेंट दरों और फर्शी पत्थर खनिज की डेड रेंट के युक्तियुक्तकरण और 31 गौण खनिजों की रायल्टी दरों के पुनर्निक्षण की अधिसूचना भी प्रकाशित की गई है। खनिज साधन विभाग ने कोयला खनिज के खनन के लिए सिंगरौली जिले के दो ब्लॉक निजी क्षेत्र को आवंटित करने की स्वीकृति दी है।

जानकारी दी गई कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप और दीर्घकालिक लक्ष्यों के आधार पर वित्त वर्ष में विभाग के विजन और उसके क्रियान्वयन के फलस्वरूप खनिज राजस्व प्राप्ति में वृद्धि हुई है। वर्ष 2017-18 में 4284 करोड़ के मुकाबले वर्ष 2020-21 में आय 5185 करोड़ रुपये हुई। वर्तमान वित्त वर्ष में इसके 7 हजार करोड़ तक पहुंचने की आशा है।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा

एक जिला-एक उत्पाद योजना को गंभीरता से लें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, उद्यानिकी विभाग 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना को गंभीरता से लें। उद्यानिकी से जुड़े किसानों को चिन्हित उत्पाद की खेती के लिये पर्याप्त प्रशिक्षण भी दिया जाये। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सरियों को डिमांड ड्रिविन बनाना चाहिये। उन्होंने कहा कि जिन पौधों की मांग होती है, नर्सरियों में ऐसे पौधों के विकास पर जोर दिया जाना चाहिये। विभाग द्वारा बताया गया कि उद्यानिकी नर्सरियों को पीपीपी मोड पर विकसित किया जा रहा है। इस योजना में स्व-सहायता समूह के माध्यम से 137 उद्यानिकी नर्सरी स्थापित की गई हैं। श्री चौहान ने कहा कि लहसुन, अदरक, मिर्च, धनिया और अन्य मसाला फसलों के उत्पादन में प्रदेश का देश में अग्रणी स्थान है। मसाला फसलों के उत्पादन से जुड़े किसानों को बढ़ावा देना चाहिये। मसाला फसलों की प्र-संस्करण इकाइयां भी लगाना चाहिये। मुख्यमंत्री ने उद्यानिकी फसलों को संरक्षित रखने के लिये कोल्ड-स्टोरेज लगाने पर भी जोर दिया। साथ ही उद्यानिकी किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती से जोड़ने की बात भी कही। श्री चौहान ने उद्यानिकी विभाग द्वारा बुंदेलखण्ड के किसानों को पान की खेती से जोड़ने के कार्यक्रम की सराहना भी की।

बताया गया कि 20 आदर्श विकासखण्डों में शत-प्रतिशत गिरदावरी की जायेगी। गिरदावरी से उत्पादन, खपत और बचत का आकलन करना संभव होगा। इससे भण्डारण क्षमता का निर्माण और प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने में सुगमता होगी। अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री जे.एन. कंसोटिया ने वर्चुअली शामिल होकर उद्यानिकी विभाग के आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमैप में सम्मिलित कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश वैक्सीनेशन और उपचार प्रबंधन में अन्य राज्यों से आगे

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा राज्यों से कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमण और उसके प्रबंधन के संबंध में ली गई समीक्षा बैठक में वर्चुअल भागीदारी की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कम वैक्सीनेशन और अधिक समस्या वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, झारखंड, पंजाब आदि के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए।

मध्यप्रदेश कोविड से बचाव के लिए श्रेष्ठ प्रयास करने वाले राज्यों में

प्रधानमंत्री की राज्यों से चर्चा के पहले बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश किशोर वर्ग के लिए 3 जनवरी से प्रारंभ वैक्सीनेशन के कार्य में अच्छी स्थिति में है। प्रदेश में 15 से 18 वर्ष के किशोरों के टीकाकरण कार्य में मध्यप्रदेश में पात्र किशोरों में से 72.2 प्रतिशत को वैक्सीन का डोज लगया जा चुका है। प्रिकॉशन डोज 1 लाख 80 हजार से अधिक लोगों को लगाया गया है। इस श्रेणी में लगभग 30 प्रतिशत पात्र आबादी को टीके लगाये जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन कार्य के लिए जन-भागीदारी के मॉडल का उपयोग करते हुए सभी का सहयोग लेकर 11 विशिष्ट वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित किए गए हैं। अभी तक मध्यप्रदेश में 96 प्रतिशत प्रथम डोज तथा 92 प्रतिशत द्वितीय डोज के पात्र लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसी प्रकार 15-18 आयु वर्ग में और गर्भवती माताओं के टीकाकरण में भारत में सर्वाधिक टीके लगाने वाला मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है।

इसी तरह केंद्रीय राशि के व्यय में भी मध्यप्रदेश का कार्य अच्छा है। विशेष रूप से प्रदेश में कोविड से बचाव के लिए अस्पतालों में सामान्य बेड, ऑक्सीजन बेड, एचडीयू और आईसीयू बेड, ऑक्सीजन संयंत्र, औषधियों की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। भारत सरकार द्वारा 437 करोड़ 17 लाख रुपये केंद्र अंश के रूप में जारी किये गये। इसमें राज्य अंश 291 करोड़ 44 लाख करोड़ रुपये मध्यप्रदेश शासन ने जारी किये। केंद्र और राज्य का अंश सम्मिलित करते हुए कुल 728 करोड़ 61 लाख करोड़ रुपये की उपलब्ध राशि के मुकाबले राज्य ने 398 करोड़ 33 लाख का व्यय किया है। व्यय प्रगति में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश प्रथम पांच राज्यों में शामिल है।

दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड बनाने में मध्यप्रदेश अग्रणी

भोपाल, मध्यप्रदेश दिव्यांगों के यूनिक डिसएबिलिटी आई.डी. कार्ड (यूडीआईडी) बनाने में देश में शीर्ष स्थान पर है। बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश ने 103 प्रतिशत से अधिक की उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 6 लाख 60 हजार 313 के विरुद्ध प्रदेश में 6 लाख 83 हजार 551 दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड बनाये जा चुके हैं। यूडीआईडी परियोजना का उद्देश्य दिव्यांगजन को शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराना है। इस कार्ड से दिव्यांग देशभर में कहीं भी अपनी पहचान बताकर इलाज करा सकते हैं।

नये दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं पुराने प्रमाण-पत्रों के नवीनीकरण की कार्यवाही सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा सतत् रूप से जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन के समन्वय से की जा रही है। यूनिवर्सल आईडी कार्ड जनरेट करने के लिये भारत सरकार द्वारा यूडीआईडी पोर्टल https://www.swavlambancard.gov.in बनाया गया है। पोर्टल के माध्यम से दिव्यांगजनों का 18 अक्षरीय यूनिक आईडी कार्ड जनरेट किया जाता है। यह कार्ड विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये सहायक होगा।

आत्मनिर्भर भारत बनाने में मध्यप्रदेश के युवा निभाएंगे भूमिका

मध्यप्रदेश में प्रत्येक माह मनाया जाएगा रोज़गार दिवस

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में रोज़गार दिवस के अवसर पर हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुये।

भोपाल, आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में युवा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। रोज़गार आज एक प्रमुख आवश्यकता है। मध्यप्रदेश में बीते दो माह में सवा पांच लाख युवाओं को विभिन्न योजनाओं में रोज़गार और वित्तीय सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया गया है। प्रतिमाह एक लाख लोगों को रोज़गार से जोड़ने और आर्थिक उन्नयन का लाभ देने के लक्ष्य के मुकाबले दोगुनी उपलब्धि प्राप्त हुई है। प्रतिमाह ढाई लाख लोगों को लाभान्वित करने में सफलता मिली है। अब प्रत्येक माह रोज़गार दिवस मनाया जाएगा। हमारे नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोज़गार मिले, इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में रोज़गार दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद जयंती पर स्वामी जी के इस कथन से प्रेरणा लेना चाहिए कि मनुष्य यदि निश्चय कर ले और रास्ता बना ले तो कोई कार्य असंभव नहीं है। स्वामीजी का वास्तविक नाम नरेन्द्र था, भारत के लिए भविष्यवाणी करते हुए उन्होंने कहा था कि आने वाली सदी भारत की होगी। आज एक और नरेन्द्र (प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी) के नेतृत्व में भारत वैभवशाली और गौरवशाली राष्ट्र बनकर विश्व गुरू के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने श्री जमशेद जी टाटा की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि वे छोटे से कार्य को प्रारंभ कर इतने बड़े उद्योगपति बने। मजबूत संकल्प से युवा अपने कार्य क्षेत्र में अवश्य सफल होंगे।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास बढ़ाए गए हैं। गत 15 नवम्बर 2021 से 12 जनवरी 2022 की अवधि में प्रदेश में 5 लाख 26 हजार 510 युवाओं को लाभान्वित करने का ठोस कार्य हुआ है। हमारा प्रयास ऐसी शिक्षा प्रदान करना है, जो रोज़गार भी उपलब्ध करवाए। नई शिक्षा नीति में भी संपन्न भारत के निर्माण की कल्पना है। कक्षा 6वीं से व्यावसायिक शिक्षा के प्रावधान से यह स्पष्ट होता है। श्री चौहान ने कहा कि युवाओं के हाथ में कौशल हो और उन्हें जीविका मिले, यह बहुत आवश्यक है। मध्यप्रदेश के नौजवान अब नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बन रहे हैं। वास्तव में युवा नया इतिहास रच सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना काल में भी निवेश आया है। टेक्सटाइल उद्योग सहित भिन्न-भिन्न उद्योगों के लिए पृथक-पृथक क्लस्टर बनाए जा रहे हैं। सस्ती जमीन और अन्य सुविधाओं का लाभ नई इकाइयों की स्थापना के लिए दिया जा रहा है।

परिवहन विभाग की समीक्षा

मध्यप्रदेश में परिवहन नीति को बनाएं तर्कसंगत - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, परिवहन विभाग के कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाया गया है जो प्रशंसनीय है। सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को निरंतर बढ़ाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार परिवहन सेवाएं बढ़ाई जायें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुये कहीं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भविष्य के लिए एक तर्क संगत परिवहन नीति बनाने को कहा, जिससे परिवहन सेवाओं को ओर बेहतर बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारथी पोर्टल के माध्यम से अनेक कार्यों को फेसलेस करने के प्रयास सराहनीय हैं। मुख्य रूप से चार फेसलेस सेवाओं लर्निंग लायसेंस के निर्माण, डुप्लीकेट ड्रायविंग लायसेंस जारी करने, ड्रायविंग लायसेंस की अवधि बढ़ाने और एड्रेस में परिवर्तन का उपयोग हो रहा है। इन फेसलेस सेवाओं का लाभ 14 लाख आवेदकों को प्राप्त हुआ है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिसूचित फेसलेस सेवाओं का वाहन/सारथी पार्टल के माध्यम से क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभी सार्थक पोर्टल कार्यशील है। अगले दो माह में वाहन पोर्टल को भी एकजाई किया जाएगा। वर्ष 2022-23 में 14 सेवाओं को फेसलेस करने का लक्ष्य है।

चेक पोस्ट पर मानव रहित व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने विभिन्न चेक पोस्ट पर मानव रहित व्यवस्था प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आम लोगों को चेक पोस्ट पर होने वाली परेशानियों से बचाने में यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक हजार महिलाओं को वाहन चालन प्रशिक्षण की लक्ष्य पूर्ति के लिए कार्य तेज किया जाए। वर्तमान में 337 महिलाओं को निःशुल्क चालक प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

वैकल्पिक राजस्व वृद्धि के प्रयास

परिवहन विभाग द्वारा वैकल्पिक राजस्व में वृद्धि के लिए विभिन्न उपाय अपनाए जाएंगे। इनमें सार्वजनिक वाहनों पर विज्ञापन और करों के युक्तियुक्तकरण के कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही स्क्रैप पॉलिसी को मूर्त रूप देने, ई-व्हीकल के क्षेत्र में प्रदेश को अग्रणी बनाने, एक्रेडिटेड ड्रायविंग ट्रेनिंग सेंटर्स और निजी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से वाहन फिटनेस सेंटर्स की स्थापना के कार्य किए जा रहे हैं।

कोरोना नियंत्रण एवं उपचार की समीक्षा

कोरोना के मरीजों को कोविड केयर सेंटरों में करें भर्ती - मुख्यमंत्री

कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद

भोपाल, कोरोना के मरीजों को सीधे अस्पतालों में ना ले जाकर कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाए, जिससे अस्पतालों में अन्य बीमारियों का इलाज सुचारू रूप से चलता रहे। कोविड केयर सेंटर्स की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें। जहां कोविड केयर सेंटर चालू नहीं हुए हैं, वहां शीघ्रता से चालू कराएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में कोरोना नियंत्रण एवं उपचार की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीहोर जिले के प्रभारी अधिकारी श्री जॉन किंग्सली को सीहोर में सभी छोटे-छोटे कोविड केयर सेंटर चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बुधनी में 300 बिस्तर के कोविड-19 सेंटर की स्थिति तुरंत देखने के निर्देश दिए।

होम आइसोलेशन में मरीजों से बातचीत जारी रखें

मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन के मरीजों से बातचीत होती रहे। उन्हें विभिन्न प्रकार की सावधानियां रखने की समझाइश दी जाए। आइसोलेशन की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने होम आइसोलेशन के लिए प्रमुख सचिव श्री अशोक वर्णवाल को आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी निर्देश दिए।

बच्चों का टीकाकरण तेजी से पूरा करें

श्री चौहान ने कहा कि 15 से 18 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण जल्द पूरा कर लिया जाए। प्रभारी अधिकारी और कलेक्टर सभी मिलजुल कर इस कार्य को प्राथमिकता से करें।

तुलनात्मक जानकारी के आधार पर व्यवस्थाएं बनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के बढ़ते हुए केसेस को देखते हुए तुलनात्मक जानकारी तैयार करें। कल कितने केस थे और आज कितने केस हैं तथा एक महीने के बाद कितने केस होंगे, की जानकारी तैयार करें। इसके आधार पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बनाई जाना सुनिश्चित करें। अस्पताल पूरी तरह तैयार रखे जाएं।

इंदौर और भोपाल में सबसे अधिक पॉजिटिविटी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर और भोपाल में सबसे अधिक पॉजिटिविटी दर है। इंदौर में 9 प्रतिशत से अधिक तो भोपाल में 9 प्रतिशत के करीब पॉजिटिविटी दर है। लगभग सभी जगह कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जहां केस तेजी से बढ़ रहे हैं, उनके प्रभारी अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कैप्टन हरप्रीत चंडी

दक्षिणी ध्रुव पर अकेले पहुंचने वाली पहली भारतवंशी महिला बनीं

ब्रिटेन की सिख सेना में अधिकारी हरप्रीत चंडी दक्षिणी ध्रुव तक अकेली पहुंचने वाली पहली भारतवंशी महिला बन गई हैं। पोलर प्रीत नाम से प्रख्यात हरप्रीत ने अपने लाइव ब्लॉग पर 40वें दिन के अंत तक 1,127 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद अपने सभी किट के साथ स्लेज खींचते हुए माइनस 50 डिग्री सेल्सियस तापमान में इतिहास रचने की जानकारी दी।

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान

बकरी के दूध से बनायेगा पनीर

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) की ओर से डॉक्टर डी सुंदरसन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक डॉक्टर मनमोहरन सिंह चौहान ने कहा कि एनडीआरआई 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बकरी के दूध से पनीर बनाने जा रहा है। भारतीय डेयरी गाय की नस्लों से अद्वितीय डेयरी उत्पादों की पहचान और धन जीवामृत (जैविक उर्वरक) का निर्माण और वितरण किया जायेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि इस वर्ष गिर गायों के क्लोन बनाये जायेंगे। डिंब पिंक-अप इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (ओपीयू-आईवीएफ) भैंसों में किया जायेगा।

दुबई में

ग्लास पिरामिड के नए गिनीज रिकॉर्ड का दावा

दुबई के अटलांटिस पाम होटल में 54 हजार 740 शैंपेन ग्लास से 27 फीट ऊंचा पिरामिड बनाया गया है। इसे बनाने में 55 घंटे का समय लगा है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल करने की दावेदारी की गई है। 2017 में मैड्रिड में 50 हजार एक सौ सोलह ग्लास से पिरामिड बनाने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना था।

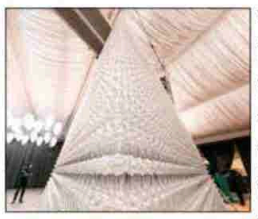

ब्लूफिन टूना मछली

जापान में 5 लाख रुपये किलो बिकी

जापान में इस साल की पहली ब्लूफिन टूना मछली की नीलामी हुई। 211 किलो वजनी यह मछली 1.69 करोड़ येन (करीब 11 करोड़ रुपये) में नीलाम हुई। यानि 5 लाख रुपये किलो रिकॉर्ड मूल्य पर बिकी है। इसे मिशेलिन-स्टारर रेस्तरां संचालक ओनोडेरा ग्रुप और थोक व्यापारी यामायुक्त ने संयुक्त रूप से खरीदा है। नये साल की पहली टूना नीलामी के बाद सुशी रेस्तरां में जाती है।

केन तनाका

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला ने मनाया 119वां जन्मदिन

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला जापान की केन तनाका ने फुकुओका के नर्सिंग होम में 119वां जन्मदिन मनाया। वे प्रथम विश्व युद्ध शुरू होने से 11 साल पहले 2 जनवरी 1903 को पैदा हुई थीं। अधिक उम्र होने की वजह से उन्हें बोलने में दिक्कत होती है। वे इशारों में बात करती हैं। नंबर गेम खेलती हैं। चॉकलेट और फिजी ड्रिंक्स का सेवन करती हैं। 2019 में जब वह 116 साल की थीं तब उन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला के रूप में स्थान मिला था।

रेस्टोरेंट सबलिमोशन

दुनिया का सबसे महंगा रेस्टोरेंट

क्लब और नाइट लाइफ के लिए प्रसिद्ध स्पेन के इबिसा

आइलैंड के सबलिमोशन रेस्टोरेंट को हाल ही में मिशेलिन ट्रेवल गाइड ने दुनिया का सबसे महंगा रेस्टोरेंट घोषित किया है। यहां एक व्यक्ति के एक बार के भोजन की कीमत भारतीय रुपयें में लगभग 1 लाख 29 हजार है। इस रेस्टोरेंट में वर्चुअल रियलिटी, लाइट एंड साउंड के माध्यम से कभी सी-बीच, तो कभी अंतरिक्ष, तो कभी रोमन कोलेसियम में बैठकर भोजन का आनंद लिया जा सकता है। यहां के शेफ, इंजीनियर्स, टेक्नीशियन्स, स्क्रिप्ट राइटर्स की टीम आने वाले कस्टमर्स के लिए अलग-अलग थीम डिजाइन करती रहती है।

कैलिफोर्निया में

एक वर्ष के अंतर से जन्में जुड़वां बच्चे

कैलिफोर्निया की फातिमा मेड्रिगल ने ऐसे जुडवां बच्चों को जन्म दिया, जिनके बीच एक साल का अंतर है। नातिविदाद मेडिकल सेंटर के अनुसार फातिमा ने 31 दिसम्बर, 2021 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर बेटे सोन अल्फ्रेडो को जन्म दिया, इसके तकरीबन 15 मिनट बाद यानि 1 जनवरी, 2022 को बेटी यायलिन को जन्म दिया। तब तक तारीख के हिसाब से वर्ष 2021 से वर्ष 2022 हो गया था।

तुर्की में

गाय को वीआर गॉगल लगाने से बढ़ी दूध की क्षमता

तुर्की में अक्सारे में एक किसान ने अपनी गायों को वर्चुअल रियलिटी (वीआर) गॉगल्स (हेडसेट) लगाये। इनमें गायों को हरे-भरे चरागाहों के वीडियो दिखाये गये। इन वीडियो को देखने से गायों का तनाव कम होने लगा और वे प्रतिदिन पांच लीटर ज्यादा दूध देने लगी। इसे विशेषज्ञों की पैनल द्वारा और रिसर्च कर उन्नत बनाने की दिशा में सफल तकनीक के रूप में देखा जा रहा है।

लीबिया के

पूर्व उप-प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार

लीबिया के अटार्नी जनरल कार्यालय ने पूर्व उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अल-सादिक अब्दुलकरीम अब्दुल रहमान को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। आगामी राष्ट्रीय चुनावों में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार करीम के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में जांच की जा रही थी। अटार्नी जनरल कार्यालय ने एक बयान जारी कर बताया कि करीम ने ऑडिट ब्यूरो की अनुमति के बिना, खराब गुणवत्ता और उच्च कीमतों वाले अनुबंधों पर हस्ताक्षर किये हैं।

एमी बौर्नश्मिट

पहली बार अमेरिकी एटमी पोत की कमान महिला कैप्टन को मिली

अमेरिकी नौसेना में पहली बार एटमी पोत की कप्तानी महिला कैप्टन एमी बौर्नश्मिट को सौंपी गई। अमेरिकी नौसेना में लड़ाकू जहाजों पर पहली बार 1994 में महिलाओं को तैनात किया गया था। एटमी हथियारों से लैस पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन एमी बोर्तश्मिट की कप्तानी में सैन डिएगो से निकला। इसी के साथ वे अमेरिकी नौसेना के इतिहास में परमाणु जहाज का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं।

गोंडवाना काल की

तीस करोड़ साल पुरानी चट्टान मिली

भू-वैज्ञानिकों ने भूगर्भीय दृष्टि से महत्वपूर्ण लद्दाख में सिंधु नदी के उत्तर में श्योक व न्यूब्रा घाटी में 299 मिलियन वर्ष पुरानी चट्टान की खोज की है, जो गोंडवाना काल की है। इस चट्टान के पास ही गोंडवाना भूमि के समय के बीजों के जीवाश्म भी मिले हैं। यह शोधपत्र अमेरिका की शोध पत्रिका जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका के ताजा अंक में प्रकाशित हुआ है। इस खोज को बेहद ही अहम माना जा रहा है।

संजय कुमार सिंह

इस्पात मंत्रालय में सचिव बने

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय कुमार सिंह ने इस्पात मंत्रालय में सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया। वह मध्यप्रदेश कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक अधिकारी हैं। उन्होंने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सचिव पीके त्रिपाठी का स्थान लिया है।

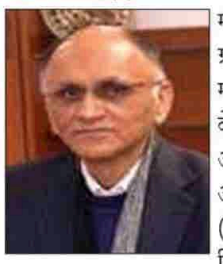

दानिश सिद्धीकी

जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित

अफगानिस्तान में काम करते समय जान गंवाने वाले फोटो पत्रकार दानिश सिद्धीकी को मुंबई प्रेस क्लब ने मरणोपरांत जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया है। भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने मुंबई प्रेस क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वार्षिक पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिये रेडइंक पुरस्कार प्रदान किया।

जैक रिको

पंद्रह वर्ष की उम्र में किया ग्रेजुएशन

अमेरिका की नेवादा यूनिवर्सिटी से 15 वर्षीय जैक रिको ने ग्रेजुएशन पूरी कर इतिहास रचा। उन्होंने ग्रेजुएशन से पहले अन्य चार डिग्री और हासिल कीं। जैक ने 14 दिसम्बर 2021 को बैचलर डिग्री लेकर रिकॉर्ड बनाया। 11 वर्ष की उम्र में उन्होंने फुलरटॉन कॉलेज में एडमिशन के लिये सबसे ज्यादा नंबर से प्रवेश परीक्षा पास की। जिसकी वजह से उन्हें कॉलेज लेवल की डिग्री करने का अवसर मिला था।

डॉ. लक्ष्मणन, नवजीत और डॉ. मर्चेंट

ऑर्डर ऑफ कनाडा सम्मान से सम्मानित

भारतीय मूल के तीन कनाडाई डॉक्टर वैकुंटम अय्यर लक्ष्मणन, नवजीत ढिल्लो और डॉक्टर प्रदीप मर्चेंट को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि, समुदाय के प्रति समर्पण और बेहतर राष्ट्र के निर्माण में मदद करने और भारत-कनाडा के बीच द्विपक्षीय रिश्ते बढ़ाने के लिये ऑर्डर ऑफ कनाडा से सम्मानित किया गया है। यह कनाडा के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है। डॉक्टर लक्ष्मणन वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक हैं, नवजीत रियल एस्टेट के कारोबारी हैं और डॉक्टर मर्चेंट प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ हैं।

एमा राडुकानु

इंग्लैंड की महारानी ने किया सम्मानित

अमेरिकी ओपन चैंपियन एमा राडुकानु को रानी एलिजाबेथ द्वितीय ने फ्लशिंग मिडोज में शानदार प्रदर्शन के बाद नये साल की वार्षिक सूची में सम्मानित किया। ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर बनीं 19 वर्षीय राडुकानु को रानी ने मेंबर ऑफ ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर बनाया है। राडुकानु अमेरिकी ओपन का खिताब जीत कर ब्रिटेन में रातों रात स्टार बन गई थीं।

स्मृति शेष

पद्मश्री से सम्मानित सिंधुताई का निधन

अनाथ बच्चों की माँ के नाम से मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता सिंधुताई सपकाल का 75 वर्ष की उम्र में पुणे में निधन हो गया। उन्हें पिछले वर्ष पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। गरीबी में पलीं सपकाल ने अनाथ बच्चों के लिये संस्थान खोले। 40 वर्षों में 1400 से भी अधिक अनाथ बच्चों को गोद लिया और उनकी देखभाल भी की। उन्हें महाराष्ट्र की मदर टेरेसा भी कहा जाता था।

प्रख्यात रागी करतार सिंह का निधन

गुरमत संगीत के प्रख्यात रागी प्रोफेसर करतार सिंह का 94 वर्ष की उम्र में लुधियाना में निधन हो गया। गुरबाणी के प्रसार-प्रचार में उनकी अहम् भूमिका रही। पिछले साल उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। करतार सिंह शिरोमणि रागी अवॉर्ड से भी सम्मानित हो चुके थे।

एक सौ सात वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी अयप्पन पिल्लई का निधन

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता के. अयप्पन पिल्लई का 107 वर्ष की उम्र में तिरुवनंतपुरम में निधन हो गया। त्रावणकोर रियासत के त्रावणकोर शासक वंश से जुड़े पिल्लई ने त्रिवेंद्रम (अब तिरुवनंतपुरम्) के विधि महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने समाज सेवा के अलावा राजनीति में भी सक्रिय योगदान दिया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध में लड़ने वाले सैनिक लॉरेंस का निधन

अमेरिका के राष्ट्रीय द्वितीय विश्व युद्ध संग्रहालय ने सूचना दी है कि अमेरिका के लिये द्वितीय विश्वयुद्ध में लड़ने वाले आखिरी सिपाही लॉरेंस ब्रुक्स का 112 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्रुक्स 31 वर्ष की उम्र में अमेरिकी सेना में भर्ती हुये थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सरदारपुर जिला धार (म.प्र.)

दूरभाष - 07296-245865, ई-मेल - eephedsardha@mp.gov.in

नि.सू.क्र. 25/2021-22 सरदारपुर, दिनांक : 07.01.2022

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेण्डर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साइट पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in/** निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है :-

सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	निविदा लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2021_PHED_177703_1	Manawar	131.71	1,31,710/-	12500/-	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन	6 माह वर्षाकाल में पूर्णकर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2021_PHED_177704_1	Bagh	118.85	1,18,850/-	12500/-		4 माह वर्षाकाल में पूर्णकर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2022_PHED_177705_1	Bagh	177.07	1,77,070/-	12500/-		6 माह वर्षाकाल में पूर्णकर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2022_PHED_177706_1	Nisarpur	217.34	2,17,340/-	15000/-		
2022_PHED_177707_1	Sardarpur	254.82	2,54,820/-	15000/-		
2022_PHED_177708_1	Sardarpur	276.96	2,76,960/-	15000/-		
2022_PHED_177709_1	Dahi	208.93	2,08,930/-	15000/-		
2022_PHED_177710_1	Dahi	323.35	3,23,350/-	15000/-		
2022_PHED_177711_1	Gandhwani	337.16	3,37,160/-	15000/-		
2022_PHED_177712_1	Dahi	342.42	3,42,420/-	15000/-		
2022_PHED_177713_1	Manawar	208.11	2,08,110/-	15000/-		

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : 22.01.2022, 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : **22.01.2022, 17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 24.01.2022, 11.00 बजे
नोट :- निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साइट पर ऑनलाइन पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट एवं आय.टी. जेड केश कार्ड के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री (प्रोक्योरमेंट)
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
जी-21272/46463/2022 **खण्ड सरदारपुर जिला-धार (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 859/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 04.01.2022**
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.02.2022** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_176809	**टर्न की पद्धति पर** :- सनघटा (ऐर) मध्यम परियोजना अंतर्गत बांध एवं नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	9829.13
2.	2022_WRD_176810	**टर्न की पद्धति पर** :- मुंझरी वृहद परियोजना अंतर्गत बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	श्योपुर	31938.00
3.	2022_WRD_176818	**टर्न की पद्धति पर** :- कबूलपुर (कमर्दीपुर सिंचाई परियोजना अंतर्गत ग्रेविटी बांध का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शाजापुर	6038.22

जी-21260/46462/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

Government of Madhya Pradesh
Public Health Engineering Department

NIT No. 35, 36, 37/EE/PHED/2021-22 **Satna, Dated : 05.01.2022**
Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria :
Name of Work - Retrofitting work in different villages of Block Sohawal Under District Satna (M.P.)

NIT No.	E-Tender No.	Name of Villages	PAC (In Lakh)	EMD (Rupees)	Document Fee (Rupees)	Time Limit	Tender Invitation
35	2022_PHED_177252_1	Babupur, Dhaurahara & Khadoora	206.61	207000/-	15000/-	9 Months	First Call
36	2022_PHED_177254_1	Itama, Padraut, Paikori & Nachnoura	265.43	266000/-	15000/-	9 Months	First Call
37	2022_PHED_177255_1	Barhana & Goraiya	245.40	245000/-	15000/-	9 Months	First Call

1. Interested bidders can view the NIT on website **http://www.mptenders.gov.in.**
2. Bid Document Can be Seen and downloaded from the website **http://www.mptenders.gov.in** upto 19.01.2022, 05.30 PM.
3. The bid can be submitted in electronic format on the website **http://www.mptenders.gov.in.** The deadline for submission of the bid is up to **19.01.2022, 05.30 PM.**
4. Amendments to NIT, if any, would be published on website **http://www.mptenders.gov.in** only, and not it newspapers.

Executive Engineer
G-21325/46468/2022 **PHE Division Satna, Mobile No. - 9479989357**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-अनूपपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त) अनूपपुर

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in/** पर अनूपपुर जिले के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निविदा के (Bill of Quantity) अनुसार पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन, उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं विद्युत संयोजन कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक/ दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा सिस्टम ई-टेण्डर नम्बर	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	122/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177394_1	अनूपपुर	फुलकोना कोहका ऊरा	255.07	255070/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार
2.	123/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177449_1	अनूपपुर कोतमा	पकरिया भलमुड़ी सुईडांड़ डोंगरियाखुर्द	231.12	231120/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
3.	124/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177526_1	अनूपपुर	चटहाटोला दारसागर सकोला	243.35	243360/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
4.	125/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177541_1	कोतमा	सारंगगढ़ पचखुरा चंदरौठी तरसिली	244.13	244140/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
5.	126/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177547_1	जैतहरी	निगौरा चोरभठी	244.14	244150/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
6.	127/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177567_1	जैतहरी	मेड़ियारास पोड़ी-2	138.06	138070/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
7.	128/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177593_1	जैतहरी	सिवनी	178.59	178590/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
8.	129/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177620_1	कोतमा	कटकोना हर्री बेनीबहरा	199.32	199320/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित	
9.	130/2021-22 दिनांक 05.01.2022	2022_PHED_177628_1	कोतमा	बेलियछोट बैहाटोला मेनटोला	195.07	195080/-	12500/-	06 माह वर्षाकाल सहित	

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : 18.01.2022, 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : **18.01.2022, 17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 20.01.2022, 11.00 बजे
निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन माध्यम से ही क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर प्रदर्शित हैं। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। समस्त संशोधन केवल उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-21227/46460/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अनूपपुर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/प) संभाग धार
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 18/टेलि/2021-22 **धार, दिनांक : 07.01.2022**
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	समयावधि
1.	2022_PWDRB_177122	धार	उपसंभाग धार अंतर्गत मानपुर बगड़ी मार्ग के कि.मी. 7/6 से 20/6 कुल लंबाई 13.00 कि.मी. में बी.टी. रिनिवल कार्य।	प्रथम	229.38	06 माह वर्षाकाल रहित
2.	2022_PWDRB_177123	धार	उपसंभाग सरदारपुर के लो.नि.वि. कार्यालय तथा सर्किट हाउस की वाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य एवं अन्य ए.आर.एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. कार्य।	प्रथम	19.78	06 माह वर्षाकाल सहित
3.	2022_PWDRB_177124	धार	उपसंभाग कुक्षी अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	20.00	06 माह वर्षाकाल सहित
4.	2022_PWDRB_177125	धार	उपसंभाग कुक्षी अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	20.00	06 माह वर्षाकाल सहित
5.	2022_PWDRB_177127	धार	उपसंभाग धार अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।	द्वितीय	17.00	06 माह वर्षाकाल सहित
6.	2022_PWDRB_177128	धार	उपसंभाग मनावर अंतर्गत मुख्यालय, बाकानेर एवं गंधवानी कुक्षी के शासकीय गैर आवासीय भवनों में रंगाई पुताई, डिस्टेंपरिंग एवं पेंटिंग कार्य।	द्वितीय	14.10	06 माह वर्षाकाल सहित
				कुल	**320.26**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 21.01.2022 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावें।

कार्यपालन यंत्री
जी-21367/46471/2022 **लोक निर्माण विभाग (भ/प) संभाग धार**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, उज्जैन संभाग- उज्जैन

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक- 03) भोपाल- 462003 (म.प्र.)

नि.आं.सू. क्र-08/2021-22/694 भोपाल, दिनांक : 07.01.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-उज्जैन की ओर से विभिन्न जिलों में नवीन उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 एवं 02 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. (लाख में)
2022_DHS_177677	मंदसौर	मल्हारगढ़	27	339.05
2022_DHS_177678	उज्जैन	जरदा, बड़नगर एवं ताजपुर	12	102.14
2022_DHS_177679	देवास	सोनकच्छ एवं देवास	03	131.63
2022_DHS_177680	आगर मालवा	नलखेड़ा	06	263.25
2022_DHS_177681	आगर मालवा	नलखेड़ा एवं सुसनेर	06	263.25
2022_DHS_177682	आगर मालवा	कानड़	05	219.40
2022_DHS_177683	आगर मालवा	कानड़	05	219.40
2022_DHS_177684	उज्जैन	भटपचलाना	04	175.51
2022_DHS_177685	उज्जैन	भटपचलाना एवं झारडा	04	175.51
2022_DHS_177686	मंदसौर	मेलखेड़ा	02	87.75
2022_DHS_177687	शाजापुर एवं आगर मालवा	बेरछा, मोहन बडोदिया एवं नलखेड़ा	03	19.13
2022_DHS_177688	मंदसौर	मल्हारगढ़	01	44.81
2022_DHS_177689	मंदसौर	धुंधड़का	01	42.12
2022_DHS_177690	मंदसौर	नारायणगढ़	01	44.23
2022_DHS_177691	उज्जैन	उज्जैन	01	19.05
2022_DHS_177692	उज्जैन	उज्जैन	01	20.00

उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 11.01.2022 से दिनांक 25.01.2022 समय 17:30 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-21332/46470/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग- उज्जैन

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, पश्चिम परिक्षेत्र, इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर

E-mail ID :- cepwdwest@mp.nic.in, Phone No. 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 05/सा/40/निविदा/2021-22 इंदौर, दिनांक : 06.01.2022

"निविदा आमंत्रण सूचना"

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्रमांक	पोर्टल क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	अनुमा. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1.	2022_PWDRB_177389_1	खण्डवा	सांवलीखेड़ा-गारबैडी-लंगोटी मार्ग लंबाई 15.40 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य।	1433.72	1000000/-	30,000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय **दिनांक 08.02.2022, 17.30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं।

निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावें।

मुख्य अभियंता
जी-21369/46472/2022 लो.नि.वि. पश्चिम परिक्षेत्र, इंदौर

कोविड के खिलाफ युद्ध जनता के सहयोग से ही जीतेंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में सभी वर्गों के सहयोग से वैक्सीनेशन का अच्छा कार्य हुआ है, जिससे कोरोना की तीसरी लहर से मुकाबला करने में हम सफल होंगे। कोविड के खिलाफ युद्ध जनता के सहयोग से ही जीतेंगे। कोरोना से सुरक्षा के लिए वैक्सीनेशन सबसे कारगर उपाय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहले निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करा कर नागरिकों को कोरोना से सुरक्षा दिलाई। अब 15 से 18 आयु वर्ग के किशोरों के साथ फ्रंटलाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक भाई-बहनों को भी कोरोना से सुरक्षा दी जा रही है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित प्रोफेसर कॉलोनी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 60 वर्ष से अधिक के नागरिकों और फ्रंटलाइन वर्कर के लिये शुरू हुए प्रिकॉशन डोज अभियान का शुभांरभ करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग से सरकार ने वैक्सीनेशन महाअभियान चलाकर अच्छी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में अभी तक 96.16 प्रतिशत नागरिकों को वैक्सीन की प्रथम डोज और 94 प्रतिशत नागरिकों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। बच्चों का वैक्सीनेशन भी 40.38 प्रतिशत किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजीवन पर प्रभाव डाले बिना और आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रखकर हमे कोरोना से लड़ाई लड़ना होगी। इसके लिए जरूरी है कि नागरिक सावधानी बतौर मास्क लगाएं, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। उन्होंने कहा कि बच्चों में भी टीकाकरण के प्रति उत्साह है और एक सप्ताह में ही 46 प्रतिशत से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। इस लक्ष्य को आगामी 15 जनवरी तक प्राप्त करने की कोशिश जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रतिदिन कोरोना की समीक्षा से ही दिन की शुरुआत करते है। अभी कोरोना के जो प्रकरण आ रहे हैं, उनकी भयावहता बहुत ज्यादा नहीं है। संक्रमित व्यक्ति घर पर ही ठीक हो रहे हैं, जिससे अस्पतालों में बिस्तर भी खाली हैं और ऑक्सीजन की भी जरूरत नहीं पड़ रही है।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय तुलसी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.)

क्र./29/स्था./2022 अनूपपुर, दिनांक : 07.01.2022

संशोधित विज्ञप्ति

अंतिम तिथि : 21.01.2022

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक 1589/608/2015/38-1 भोपाल, दिनांक 25.08.2021 के परिपालन में मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स के पदों की पूर्ति हेतु नवीन निर्देश जारी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालयों के अग्रणी प्राचार्यों द्वारा नियमानुसार आउटसोर्स पर कर्मचारी रखे जाने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। अनूपपुर, जिले के शासकीय महाविद्यालयों में आउटसोर्स पद पूर्ति के लिए शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एवं पात्र आउटसोर्स एजेंसी से सीलबंद लिफाफे में कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं। एक छोटे लिफाफे में कमीशन की दर एवं धरोहर राशि की एफ.डी.आर. रखे एवं इस लिफाफे को अन्य सहपत्रों को बड़े लिफाफे के साथ GST Reg. 25, स्थापना का पंजीयन प्रमाण-पत्र, आपकी एजेंसी द्वारा राज्य बीमा निगम की उचित धारा के अंतर्गत कर्मचारियों का पंजीयन का प्रमाण-पत्र, पुलिस विभाग का प्रमाण-पत्र, आपकी एजेंसी द्वारा नियुक्त कर्मचारी किस संस्थाओं में कार्यरत हैं, उसकी सूची आदि लगाएं। कोटेशन के साथ धरोहर राशि का प्राचार्य, **शासकीय महाविद्यालय अनूपपुर** के नाम पर संलग्न करना आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2021-22 का टर्न ओवर दर्शाती चार्टर्ड अकाउंटेंट की अंकेक्षण रिपोर्ट भी संलग्न करें। कोटेशन इस विज्ञापन के प्रथम प्रकाशन के **21 दिवस के अंदर** शासकीय महाविद्यालय अनूपपुर, जिला अनूपपुर (म.प्र.) में पंजीकृत डाक से या स्वयं कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर दिनांक 07.01.2022 तक प्रस्तुत करें। कोटेशन नियत दिनांक के आगामी कार्य दिवस में क्रय समिति द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में खोले जाएंगे, जिसमें कोटेशन देने वाले या उसका प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है, जिसकी पृथक से सूचना नहीं दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट **www.highereducation.mp.gov.in** में नवीन निर्देश/विज्ञप्ति ऑप्शन में विस्तृत विवरण देखें।

क्र.	महाविद्यालय का नाम	सहा. वर्ग-2	सहा. वर्ग-3	प्रयो. तक.	योग
1.	शासकीय महाविद्यालय अनूपपुर	-	-	03	03
2.	शासकीय महाविद्यालय जैतहरी	01	01	06	08
3.	शासकीय महाविद्यालय बिजुरी	01	01	04	06
4.	शासकीय महाविद्यालय राजनगर	-	01	-	01
5.	शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर	-	01	01	02
6.	शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़	-	-	04	04
7.	शासकीय कन्या महाविद्यालय अनूपपुर	-	01	01	02
	योग :-	**02**	**05**	**19**	**26**

ब. आउटसोर्स के पद - चतुर्थ श्रेणी

क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्रयो. परि.	बुक लिफ्टर	भृत्य	स्वीपर	चौकीदार	योग
1.	शासकीय महाविद्यालय अनूपपुर	03	-	-	-	-	03
2.	शासकीय महाविद्यालय जैतहरी	06	01	01	01	01	10
3.	शासकीय महाविद्यालय बिजुरी	04	01	01	01	01	08
4.	शासकीय महाविद्यालय राजनगर	-	01	01	01	01	04
5.	शासकीय महाविद्यालय वेंकटनगर	01	01	01	01	03	07
6.	शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़	01	-	-	-	-	01
7.	शासकीय कन्या महाविद्यालय अनूपपुर	01	01	01	01	03	07
	योग :-	**16**	**05**	**05**	**05**	**09**	**40**

उपरोक्तानुसार आउटसोर्स के अराजपत्रित 66 पदों (अ+ब+स) का श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है -

तृतीय श्रेणी	चतुर्थ श्रेणी	कुल पद
26	40	66

प्राचार्य, अग्रणी
जी-21330/46469/2022 शास. तुलसी महा. अनूपपुर, जिला अनूपपुर (म.प्र.)

जिलों के विशेष उत्पादों को लोकप्रिय बनाएंगे डाक विभाग के विशेष आवरण - मुख्यमंत्री

बेटियों को डाक बचत योजनाओं से जोड़ना उनके सशक्तिकरण का कदम

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'एक जिला एक उत्पाद' योजना एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेकर प्रारंभ की गई योजना है। इसे प्रचारित करने और ग्रामीणों को रोज़गार देने के अभियान को गति देने में डाक विभाग भी महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में सामने आया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश डाक परिमंडल द्वारा तैयार किये गये 6 विशेष आवरण जारी किए और डाक परिमंडल के प्रयासों की सराहना करते हुये कहीं।

मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के विशेष उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किए गए। इन विशेष आवरण में सीहोर जिले के बुधनी के प्रख्यात लकड़ी के खिलौने, बैतूल जिले की सागौन लकड़ी के उत्पाद, हरदा के बांस, कटनी के स्टोन, सीधी के कालीन और सिवनी के जीरा शंकर चावल के उत्पाद पर केंद्रित आवरण शामिल हैं।

श्री चौहान ने कहा कि कोरोनाकाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया। इसके परिपालन में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए रोडमैप तैयार किया गया। विभिन्न जिलों के लोकप्रिय उत्पादों को चिन्हित करते हुए 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना को गति दी गई, जो हजारों नागरिकों को रोज़गार देने में सक्षम है। इसी तरह भोपाल की जरदोजी कला भी लोकप्रिय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो आवरण जारी हुए हैं, उनसे जन-जन तक स्थानीय उत्पादों की बात पहुँचेगी। ये उत्पाद चर्चा के विषय बनेंगे, इनकी बेहतर मार्केटिंग और निर्यात का कार्य हो सकेगा। प्रदेश के अन्य जिलों के उत्पादों पर भी इस तरह के विशेष आवरण जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि डाक विभाग ने जनजातीय नायकों पर केंद्रित विशेष आवरण जारी कर महत्वपूर्ण कार्य किया है। डाक विभाग का इतिहास डेढ़ सौ वर्ष पुराना है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर ऐसे जननायकों का स्मरण आवश्यक है, जिन्होंने हमें जिन्दगी देने का कार्य किया, चाहे वे जननायक टंट्या मामा हो, श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी या श्री हरिविष्णु कामथ हों इन सभी ने स्वतंत्रता दिलाने के जतन किए।

बचत योजनाओं का संचालन सराहनीय

मुख्यमंत्री ने डाक विभाग द्वारा बचत योजनाओं से कन्याओं को जोड़ने के अभियान की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बेटी है तो कल है। हमारी बेटियों को बचत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह बालिका और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश डाक परिमंडल ने वर्ष 2021 में अप्रैल से दिसम्बर माह के बीच सुकन्या समृद्धि अभियान में 5 लाख 68 हजार सुकन्याओं के खाते खुलवाए हैं, इसके लिए मैं परिमंडल को बधाई देता हूं। मध्यप्रदेश इस योजना के क्रियान्वयन में प्रथम है। प्रदेश में योजना में कुल 20 लाख 50 हजार खाते मध्यप्रदेश डाक मंडल में प्रारंभ किए गए हैं। बचत और बीमा योजनाओं के संबंध में जन-जागरूकता बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को पूरा करने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना उपयोगी सिद्ध हो रही है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान और तर्कशक्ति

1. भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' किस उपनिषद् से उद्धृत है?
(अ) मुण्डकोपनिषद् (ब) कठोपनिषद्
(स) प्रश्नोपनिषद् (द) छान्दोग्योपनिषद्
उत्तर- (अ) मुण्डकोपनिषद्

2. स्त्री महामात्रों की नियुक्ति का वर्णन अशोक के किस शिलालेख में किया गया है?
(अ) 10वें (ब) 9वें
(स) 12वें (द) 11वें
उत्तर- (स) 12वें

3. रेशम बुनकरों द्वारा सूर्य मंदिर निर्माण का उल्लेख किस अभिलेख में मिलता है?
(अ) मंदसौर अभिलेख
(ब) हाथीगुम्फा अभिलेख
(स) नासिक अभिलेख
(द) प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख
उत्तर- (अ) मंदसौर अभिलेख

4. किरातार्जुनीयम् के लेखक कौन हैं?
(अ) पाणिनी (ब) भारवि
(स) भास (द) हरिषेण
उत्तर- (ब) भारवि

5. कौनसा प्रोटीन रुधिर का थक्का जमाने में सहायता करता है?
(अ) फाइब्रिनोजन (ब) ग्लूटेलिंस
(स) ग्लोब्युलिन (द) ग्लोबिन
उत्तर- (अ) फाइब्रिनोजन

6. सीलेन्ट्रेटा नामक जीव का उत्सर्जन अंग कौन सा है?
(अ) फ्लेम कोशिकाएं
(ब) मैल्पीधी कोशिकाएं
(स) शरीर की त्वचा व मुख
(द) हरी ग्रंथियां
उत्तर- (स) शरीर की त्वचा व मुख

7. बोमेन सम्पुट मानव शरीर के किस अंग का भाग है?
(अ) नेफ्रॉन का (ब) वृक्क का
(स) लीवर का (द) अग्नाशय का
उत्तर- (ब) वृक्क का

8. LPG को दुर्गन्ध युक्त बनाने के लिए कौनसा पदार्थ मिलाया जाता है?
(अ) मिथाइल हाइड्रोजन (ब) एल्कोहल
(स) एथिल मरकैप्टन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) एथिल मरकैप्टन

9. वाहनों में पश्च दृश्य के लिये कौनसा दर्पण प्रयोग किया जाता है?
(अ) अवतल दर्पण (ब) गोलकार दर्पण
(स) उत्तल दर्पण (द) वेलनाकार दर्पण
उत्तर- (स) उत्तल दर्पण

10. निम्नलिखित में से कौनसा विटामिन रुधिर शिराओं को मजबूत बनाने में अहम है?
(अ) विटामिन - A (ब) विटामिन - D
(स) विटामिन - E (द) विटामिन - C
उत्तर- (द) विटामिन - C

11. किसी तत्व की परमाणु संख्या उस तत्व के नाभिक में स्थित ..... के बराबर होती है?
(अ) न्यूट्रॉन के (ब) प्रोट्रॉन के
(स) न्यूट्रॉन + प्रोटॉन (द) इलेक्ट्रॉन
उत्तर- (ब) प्रोट्रॉन के

12. किस समिति की सिफारिश पर मतदाता की आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई थी?
(अ) राजमन्नार समिति
(ब) बासवान समिति
(स) अशोक मेहता समिति
(द) तारकुंडे समिति
उत्तर- (द) तारकुंडे समिति

13. राज्यसभा सदस्य हेतु न्यूनतम आयु कितने वर्ष निर्धारित की गई है?
(अ) 30 वर्ष (ब) 35 वर्ष
(स) 25 वर्ष (द) 21 वर्ष
उत्तर- (अ) 30 वर्ष

14. 'कुरूवा' नामक कृषि किस राज्य से संबंधित है?
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) झारखंड
(स) ओडिशा (द) मणिपुर
उत्तर- (ब) झारखंड

15. 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' में कौन सम्मिलित नहीं है?
(अ) इथोपिया (ब) सोमालिया
(स) युगांडा (द) जिबूती
उत्तर- (स) युगांडा

16. 'करीबा बांध' किस नदी पर बनाया गया है?
(अ) अमेजन नदी (ब) नील नदी
(स) मिसिसीपी मिसोरी (द) जैम्बेजी नदी
उत्तर- (द) जैम्बेजी नदी

17. क्योटो प्रोटोकॉल किस विषय से संबंधित था?
(अ) जैव विविधता रक्षा
(ब) ग्लोबल वार्मिंग
(स) अनुवांशिक संसाधनों की पहुंच व लाभ
(द) अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण चेतना
उत्तर- (ब) ग्लोबल वार्मिंग

18. अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है?
(अ) 31 दिसम्बर (ब) 22 जनवरी
(स) 5 जून (द) 10 दिसम्बर
उत्तर- (द) 10 दिसम्बर

19. इंडिया डिवाइडेड नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(अ) हरिश्चन्द्र मुखर्जी
(ब) लाला हरदयाल
(स) राजेन्द्र प्रसाद
(द) सी.आर. दास
उत्तर- (स) राजेन्द्र प्रसाद

20. 24वीं समानांतर रेखा किन दो देशों के मध्य है?
(अ) पाकिस्तान व श्रीलंका
(ब) पाकिस्तान व अफगानिस्तान
(स) भारत व चीन
(द) भारत व पाकिस्तान
उत्तर- (द) भारत व पाकिस्तान

21. पिन वैली नेशनल पार्क कहां स्थित है?
(अ) उत्तराखंड (ब) अंडमान
(स) लद्दाख (द) हिमाचल प्रदेश
उत्तर- (द) हिमाचल प्रदेश

22. भारतीय संविधान सभा जब बतौर विधायिका कार्य करती थी तब इसकी अध्यक्षता कौन करता था?
(अ) बी.आर. अम्बेडकर
(ब) राजेन्द्र प्रसाद
(स) जी.वी. मावलंकर
(द) बी.एन. राव
उत्तर- (स) जी.वी. मावलंकर

23. कृषि लागत व मूल्य आयोग (CACP) की स्थापना कब हुई थी?
(अ) 1966 (ब) 1965
(स) 1970 (द) 1975
उत्तर- (ब) 1965

24. FSH हार्मोन मानव शरीर की कौनसी ग्रंथि से स्त्रावित होता है?
(अ) थाइमस ग्रंथि (ब) थायराइड ग्रंथि
(स) पिट्यूटरी ग्रंथि (द) अग्नाशय
उत्तर- (स) पिट्यूटरी ग्रंथि

25. किसी तत्व की रासायनिक प्रकृति निर्भर करती है?
(अ) आवेश पर (ब) इलेक्ट्रॉन पर
(स) प्रोटोन पर (द) संयोजी इलेक्ट्रॉन
उत्तर- (द) संयोजी इलेक्ट्रॉन

26. गामा किरणें क्या होती हैं?
(अ) बाहरी अंतरिक्ष से आने वाले आवेशित कण
(ब) बाहरी अंतरिक्ष से आने वाली अनावेशित उच्च ऊर्जायुक्त कण
(स) रेडियो एक्टिव पदार्थ द्वारा उत्सर्जित उच्च ऊर्जायुक्त किरणें
(द) रेडियो एक्टिव पदार्थ द्वारा उत्सर्जित अनावेशित कण
उत्तर- (स) रेडियो एक्टिव पदार्थ द्वारा उत्सर्जित उच्च ऊर्जायुक्त किरणें

27. फ्यूज तार का उपयोग किस लिए किया जाता है?
(अ) हानि पहुंचाए बिना उच्च विद्युत धारा प्रवाहित करना
(ब) अत्याधिक धारा प्रवाह के समय विद्युत परिपथ को तोड़ने में
(स) किसी व्यक्ति को विद्युत झटके से बचाने में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) अत्याधिक धारा प्रवाह के समय विद्युत परिपथ को तोड़ने में

28. किस राज्य ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी) मॉडल के तहत राज्य में स्थापित होने वाले देश के पहले इथेनॉल संयंत्र के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं?
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) मध्यप्रदेश
(स) बिहार (द) झारखंड
उत्तर- (अ) छत्तीसगढ़

29. 'ताऊ बूट्स' क्या है, जिसे हाल ही में खबरों में देखा गया है?
(अ) बौना ग्रह (ब) आकाश गंगा
(स) छोटा तारा (द) स्टार सिस्टम
उत्तर- (द) स्टार सिस्टम

30. केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने चेन्नई बंदरगाह पर कौनसे नए तटीय अनुसंधान वाहन राष्ट्र को समर्पित किये थे?
(अ) सागर अन्वेषिका (ब) सागर निशा
(स) सागर आर्यन (द) सागर अम्विका
उत्तर- (अ) सागर अन्वेषिका

31. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान कॉलेज छात्रों द्वारा विकसित उपग्रह लॉन्च करेगा, इस उपग्रह का नाम क्या है?
(अ) रुद्र सैट (ब) श्रीशक्ति सैट
(स) सूर्य सैट (द) चन्द्र सैट
उत्तर- (ब) श्रीशक्ति सैट

32. केरल के किस चर्च को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया है?
(अ) सांता क्रूज बेसिलिका
(ब) सेंट फ्रांसिस चर्च
(स) सेंट जॉर्ज ऑर्थोडॉक्स चर्च
(द) सेंट अल्फोंसा चर्च
उत्तर- (स) सेंट जॉर्ज ऑर्थोडॉक्स चर्च

33. सुहास कुलकर्णी, जिनका हाल ही में निधन हो गया किस खेल से संबंधित थे?
(अ) बैडमिंटन (ब) टेबल टेनिस
(स) हॉकी (द) क्रिकेट
उत्तर- (ब) टेबल टेनिस

34. निम्नलिखित में से किसने भारत से UNDP इक्केटर प्राइस 2021 जीता है?
(अ) रिलायंस फाउंडेशन (ब) गूंज
(स) हेल्पएज इंडिया (द) स्नेहकुंज ट्रस्ट
उत्तर- (द) स्नेहकुंज ट्रस्ट

35. $96 \div [25 - \{33 - (25 - 176 \div \overline{4 \times 4})\}] = ?$
(अ) 16 (ब) 20
(स) 24 (द) 6
उत्तर- (अ) 16
हल- $96 \div [25 - \{33 - (25 - 176 \div \overline{4 \times 4})\}]$
$96 \div [25 - \{33 - (25 - 176 \div 16)\}]$
$96 \div (25 - \{33 - (14)\}] \Rightarrow 96 \div (25 - (19)$
$96 \div 6 \Rightarrow 16$

36. MANAGER शब्द के अक्षरों को कितने प्रकार से ऐसे व्यवस्थित किया जाए कि शब्द में GER हमेशा साथ आए?
(अ) 480 (ब) 240
(स) 360 (द) 120
उत्तर- (स) 360
हल- $\underbrace{MANAGER} \Rightarrow \frac{5! \times 3!}{2!} = \frac{120 \times 6}{2} = 360$

37. 3 अंकों की कुल कितनी संख्या 7 से विभाजित होती हैं?
(अ) 130 (ब) 128
(स) 132 (द) 140
उत्तर- (ब) 128
हल- 100 सबसे छोटी संख्या
-999 तीन अंक की सबसे बड़ी संख्या
$899 \Rightarrow \frac{899}{7} = 128$

38. दिए गए विकल्पों में से उस शब्द का चयन करें जो दिए गए शब्द के समान है और इसलिए उसी समूह से संबंधित है?
ककड़ी, कद्दू, गाजर
(अ) आम (ब) सेब
(स) चेरी (द) आलू
उत्तर- (द) आलू

39. $6 \div [1 + 1 \div \{1 + 1 \div (2 \div 3 + 1 \div 3)\}]$?
(अ) 10 (ब) 4
(स) 6 (द) 9
उत्तर- (ब) 4
हल- $6 \div [1 + 1 \div (\frac{2}{3} + \frac{1}{3})\}]$
$6 \div (1 + \frac{1}{2})$
$6 \div \frac{3}{2} = 4$

40. यदि किसी कोड भाषा में SHOULDER को VPITQDCK लिखा जाता है तो PEACOCKS को क्या लिखा जाएगा?
(अ) SKCOAEP (ब) COCKSPEA
(स) DBFQRJBN (द) कोई नहीं
उत्तर- (स) DBFQRJBN
हल- SHOULDER ⇒ VPITQDCK
PEACOCKS ⇒ DBFQRJBN

41. किसी भाषा में यदि
Always Creat new ideas को ba Ri Sh gi लिखा जाए
ideas and new thoughts को fa gi ma Ri
Create thoughts and insight को Ma To ba fa
new and baller solutions को Ki Ri to fa लिखा गया है तो NEW के लिए क्या कोड है?
(अ) Ki (ब) Ri
(स) To (द) Fa
उत्तर- (ब) Ri

42. सीमा ने सुन्दर से कहा "कल मन्दिर में जो लड़की मिली थी वह मेरे दोस्त की माँ के ब्रदर-इन-लॉ की सबसे छोटी पुत्री थी"। सीमा के दोस्त से उस लड़की का क्या सम्बंध है?
(अ) पुत्री (ब) कजिन
(स) नीस (द) आंट
उत्तर- (ब) कजिन
हल-
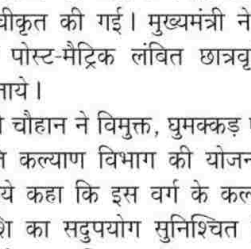

43. दिए गए विकल्पों में से लुप्त संख्या का चयन करें?

7	**9**	**125**
3	**15**	**89**
10	**6**	**?**

(अ) 59 (ब) 108
(स) 126 (द) 119
उत्तर- (द) 119
हल- $R_1 \Rightarrow (7 \times 9) \times 2 - 1 = 125$
$R_2 \Rightarrow (3 \times 15) \times 2 - 1 = 89$
$R_3 \Rightarrow (10 \times 6) \times 2 - 1 = 119$

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं।)

शिक्षा के साथ रोज़गार भी जरूरी - मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बेहतरी के लिये सतत् रूप से काम कर रही है। इसके लिये कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनके सुपरिणाम भी देखने में आ रहे हैं। शिक्षा को रोज़गारमूलक बनाने की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। साथ ही रोज़गारमूलक प्रशिक्षण की पहल की गई है। रोज़गार-मूलक प्रशिक्षण के लिये केंद्र सरकार से बड़ी राशि लाने की पहल की जायेगी। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान दिये।

बैठक में बताया गया कि पिछड़ा वर्ग प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में वर्ष 2020-21 में 8 लाख 39 हजार विद्यार्थियों को 515 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति स्वीकृत कर वितरित की गई है। अल्पसंख्यक प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 में कुल एक लाख 35 हजार 807 विद्यार्थियों को 50 करोड़ 32 लाख की छात्रवृत्ति स्वीकृति की गई। अल्पसंख्यक मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना के तहत भारत सरकार ने वर्ष 2020-21 के दौरान 2 हजार 204 अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत किये गये और 6 करोड़ 31 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाये।

श्री चौहान ने विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुये कहा कि इस वर्ग के कल्याण के लिये दी गई राशि का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाये। श्री चौहान ने कहा कि आवश्यकतानुसार केंद्र से उक्त वर्ग के लिये पर्याप्त राशि प्राप्त की जा सकती है। श्री चौहान ने लोहापीटा तथा इस तरह के अन्य वर्गों के कौशल को उन्नत करने के लिये बढ़ावा दिया जाये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जनजातीय दिवस पर की गई घोषणाओं को शीघ्र अमल में लाया जाये।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

(1) मध्यप्रदेश के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-

1. भौगोलिक दृष्टि से मध्यप्रदेश देश का दूसरा बड़ा राज्य है।
2. मध्यप्रदेश के पूर्वी तथा पश्चिमी भाग में लगभग 28 मिनट का अंतर है।
3. मध्यप्रदेश देश का 9.38 प्रतिशत भाग अपने पास रखता है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य है?

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर - विकल्प C सही है।

व्याख्या - कथन गलत है, क्योंकि मध्यप्रदेश की पूरव से पश्चिम लंबाई 870 किलोमीटर है और इसके पूर्वी तथा पश्चिमी भाग में लगभग 34 मिनट का अंतर रहता है।

(2) मध्यप्रदेश के गठन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-

1. अकोला, अमरावती सहित आठ जिलों को तत्कालीन मुंबई राज्य में सम्मिलित कर दिया गया।
2. मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील को तत्कालीन राजस्थान को दे दिया गया।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य नहीं है।

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1, और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2।

उत्तर- विकल्प B सही है।

व्याख्या - कथन गलत है क्योंकि 1956 में मध्यप्रदेश का पुनर्गठन किया गया जिसके तहत मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के सुनील टप्पा को राजस्थान के कोटा में मिलाया गया था, ना कि पूरी तहसील को।

(3) मध्यप्रदेश का 52वां जिला निवाड़ी कब बनाया गया?

A. 15 अगस्त, 2018
B. 26 जनवरी, 2018
C. 1 अक्टूबर, 2018
D. 1 नवंबर, 2018

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्या :- मध्यप्रदेश का 52वां जिला निवाड़ी को टीकमगढ़ से अलग कर 1 अक्टूबर 2018 को नया जिला बनाया गया।

(4) भू वैज्ञानिक दृष्टि से मध्यप्रदेश किसका भाग है?

A. विंध्यन शैल का
B. दक्कन ट्रैप का
C. गोंडवानालैंड का
D. इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्या:- भारत के केंद्र में स्थित मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल कहलाता है। भू वैज्ञानिक दृष्टि से यह भारत का प्राचीनतम भाग है। यह भूखंड किसी उस रचना का हिस्सा था, जिसे गोंडवाना महाद्वीप कहा गया है।

(5) वन स्थिति रिपोर्ट 2019 के अनुसार मध्यप्रदेश का वन क्षेत्र कितना है?

A. 77,522 वर्ग कि.मी.
B. 77,700 वर्ग कि.मी.
C. 77,800 वर्ग कि.मी.
D. 77,482 वर्ग कि.मी.

उत्तर- विकल्प D सही है।

व्याख्या :- वन स्थिति रिपोर्ट 2019 के अनुसार मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक वनाच्छादित राज्य है जिसका वन क्षेत्र 77,482 वर्ग किलोमीटर है। अरुणाचल प्रदेश 66,688 वर्ग किलोमीटर के साथ दूसरे पायदान पर है।

(6) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-

1. मध्यप्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्र में सागौन वृक्ष पाया जाता है। जो कुल वन क्षेत्रफल के 20 प्रतिशत भाग में पाए जाते हैं।
2. सागौन वृक्ष का वानस्पतिक नाम 'शोरिया रॉबस्टा' है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है?

A. केवल 1 B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2।

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्या -

- मध्यप्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्र में सागौन वृक्ष पाया जाता है। जो कुल वन क्षेत्रफल के 17.8 प्रतिशत भाग में पाए जाते हैं। अतः कथन 1 गलत है।
- सागौन वृक्ष का वानस्पतिक नाम 'टैक्टोना ग्रंडिश' हैं। अतः कथन 2 गलत है।

(7) जैव विविधता प्रशिक्षण केंद्र मध्यप्रदेश में कहां स्थित है?

A. जबलपुर B. भोपाल
C. उमरिया D. शहडोल

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्या-

- जैव विविधता प्रशिक्षण केंद्र मध्यप्रदेश के उमरिया जिले की ताला नामक स्थान में स्थित है।
- मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड की स्थापना 2005 में की गई थी।

(8) ऊष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन के संबंध में सत्य कथन है?

1. ये वन 100 से 150 से.मी. वर्षा के क्षेत्र में पाए जाते हैं।
2. ये वनों में सागौन, शीशम, नीम, पीपल पाए जाते हैं।
3. यह वन होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा, सागर आदि क्षेत्र में पाए जाते हैं।

कूटः-

A. 1 और 2 B. 2 और 3
C. 1 और 3 D. उपरोक्त सभी।

उत्तर - विकल्प B सही है।

(9) भारतीय वन प्रबंधन संस्थान मध्यप्रदेश में कहां स्थित है?

A. जबलपुर B. भोपाल
C. बालाघाट D. इंदौर

उत्तर- विकल्प B सही है।

व्याख्या - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित है।

(10) राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः-

1. राष्ट्रीय उद्यान में मानवीय क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं।
2. यह पशु चराई पर पूर्ण प्रतिबंध होता है।
3. यह सामान्यता आरक्षित वनों में बनाए जाते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य है?

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर - विकल्प D सही है।

व्याख्याः- राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं।

(11) बाघ रिपोर्ट 2018 के अनुसार बाघों की संख्या में निम्नलिखित को क्रमानुसार कीजिए :-

1. कर्नाटक
2. मध्यप्रदेश
3. उत्तराखंड

कूटः-

A. 1, 2, 3
B. 2, 1, 3
C. 3, 2, 1
D. 2, 3, 1

उत्तर- विकल्प B सही है।

व्याख्या - बाघ रिपोर्ट 2018 के अनुसार बाघों की संख्या

1. मध्यप्रदेश (526) सर्वाधिक (टाइगर स्टेट)
2. कर्नाटक (524)
3. उत्तराखंड (442)

(12) खरमोर पक्षी का संरक्षण निम्नलिखित अभ्यारण में किया जाता है?

1. घाटीगांव (ग्वालियर)
2. सैलाना (रतलाम)
3. सरदारपुर (धार)

कूटः-

A. 1 और 2 B. 2 और 3
C. 1 और 3 D. उपरोक्त सभी।

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या -

- खरमोर पक्षी का संरक्षण सैलाना (रतलाम) और सरदारपुर (धार) अभ्यारण में किया जाता है।
- घाटीगांव (ग्वालियर) अभ्यारण में सोन चिरैया का संरक्षण किया जाता है।

(13) मध्यप्रदेश की पहली टाइगर सफारी मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थापित की गई?

A. रीवा B. सतना
C. पन्ना D. मंडला

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या - सतना जिले के मुकुंदपुर में विश्व की पहली टाइगर सफारी का औपचारिक लोकार्पण किया गया। जिसका नामकरण महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव के नाम पर रखा गया।

(14) मध्यप्रदेश के निम्नलिखित क्षेत्रों को जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्रदान की गई?

1. पातालकोट
2. नरो हिल्स
3. कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान

कूटः-

A. 1 और 2 B. 2 और 3
C. 1 और 3 D. उपरोक्त सभी।

उत्तर- विकल्प A सही है।

व्याख्याः- राज्य शासन ने छिंदवाड़ा का पातालकोट और सतना की नरो हिल्स जैव विविधता विरासत स्थल घोषित किया है। दोनों स्थानों पर पक्षी, कीट, पतंगों, वन्यजीवों और वनस्पतियों की विविध प्रजातियों का संरक्षण किया जाएगा।

(15) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में सही कथनों पर विचार कीजिए?

1. क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।
2. इसे 1955 में वन्य जीव अभ्यारण एवं 1973 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त हुआ है।
3. इसी उद्यान से मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट टाइगर (1974) कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

कूटः-

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्याः-

- कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है अतः कथन एक सत्य है।
- इसे 1933 में वन्य जीव अभ्यारण एवं 1955 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त हुआ है अतः कथन दो गलत है।
- मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत (1974) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान से की गई। अतः कथन 3 सत्य है।

(16) निम्न में से कौन-कौन सा जलप्रपात नर्मदा नदी बनाती है?

A. कपिलधारा
B. मंदार
C. धुंआधार तथा सहस्त्रधारा
D. उपरोक्त सभी

उत्तर- विकल्प D सही है।

व्याख्या - नर्मदा नदी अपने उद्गम से कुछ दूरी पर कपिलधारा जलप्रपात, जबलपुर के निकट धुआंधार जलप्रपात, महेश्वर के पास सहस्त्रधारा जलप्रपात तथा हंडिया से बड़वाह के करीब मंदार जलप्रपातों का निर्माण करती है।

(17) मध्यप्रदेश की निम्नलिखित नदियों को सर्वाधिक लंबाई के अनुसार क्रमबद्ध कीजिए?

1. सोन 2. बेतवा
3. चंबल 4. ताप्ती

कूटः-

A. 2, 1, 3, 4 B. 2, 3, 1, 4
C. 3, 1, 4, 2 D. 3, 4, 1, 2

उत्तर- विकल्प C सही है।

व्याख्याः- उपरोक्त नदियां का क्रम इस प्रकार है

1. चंबल नदी (965 किलोमीटर)
2. सोन नदी (780 किलोमीटर)
3. ताप्ती नदी(724 किलोमीटर)
4. बेतवा नदी(480 किलोमीटर)

(18) निम्नलिखित नदियों के उद्गम स्थल में से सुमेलित नहीं हैं?

A. नर्मदा - मैकल श्रेणी
B. ताप्ती - मुलताई
C. चंबल - जानापाव पहाड़ी
D. सोन - काकरी वर्डी

उत्तर- विकल्प D सही है।

व्याख्या -

- सोन नदी का उद्गम अमरकंटक मैकल श्रेणी अनूपपुर जिले से होता है।

(19) मध्यप्रदेश की नदियों के संबंध में निम्नलिखित कथन सत्य है-

1. प्राणहिता नदी वर्धा व वैनगंगा का संगम है।
2. बुंदेलखंड की गंगा केन नदी को कहा जाता है
3. आदिवासियों की गंगा माही नदी को कहा जाता है।

कूटः-

A. 1 और 2
B. 2 और 3
C. 1 और 3
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर - विकल्प C सही है।

व्याख्या - बुंदेलखंड की गंगा बेतवा नदी को कहा जाता है इसलिए कथन दो गलत है।

(20) रजत जलप्रपात मध्यप्रदेश के किस स्थान में है?

A. सागर B. जबलपुर
C. रीवा D. पचमढ़ी

उत्तर- विकल्प D सही है।

व्याख्या - रजत जलप्रपात मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के पर्यटन स्थल पचमढ़ी में स्थित है।

(21) सौसर, सकोली व चिल्पी श्रेणियां किस चट्टानी क्रम से संबंधित हैं?

A. अर्कियान B. धारवाड़
C. कुड़प्पा D. विंध्यन

उत्तर - विकल्प B सही है।

व्याख्या - धारवाड़ क्रम की चट्टानें प्रदेश के बालाघाट एवं छिंदवाड़ा जिले में विस्तृत हैं जिसमें सौसर सकोली व चिल्पी श्रेणियां स्थित है।

(22) अरावली एवं विंध्य श्रृंखलाओं के मध्य कौन-सा पठार स्थित है?

A. मालवा का पठार
B. छोटा नागपुर पठार
C. दक्कन का पठार
D. प्रायद्वीपीय पठार

उत्तर- विकल्प A सही है।

व्याख्या - अरावली एवं विंध्य पहाड़ी श्रृंखला में मुख्यता क्रमशः राजस्थान तथा मध्यप्रदेश में फैली हुई है। इन दोनों पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य मध्यप्रदेश के मालवा का पठार स्थित है।

(23) मालवा के पठार की चोटियों को ऊंचाई के अनुसार क्रमानुसार कीजिए?

1. जानापाव
2. सिगार
3. धजारी

कूटः-

A. 1, 2, 3 B. 3, 1, 2
C. 2, 1, 3 D. 2, 3, 1

उत्तर - विकल्प C सही है।

व्याख्या - मालवा के पठार की चोटियों को ऊंचाई के अनुसार क्रम इस प्रकार हैः-

1. सिगार (881 M)
2. जानापाव (854 M)
3. धजारी (810 M)

(24) निम्नलिखित में से किस पठार का निर्माण ज्वालामुखी उद्गार से निकले लावा से हुआ है?

A. मालवा का पठार
B. बुंदेलखंड का पठार
C. रीवा पन्ना का पठार
D. बघेलखंड का पठार

उत्तर- विकल्प A सही है।

व्याख्या - मालवा पठार का निर्माण ज्वालामुखी उद्गार से निकले लावा से हुआ है।

(25) मध्यप्रदेश के किस भौगोलिक प्रदेश को कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है?

A. बघेलखंड का पठार
B. रीवा पन्ना का पठार
C. बुंदेलखंड का पठार
D. नर्मदा सोन घाटी

उत्तर- विकल्प D सही है।

व्याख्या - नर्मदा घाटी क्षेत्र को कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। यह मध्यप्रदेश का सबसे निचला प्राकृतिक विभाग है।

(26) मध्यप्रदेश में शीत ऋतु को किस नाम से जाना जाता है?

A. यूनाला
B. सियाला
C. चौमासा
D. इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- विकल्प B सही है।

व्याख्या - मध्यप्रदेश में ऋतुओं के अन्य नाम इस प्रकार हैं :-

1. शीत ऋतु - सियाला
2. ग्रीष्म ऋतु -यूनाला
3. वर्षा ऋतु- चौमासा

- श्री बसंत (के. एल.) जाटव
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखते हैं)

देश और प्रदेश के बोलते पत्थर

हैदराबाद में खुला देश का पहला ओपन रॉक म्यूजियम

● दुनिया में प्रसिद्ध है चंडीगढ़ रॉक गार्डन।
● कटनी के सैंड स्टोन की है खास पहचान, जबलपुर की संगमरमरी चट्टान पर्यटकों को करती है आकर्षित।

'चट्टान को तोड़ो
वह सुंदर हो जाएगी
उसे और तोड़ो
वह और, और सुंदर होती जाएगी...'

जब हम पत्थर की किसी सुंदर मूर्ति, नक्काशी या वास्तुकला को देखते हैं तो केदारनाथ सिंह की ये पंक्तियां चरितार्थ होने लगती हैं। हमारे देश और प्रदेश में खूबसूरत चट्टान और पत्थरों की विशाल श्रृंखला मौजूद है। हाल ही में हैदराबाद में भारत के पहले ओपन रॉक म्यूजियम का उद्घाटन किया गया है। इस ओपन म्यूजियम में भारत के विभिन्न भागों की लगभग 35 अलग-अलग प्रकार की चट्टानों का प्रदर्शन किया गया है, इन चट्टानों का समय काल 3.3 बिलियन वर्ष से लेकर 55 मिलियन वर्ष पूर्व का है। यह चट्टानें धरती की सतह से लेकर 175 किलोमीटर तक की गहराई तक अलग-अलग स्तरों से ली गई हैं। इन चट्टानों को ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, झारखंड और जम्मू-कश्मीर समेत कई स्थानों से लाया गया है। इस संग्रहालय का लक्ष्य आम जनमानस को ऐतिहासिक चट्टानों के संबंध में शिक्षित करना है तथा इसके माध्यम से लोगों को चट्टानों से जुड़े ऐसे तथ्यों से अवगत कराना है, जिसके बारे में वे अनजान हैं।

चंडीगढ़ रॉक गार्डन

चंडीगढ़ का रॉक गार्डन दुनिया के सबसे ज्यादा प्रसिद्ध गार्डनों में से एक है। इसे नेक चंद रॉक गार्डन के नाम से भी जाना जाता है। पंजाब के रहने वाले स्व. नेक चंद इस गार्डन के संस्थापक थे, लोक निर्माण विभाग में 1951 में सड़क निरीक्षक के तौर पर काम करते हुए उन्होंने प्रसिद्ध सुखना झील के निकट जंगल के एक छोटे से हिस्से को साफ करके औद्योगिक और शहरी कचरे की मदद से वहां एक बगीचा सजाकर लोगों को एक अनूठी दुनिया से रू-ब-रू कराया था। उन्होंने वर्ष 1957 में अपने खाली समय में चुपचाप इस गार्डन को बनाना प्रारंभ किया था। करीब 18 साल के अथक प्रयास के बाद वे इस विश्व प्रसिद्ध रॉक गार्डन को तैयार कर सके। आज यह 40 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। यह गार्डन पूर्णतः औद्योगिक एवं घरेलू कबाड़ तथा फेंक दिए गए सामान से बनाया गया है। यह गार्डन नवीकृत सिरेमिक से बनाई गई कलाकृतियों के लिए विश्व-विख्यात है। इस गार्डन का उद्घाटन 1976 में किया गया था। रॉक गार्डन के निर्माण के लिए नेक चंद को 1984 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। नेक चंद 1950 और 1960 के दशक में चंडीगढ़ में एक निर्माण परियोजना में सड़क निरीक्षक थे। मुंबई एयरपोर्ट पर भी उनकी कलाकृति ने काफी प्रशंसा बटोरी है। नेक चंद भारत के सर्वाधिक चर्चित कलाकारों में से एक थे। उनकी कृतियां पेरिस, लंदन, न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी और बर्लिन जैसे दुनिया के मशहूर शहरों में भी शुमार हैं। उन पर कई किताबें भी लिखी गई हैं।

रॉक गार्डन मूर्तिकला का एक बेहतरीन नमूना पेश करता है। मूर्तियों के अलावा, इस उद्यान में मानव निर्मित इंटरलिंक झरने भी हैं। चालीस एकड़ में फैला यह गार्डन आज के समय में ना सिर्फ रिसाइकिलिंग के महत्व को दर्शाता है, बल्कि इको-टूरिज्म का भी एक बहुत बड़ा उदाहरण है। बता दें कि चंडीगढ़ देश के सबसे व्यवस्थित शहरों में से एक है इसके वास्तुकार स्विस-फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ली कार्बूजियर थे।

कटनी के सैंड स्टोन ने बनाई है अनूठी पहचान

कुछ महीने पहले ही नवंबर 2021 में कटनी जिले के जागृति पार्क में स्टोन आर्ट फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में देशभर के शिल्पकारों ने स्टोन और मार्बल में अपनी शिल्पकला का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। शिल्पकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई और उनकी नीलामी भी हुई। यह आयोजन कटनी जिला प्रशासन द्वारा 'एक जिला एक उत्पाद' के अंतर्गत किया गया था। जिले के पत्थर की आज से ही नहीं, बल्कि वर्षों से विशेष मांग रही है। कटनी के सैंड स्टोन का इस्तेमाल मिंटो हाल, रिलायंस कार्पोरेट ऑफिस, खजुराहो, उदयपुर रिसॉर्ट जैसे देश के कई स्थानों में किया गया है। यहां के खास पत्थरों से मूर्तियां (स्टेच्यू) काफी आकर्षक बनती हैं। कटनी की खदानों से निकलने वाला वाला सैंड स्टोन शिल्प कारीगरी के लिहाज से उपयुक्त माना जाता है, तीन रंगों में मिलने वाले यहां के पत्थरों की मांग प्रदेश के साथ-साथ ही दूसरी जगहों में भी है। 100 साल पहले के कई ऐसे निर्माण हैं, जिनमें कटनी के पत्थरों का उपयोग किया गया और वे आज तक लोगों के आकर्षण व बेजोड़ कलाकारी के उदाहरण हैं। उनमें से एक उदाहरण कटनी जिले का ऊमरडोली आर्च डैम है। 100 साल पुराने इस आर्च डैम की दीवारें आज भी मजबूत हैं और यह अपनी तरह का प्रदेश का इकलौता आर्च डैम माना जाता है। यह जलाशय दो पहाड़ों को जोड़कर पत्थरों से बनाया गया है। सैंड स्टोन के साथ ही कटनी मार्बल्स के निर्माण में एक प्रमुख अग्रणी जिला है। यहां संगमरमर की कई खदाने हैं, जहां उच्च गुणवत्ता वाले संगमरमर का खनन होता है। कटनी के संगमरमर पूरे भारत में निर्यात होते हैं।

जबलपुर में भेड़ाघाट की संगमरमरी चट्टान पर्यटकों को करती हैं आकर्षित

जबलपुर के भेड़ाघाट स्थित संगमरमरी चट्टान प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है, यहां काफी संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं। अगर यह कहा जाए कि जबलपुर और संगमरमरी चट्टान एक दूसरे के पर्यायवाची हो गए हैं तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां की संगमरमरी चट्टान नर्मदा नदी के दोनों ओर करीब 100 फीट ऊंची है। भेड़ाघाट का वातावरण भी बेहद शांत रहता है। जब सूरज की रोशनी सफेद और मटमैले रंग के संगमरमर चट्टान पर पड़ती है, तो नदी में बनने वाला इसका प्रतिबिंब अद्भुत होता है। भेड़ाघाट और यहां की संगमरमर चट्टान की खूबसूरती उस समय सबसे ज्यादा आकर्षक होती है जब चांद की रोशनी चट्टान और नदी पर एक साथ पड़ती है। अगर चांदनी रात में यहां नौकाविहार किया जाए तो पर्यटक इस अनुभव को जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। भेड़ाघाट से कुछ ही दूरी पर 'धुंआधार' नामक प्रसिद्ध जल प्रपात भी है।

इस लेख से जुड़े प्रतियोगी परीक्षा संबंधित प्रश्नोत्तर

1. देश का पहला रॉक (चट्टान) म्यूजियम कहां स्थित है?
उत्तर : हैदराबाद
व्याख्या : केन्द्रीय मंत्री डॉ. जीतेन्द्र सिंह ने 6 जनवरी 2022 को भारत के पहले ओपन रॉक म्यूजियम का उद्घाटन हैदराबाद में किया है।

2. विश्व प्रसिद्ध रॉक गार्डन कहां स्थित है?
उत्तर : चंडीगढ़, भारत

3. चंडीगढ़ रॉक गार्डन को किस नाम से जाना जाता है? इसके निर्माता कौन थे?
उत्तर : नेक चंद गार्डन
व्याख्या : देश के प्रसिद्ध रॉक आर्टिस्ट नेक चंद ने इसकी स्थापना की थी, उन्हीं के नाम पर इसे नेक चंद रॉक गार्डन कहा जाता है।

4. चंडीगढ़ के वास्तुकार कौन थे?
उत्तर : स्विस-फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ली कार्बूजियर

5. मध्यप्रदेश में सैंड स्टोन की खदाने कहां स्थित हैं?
उत्तर : कटनी
व्याख्या : हाल ही में कटनी जिले में स्टोन आर्ट फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। कटनी की खदानों से निकलने वाला वाला सैंड स्टोन शिल्प कारीगरी के लिहाज से उपयुक्त माना जाता है।

6. भेड़ाघाट नामक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल कहां स्थित है?
उत्तर : जबलपुर

7. भेड़ाघाट किस लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर : संगमरमरी चट्टान
व्याख्या : भेड़ाघाट अपनी खूबसूरत संगमरमरी चट्टानों के लिए प्रसिद्ध है, यहां नर्मदा नदी वहती है। जिस पर नौकाविहार भी किया जा सकता है।

8. धुंआधार जलप्रपात कहां है?
उत्तर : जबलपुर

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. फीफा ने हाल ही में किस खिलाड़ी को बेलोन डिओर अवॉर्ड प्रदान किया है?
(अ) लियोनल मेसी
(ब) पॉल पोग्बा
(स) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(द) रॉबर्ट लेवानडोव्स्की

2. वर्ष 2021 में इंडोनेशिया ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी थीं?
(अ) ताई जू यिंग
(ब) पीवी सिंधू
(स) अकाने यामागुची
(द) आन से यंग

3. इनमें से कौन-सा देश वर्ष 2024 में विंटर यूथ ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी करेगा?
(अ) रूस (ब) कनाडा
(स) द. कोरिया (द) नॉर्वे

4. वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कितने टेस्ट शतक बनाये हैं?
(अ) 30 (ब) 34
(स) 38 (द) 42

5. टॉमी पॉल किस देश के युवा टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) ब्रिटेन (ब) स्विट्जरलैंड
(स) अमेरिका (द) पोलैंड

6. भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) चार (ब) पांच
(स) सात (द) दस

7. सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप-2021 में किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा गोल किए थे?
(अ) सुनील छेत्री
(ब) अली अशफाक
(स) मनीष दांगी
(द) सहल अब्दुल समद

8. वर्ष 2018 में किस देश ने एफआईएच चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था?
(अ) भारत
(ब) बेल्जियम
(स) दक्षिण कोरिया
(द) ऑस्ट्रेलिया

9. इनमें से किस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का नया कप्तान बनाया गया है?
(अ) स्टीव स्मिथ (ब) मिशेल स्टार्क
(स) पैट कमिंस (द) एलेक्स कैरी

10. वर्ष 2021 में इनमें से किस महिला मुक्केबाज को खेल रत्न अवॉर्ड दिया गया है?
(अ) मैरी कॉम
(ब) लवलीना बोरगोहेन
(स) पूजा रानी
(द) इनमें से कोई नहीं

11. वर्ष 2018 में किस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) मारिन सिलिक
(स) रोजर फेडरर
(द) डोमिनिक थिएम

12. विंटर ओलिंपिक-2018 में आइस हॉकी स्पर्धा में महिला वर्ग का खिताब किस देश ने जीता था?
(अ) फिनलैंड (ब) अमेरिका
(स) कनाडा (द) रूस

13. सानिया मिर्जा ने महिला युगल वर्ग में इनमें से कौन-सा ग्रैंड स्लैम टाइटल नहीं जीता है?
(अ) फ्रेंच ओपन
(ब) ऑस्ट्रेलियन ओपन
(स) अमेरिकी ओपन
(द) विम्बलडन

14. भारत ने एशियन गेम्स-2014 में कुल कितने पदक जीते हैं?
(अ) 36 (ब) 43
(स) 52 (द) 57

15. वॉटर पोलो किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
(अ) सिंगापुर (ब) हंगरी
(स) किर्गिस्तान (द) मॉरिशस

16. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो बार हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज हैं?
(अ) दीपक चाहर
(ब) राशिद खान
(स) लसिथ मलिंगा
(द) कैगिसो रबाडा

17. इटली के गोलकीपर जियानलुईगी डोन्नारूमा किस क्लब के लिए फुटबॉल खेलते हैं?
(अ) बार्सिलोना
(ब) मैनचेस्टर सिटी
(स) रियल मैड्रिड
(द) पेरिस सेंट जर्मेन

18. लुईस हैमिल्टन किस देश के फॉर्मूला-1 रेसर हैं?
(अ) अमेरिका
(ब) जापान
(स) ब्राजील
(द) ब्रिटेन

19. एशियन गेम्स-2018 में फुटबॉल (महिला) का स्वर्ण पदक किस देश ने जीता था?
(अ) दक्षिण कोरिया
(ब) जापान
(स) कतर
(द) भारत

20. वर्ष 2019 में एशियन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप किस शहर में आयोजित की गई थी?
(अ) भुवनेश्वर (ब) होंगझाउ
(स) दोहा (द) मनीला

21. वर्ष 2019 में किस खिलाड़ी को बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया गया था?
(अ) लुईस हैमिल्टन
(ब) रहीम स्टर्लिंग
(स) डाइना एशर स्मिथ
(द) बेन स्टोक्स

22. इंग्लैंड ने वर्ष 2017 के महिला क्रिकेट वर्ल्डकप के फाइनल में किस देश को हराया था?
(अ) भारत (ब) न्यूजीलैंड
(स) वेस्ट इंडीज (द) द. अफ्रीका

23. एटीपी कप टेनिस टूर्नामेंट का पहला संस्करण किस देश ने जीता था?
(अ) सर्विया (ब) मैक्सिको
(स) आयरलैंड (द) इटली

24. वर्ष 2023 में फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप किस देश में खेला जायेगा?
(अ) मैक्सिको (ब) पेरू
(स) चिली (द) नाइजीरिया

25. वर्ष 2021 में विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब किस घरेलू टीम ने जीता है?
(अ) हिमाचल प्रदेश
(ब) बड़ौदा
(स) विदर्भ (द) कर्नाटक

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (ब), 5. (स), 6. (ब), 7. (अ), 8. (द), 9. (स), 10. (ब), 11. (स), 12. (ब), 13. (अ), 14. (द), 15. (ब), 16. (स), 17. (द), 18. (द), 19. (ब), 20. (स), 21. (द), 22. (अ), 23. (अ), 24. (ब), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) की स्थापना हुई?
(A) 1992 (B) 1988
(C) 1990 (D) 1984
उत्तर -(A) 1992
व्याख्या- सेबी की स्थापना 12 अप्रैल, 1988 को हुई। इसका मुख्यालय मुंबई में है, 1992 में इसे वैधानिक दर्जा मिला।

2. सक्रिय ज्वालामुखी का उदाहरण है?
(A) फ्यूजीयामा
(B) एकांकागुआ
(C) स्ट्रॉम्बोली
(D) क्राकाटाओ
उत्तर -(C) स्ट्रॉम्बोली
व्याख्या- लिपारी द्वीप समूह (इटली) का स्ट्रॉम्बोली एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जिसे भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ भी कहते है जबकि- फ्यूजीयामा (जापान), क्राकाटाओ (इण्डोनेशिया) दोनों सुषुप्त ज्वालामुखी तथा एकांकागुआ शांत ज्वालामुखी का उदाहरण है।

3. 'पृथ्वी की बहन' की संज्ञा किस ग्रह को दी जाती है?
(A) बुध (B) शुक्र
(C) बृहस्पति (D) शनि
उत्तर -(B) शुक्र
व्याख्या- शुक्र ग्रह आकार, घनत्व, व्यास में लगभग पृथ्वी के समान है, इसलिए इसे पृथ्वी की बहन कहते हैं, वहीं बुध पृथ्वी से छोटा तथा शनि व बृहस्पति ग्रह पृथ्वी से बड़े ग्रह हैं।

4. लोकटक झील भारत के किस राज्य में है?
(A) उड़ीसा (B) केरल
(C) मणिपुर (D) महाराष्ट्र
उत्तर -(C) मणिपुर
व्याख्या- लोकटक झील मणिपुर राज्य में है। यह मीठे पानी की झील है। यहां केबुल लामजाओ नेशनल पार्क है।

5. भारत-नेपाल सीमा पर कौन सी हिमालय पर्वत चोटी स्थित है?
(A) माउण्ट एवरेस्ट
(B) गॉडविन ऑस्टिन (K_2)
(C) कंचनजंगा
(D) उक्त सभी।
उत्तर -(C) कंचनजंगा
व्याख्या- विकल्प A माउण्ट एवरेस्ट- नेपाल, तिब्बत सीमा पर स्थित,
विकल्प B गॉडविन ऑस्टिन- पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित
विकल्प C कंचनजंगा, सिक्किम (भारत)- नेपाल सीमा में स्थित।

6. भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से मध्यप्रदेश में कितने ज्योतिर्लिंग हैं?
(A) 03 (B) 01
(C) 02 (D) 04
उत्तर -(C) 02
व्याख्या- मध्यप्रदेश में ओंकारेश्वर (खण्डवा) महाकालेश्वर (उज्जैन) ज्योतिर्लिंग हैं।

7. धुबेला संग्रहालय (महाराजा छत्रसाल संग्रहालय) मध्यप्रदेश के किस जिले में है?
(A) पन्ना (B) दमोह
(C) छतरपुर (D) सागर
उत्तर -(C) छतरपुर
व्याख्या- महाराजा छत्रसाल संग्रहालय अथवा धुबेला संग्रहालय छतरपुर में स्थित है, जिसका उद्घाटन सितंबर, 1955 ई. को हुआ।

8. बाणसागर परियोजना किस नदी पर है?
(A) नर्मदा नदी (B) सोन नदी
(C) चम्बल नदी (D) बेतवा नदी
उत्तर -(B) सोन नदी
व्याख्या- बाणसागर परियोजना शहडोल जिले में सोन नदी पर स्थित है जो म.प्र., उ.प्र. और बिहार की संयुक्त परियोजना है।
• **नर्मदा नदी**- सरदार सरोवर, बरगी, इंदिरा सागर परियोजना
• **चंबल नदी**- गांधी सागर, जवाहर सागर, राणाप्रताप सागर परियोजना है।

9. मध्यप्रदेश के रायसेन किले का निर्माण करवाया था?
(A) राजा राजबसंती
(B) मोहम्मद बिन तुगलक
(C) राजा कीर्तिपाल
(D) राजा उदयवर्मन
उत्तर -(A) राजा राजबसंती
व्याख्या- रायसेन दुर्ग का 16वीं शताब्दी में राजा राजबसंती ने निर्माण करवाया, यहां बादल महल, इत्रदार महल हैं। वहीं- **मोहम्मद बिन तुगलक** धार का किला, **राजा कीर्तिपाल** चंदेरी का किला, **राजा उदयवर्मन** गिन्नौरगढ़ किला निर्मित करवाया।

10. क्षेत्रफल की दृष्टि की मध्यप्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला है?
(A) छिंदवाड़ा (B) सागर
(C) शिवपुरी (D) बैतूल
उत्तर -(B) सागर

11. 'कुषाण वंश की स्थापना किसने की?
(A) विम कडफिसस
(B) कुजुल कडफिसस
(C) कनिष्क
(D) हुविष्क
उत्तर -(B) कुजुल कडफिसस
व्याख्या- कुषाण वंश का संस्थापक **कुजुल कडफिसस**।

12. तराइन का द्वितीय युद्ध हुआ था?
(A) 1191 ई. (B) 1178 ई.
(C) 1192 ई. (D) 1182 ई.
उत्तर -(C) 1192 ई.
व्याख्या- तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ई. में पृथ्वीराज चौहान तथा मुहम्मद गौरी के बीच हुआ।

13. शिवाजी का जन्म कब हुआ?
(A) 1625 ई. (B) 1626 ई.
(C) 1627 ई. (D) 1628 ई.
उत्तर -(C) 1627 ई.
व्याख्या- शिवाजी का जन्म 1627 ई. में शिवनेर के पहाड़ी दुर्ग में हुआ था। कहीं-कहीं शिवाजी का जन्म 1630 में भी बताया जाता है। इनके पिता शाहजी भोंसले, माता जीजाबाई थीं।

14. "वेदों की ओर लौटो" का नारा किसने दिया?
(A) स्वामी विवेकानंद
(B) स्वामी दयानंद सरस्वती
(C) राजा राममोहन राय
(D) रामकृष्ण परमहंस
उत्तर -(B) स्वामी दयानंद सरस्वती
व्याख्या- वेदों को भारत का आधार स्तंभ बताते हुए तथा वेदों पर विश्वास प्रकट करते हुए सरस्वती जी ने वेदों की ओर लौटो का नारा दिया। उनका विश्वास था हिन्दू धर्म व वेद शाश्वत् हैं।

15. तृतीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन कब हुआ?
(A) 1931 ई. (B) 1932 ई.
(C) 1933 ई. (D) 1930 ई.
उत्तर -(B) 1932 ई.
व्याख्या- विकल्प A 1931 ई. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
विकल्प B 1932 ई. (17 नवंबर, 1932 ई. से 24 दिसंबर 1932 ई.) को लंदन में तृतीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित
विकल्प C 1933 ई. कोई गोलमेज सम्मेलन नहीं हुआ
विकल्प D 1930 ई. प्रथम गोलमेज सम्मेलन।

16. राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां है?
(A) वाराणसी (B) लखनऊ
(C) हैदराबाद (D) रायपुर
उत्तर -(C) हैदराबाद
व्याख्या- विकल्प A वाराणसी- लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा,
विकल्प B लखनऊ- चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
विकल्प C हैदराबाद- राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
विकल्प D रायपुर- स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा।

17. संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष किसे चुना गया?
(A) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
(B) श्री एच.सी. मुखर्जी
(C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(D) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर -(A) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
व्याख्या- विकल्प A 9 दिसंबर, 1946 को आयोजित संविधान सभा की प्रथम बैठक में डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष चुना गया।
विकल्प B एच.सी. मुखर्जी- संविधान उपाध्यक्ष,
विकल्प C डॉ. राजेन्द्र प्रसाद- संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष (11 दिसंबर 1946 को चुने गये)
विकल्प D डॉ. भीमराव अम्बेडकर- प्रारूप समिति के अध्यक्ष

18. तदर्थ न्यायधीश नियुक्ति का प्रावधान है?
(A) उच्चतम न्यायालय में
(B) उच्च न्यायालय में
(C) जिला न्यायालय में
(D) सभी में
उत्तर -(A) उच्चतम न्यायालय में
व्याख्या- अनु. 127 के तहत उच्चतम न्यायालय में तदर्थ न्यायधीश नियुक्ति का प्रावधान है। यह फ्रांस के संविधान से प्रेरित है। उच्च या जिला न्यायालय में तदर्थ न्यायधीश नियुक्ति का प्रावधान नहीं है।

19. भारतीय संविधान में 'संविधान संशोधन प्रक्रिया' किस देश के संविधान से प्रेरित है?
(A) जर्मनी
(B) अमेरिका
(C) दक्षिण अफ्रीका
(D) आयरलैण्ड
उत्तर -(C) दक्षिण अफ्रीका
व्याख्या- विकल्प A जर्मनी- आपात उपबंध
विकल्प B अमेरिका- मूल अधिकार, स्वतंत्र न्यायपालिका
विकल्प C दक्षिण अफ्रीका- संविधान के अनुच्छेद 368 में संविधान संशोधन प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका के संविधान से प्रेरित है।
विकल्प D आयरलैण्ड- नीति निर्देशक तत्व, राज्यसभा मनोनीत सदस्य।

20. संविधान के किस अनु. में वित्त आयोग गठन का प्रावधान है?
(A) अनु. 270 (B) अनु. 279
(C) अनु. 280 (D) अनु. 281
उत्तर -(C) अनु. 280
व्याख्या- अनु. 280 अंतर्गत प्रत्येक पांच वर्ष पर राष्ट्रपति वित्त आयोग की नियुक्ति करता है
विकल्प A अनु. 270- संघ द्वारा उदग्रहीत तथा संघ-राज्य के बीच वितरित होने वाले कर
विकल्प B अन. 279- शुद्ध आगम की गणना
विकल्प D अन. 281- वित्त आयोग की सिफारिशें

21. हिन्दी भाषा के लिए पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार किसे मिला?
(A) जी. शंकर करुप
(B) सुमित्रानंदन पंत
(C) रामधारी सिंह दिनकर
(D) महादेवी वर्मा
उत्तर -(B) सुमित्रानंदन पंत
व्याख्या- विकल्प A जी. शंकर कुरुप- पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार (1965) (मलयालम भाषा)
विकल्प B सुमित्रानंदन पंत- 'चिंदबरा' हिन्दी रचना हेतु पहला ज्ञान पीठ पुरस्कार मिला (1968 ई.)
विकल्प C रामधारी सिंह दिनकर- 'उर्वशी' हिन्दी रचना हेतु ज्ञानपीठ पुरस्कार (1972 ई.)
विकल्प D महादेवी वर्मा- यामा हिन्दी रचना हेतु ज्ञानपीठ पुरस्कार (1982 ई.)।

22. उत्तराखण्ड राज्य के उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ कहां है?
(A) देहरादून (B) नैनीताल
(C) हरिद्वार (D) चमोली
उत्तर -(B) नैनीताल
व्याख्या- वर्ष 2000 में उत्तराखण्ड राज्य बना। उत्तराखंड उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ नैनीताल में है। जबकि देहरादून उत्तराखंड की राजधानी है वहीं हरिद्वार व चमोली उत्तराखंड के अन्य शहर हैं।

23. मध्यप्रदेश के किस जिले की सीमा अन्य राज्य की सीमा से नहीं लगती?
(A) अशोकनगर (B) राजगढ़
(C) अनूपपुर (D) उमरिया
उत्तर -(D) उमरिया
व्याख्या- उमरिया जिले की सीमा अन्य राज्यों से नहीं लगती जबकि राजगढ़ की राजस्थान, अनूपपुर, छत्तीसगढ़, अशोकनगर- उ.प्र. के साथ सीमा लगती है।

24. भारत में निर्वाचन आयोग की स्थापना कब हुई?
(A) 26 जनवरी, 1950
(B) 25 जनवरी, 1950
(C) 25 जनवरी, 1949
(D) 26 नवम्बर, 1949
उत्तर -(B) 25 जनवरी, 1950
व्याख्या- अनु. 324 अंतर्गत निर्वाचन आयोग का प्रावधान है, जिसकी स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गई तथा प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है।

25. 'सिक्किम' को पूर्ण राज्य का दर्जा किस संविधान संशोधन द्वारा दिया गया?
(A) 34वां (B) 35वां
(C) 36वां (D) 37वां
उत्तर -(C) 36वां
व्याख्या- विकल्प A 34वां (1974)- संविधान की 9वीं अनुसूची में विभिन्न राज्यों द्वारा पारित भूमि सुधार अधिनियमों का सम्मिलन
विकल्प B 35वां (1974)- सिक्किम को संरक्षित राज्य का दर्जा
विकल्प C 36वां (1975)- सिक्किम को पूर्ण राज्य का दर्जा।

26. G-20 शिखर सम्मेलन 2021' का आयोजन कहां हुआ?
(A) अमेरिका (B) इटली
(C) सउदी अरब (D) फ्रांस
उत्तर -(B) इटली
व्याख्या- 30-31 अक्टूबर, 2021 को रोम (इटली) में G-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ।

27. मध्यप्रदेश के वर्तमान नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री कौन हैं?
(A) श्री प्रेम सिंह पटेल
(B) श्री बिसाहूलाल सिंह
(C) श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह
(D) श्री हरदीप सिंह डंग
उत्तर -(D) श्री हरदीप सिंह डंग
व्याख्या- वर्तमान में श्री हरदीप सिंह डंग नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं जबकि- श्री प्रेम सिंह पटेल- पशुपालन समाजिक न्याय निःशक्त मंत्री, श्री बिसाहूलाल सिंह- खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मंत्री, श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह- खनिज साधन, श्रम मंत्री हैं।

28. वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 में भारत को स्थान दिया गया है?
(A) 116वां (B) 71वां
(C) 101वां (D) 92वां
उत्तर -(C) 101वां
व्याख्या- विकल्प A 116वां- सोमालिया
विकल्प B 71वां- म्यांमार
विकल्प C 101वां- भारत (भारत का 116 देशों में 101वां स्थान)
विकल्प D 92वां- पाकिस्तान।

29. अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस..... को मनाया जाता है?
(A) 29 अगस्त (B) 20 जून
(C) 29 जुलाई (D) 21 मार्च
उत्तर -(C) 29 जुलाई
व्याख्या- बाघों के संरक्षण तथा उनकी प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने हेतु विश्व बाघ दिवस के रूप में मनाया जाता है। जबकि 29 अगस्त- राष्ट्रीय खेल दिवस, 20 जून- विश्व शरणार्थी दिवस, 21 मार्च- विश्व वानिकी दिवस।

30. साहित्य का नोबेल पुरस्कार- 2021 किसे मिला?
(A) मारिया रेसा
(B) दिमित्री मुराटोव
(C) लुईस ग्लूक
(D) अब्दुल रज़क गुरनाह
उत्तर -(D) अब्दुल रज़क गुरनाह
व्याख्या- तंजानियाई लेखक अब्दुल रज़क गुरनाह को मिला। उनके उपन्यास में शरणार्थियों का मार्मिक वर्णन है। वहीं- मारिया रेसा व दिमित्री मुराटोव को शांति का नोबेल पुरस्कार 2021 मिला, लुईस ग्लूक को 2020 का साहित्य नोबल पुरस्कार मिला।

31. भारतीय लघु उद्योग व विकास बैंक (सिडबी) का मुख्यालय है?
(A) मुंबई (B) लखनऊ
(C) नई दिल्ली (D) इन्दौर
उत्तर -(B) लखनऊ
व्याख्या- सिडबी भारत की एक प्रमुख वित्तीय संस्था है, जिसकी स्थापना 2 अप्रैल, 1990 को लखनऊ में हुई।

32. भारत के पहले नियंत्रक व महालेखा परीक्षक थे?
(A) ए.के. चंद्रा
(B) वी. नरहरि राव
(C) गिरीश चंद्र मुर्मू
(D) एस. रंगनाथन
उत्तर -(B) वी. नरहरि राव
व्याख्या- संविधान के अनु. 148 में CAG का प्रावधान है। वी. नरहरि राव (1948-54) पहले CAG रहे। वहीं- ए.के. चंद्रा- दूसरे CAG (1954-60), गिरीश चंद्र मुर्मू- वर्तमान CAG, एस. रंगनाथन- चौथे CAG (1966-72 ई.)

- अखिलेश प्रजापति
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

प्र. 1 मालवा में मराठा राज्य की नींव कब पड़ी -
(a) 1698 (b) 1724
(c) 1732 (d) 1603
उत्तर- (c) 1732
व्याख्या- पेशवा बाजीराव प्रथम ने 29 जुलाई, 1732 को मालवा के जिलों को निम्न को सौंपा-
1. होल्कर, इंदौर
2. सिंधिया, ग्वालियर
3. आनंदराव पवार, धार
4. तुकोजी, देवास सीनियर
5. जीवाजी, देवास जूनियर

- 1738 में पेशवा बाजीराव ने हैदराबाद के निजाम को भोपाल के पास परास्त कर दुराहा सराय की संधि की थी।

प्र. 2 काबुल में 1915 को स्थापित भारत की अन्तरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे -
(a) डॉ. हरिसिंह गौर
(b) प्रो. बरकतउल्लाह
(c) पं. सुन्दरलाल शर्मा
(d) डी.पी. मिश्रा
उत्तर- (b) प्रो. बरकतउल्लाह
व्याख्या- सैन फ्रांसिस्को (VSA) में स्थापित गदर पार्टी के संस्थापकों में एक प्रो. बरकतउल्लाह भोपाली को अन्तरिम सरकार का प्रधानमंत्री नियुक्ति किया गया था।

प्र. 3 ब्रिटिश शासकों के खिलाफ म.प्र. में प्रथम विद्रोह था -
(a) बुन्देला विद्रोह
(b) नीमच छावनी हमला
(c) चरणपादुका सभा
(d) मध्य प्रांत विद्रोह
उत्तर- (a) बुन्देला विद्रोह
व्याख्या- 1842 में चन्द्रपुर (सागर) के जवाहर सिंह बुन्देला, नरहुत के मधुकर शाह, मदनपुर के गोंड नरेश दिल्लन शाह और हीरापुर के हीरेन शाह ने बगावत का झंडा उठाया।

प्र. 4 कुंवर चैन सिंह की समाधि कहां है -
(a) रामगढ़ (b) महू
(c) सीहोर (d) राजगढ़
उत्तर- (c) सीहोर
व्याख्या- नरसिंहगढ़ रियासत के राजकुमार कुंवर चैन सिंह ने सीहोर के पॉलिटिकल एजेन्ट मैडाक पर जून 1824 में हमला बोला। स्वातंत्र्य समर के प्रथम शहीद चैन सिंह की समाधि (छत्री) सीहोर में है।

प्र. 5 शहीद गंजन सिंह कोरकू किस सत्याग्रह के प्रमुख नेता थे -
(a) टूरिया जंगल सत्याग्रह
(b) घोड़ा डोंगरी जंगल सत्याग्रह 1930
(c) चरण पादुका नरसंहार
(d) पंजाब मेल हत्याकांड 1931
उत्तर- (b) घोड़ा डोंगरी जंगल सत्याग्रह 1930
व्याख्या- 1930 के जंगल सत्याग्रह के समय शाहपुर (बैतूल) के समीप बंजारी ढाल का गंजन सिंह कोरकू विद्रोही आदिवासियों का नायक था।

प्र. 6 मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल संख्या है -
(a) 40 (b) 45
(c) 55 (d) 20
उत्तर- (b) 45
व्याख्या- इंडिया गवर्नमेंट रिपोर्ट 2020-21 के अनुसार म.प्र. में राष्ट्रीय राजमार्ग की संख्या 45 एवं मध्यप्रदेश में कुल लम्बाई 8940.54 किमी है। प्रदेश का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-46 एवं छोटा राजमार्ग 135BB है।

प्र. 7 स्व. प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार 2020 से किसे सम्मानित किया गया -
(a) श्री अभय छजलानी
(b) श्री विवेक सागर
(c) सुश्री वैष्णवी कहार
(d) सुश्री एकता यादव
उत्तर- (c) सुश्री वैष्णवी कहार
व्याख्या- पहली बार वर्ष 2013 में प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार मलखम्ब खेल हेतु म.प्र. सरकार ने प्रारंभ किया। वर्ष 2020 का पुरस्कार उज्जैन की वैष्णवी कहार को दिया गया (2021 से राज्य शासन ने इस पुरस्कार की सम्मान निधि को 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख करने की घोषणा की)

प्र. 8 म.प्र. विधानसभा में प्रथमतः प्राक्कलन समिति कब गठित की गयी -
(a) 1956 (b) 1960
(c) 1970 (d) 1957
उत्तर- (d) 1957
व्याख्या- सार्वजनिक धन पर संसदीय नियंत्रण हेतु गठित की जाने वाली प्राक्कलन समिति का म.प्र. विधानसभा में प्रथमतः गठन 3 अगस्त, 1957 को हुआ। समिति के अध्यक्ष का चुनाव विधानसभाध्यक्ष करते हैं।

प्र. 9 म.प्र. के सबसे लम्बे समय तक राज्यपाल रहे -
(a) के.सी. रेड्डी
(b) सत्यनारायण सिंह
(c) बलराम जाखड़
(d) मंगू भाई छगन भाई पटेल
उत्तर- (b) सत्यनारायण सिंह
व्याख्या- संविधान के अनु. 153 के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होता है। अनु. 156 राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद पर बना रहेगा।
(म.प्र. के 8/3/1971 से 13.10.1977 तक सत्यनारायण सिंह (सिन्हा) राज्यपाल रहे)

प्र. 10 मध्यप्रदेश में प्रथमतः राष्ट्रपति शासन कब लगा -
(a) 1977 (b) 1980
(c) 1992 (d) 1966
उत्तर- (a) 1977
व्याख्या- प्रदेश में 30 अप्रैल, 1977 से 23 जून, 1977 तक प्रथमतः राष्ट्रपति शासन लगा। तत्कालीन अवधि में राज्यपाल पद पर सत्यनारायण सिंह पदासीन थे। (स्रोत - म.प्र. विधानसभा वेबसाइट)
म.प्र. में अबतक 03 बार राष्ट्रपति शासन लगा है।
1. 1977
2. 17.02.1980 से 09.06.1980
3. 15.12.1992 से 06.12.1993

प्र. 11 नर्मदा नदी प्रदेश के कितने जिलों से गुजरती है -
(a) 13 (b) 15
(c) 19 (d) 10
उत्तर- (b) 15
व्याख्या- अनूपपुर से सोंडवा (अलीराजपुर) तक प्रदेश में नर्मदा का प्रवाह 1077 किमी है। प्रदेश के 15 जिलों से यह गुजरती है जबकि लगभग 24 जिले नर्मदा घाटी में आते हैं।

प्र. 12 "इत जमुना, उत नर्मदा, इत चम्बल उत टौंस।" यह किस प्रसिद्ध शासक के साम्राज्य को इंगित करता है -
(a) नरेश रामचन्द्र
(b) राजा संग्राम शाह
(c) छत्रसाल बुन्देला
(d) शेरशाह सूरी
उत्तर- (c) छत्रसाल बुन्देला
व्याख्या- ओरछा के शासक छत्रसाल बुन्देला (1641-1731) ने अपने राज्यकाल में 52 युद्ध किए। शिवाजी से स्वराज मंत्र लेकर उन्होंने मुगलों को खूब छकाया। यह उनके साम्राज्य की सीमाओं को इंगित करता है - "इत जमुना उत नर्मदा चंवल उत टौंस। छत्रसाल से लरन की, रही न काह होंस।।"

प्र. 13 गोंड सम्राट राजा संग्राम शाह मरावी को 'शाह' की उपाधि किसने दी -
(a) इब्राहीम लोदी
(b) अर्जुनदास
(c) अबुलफजल
(d) वीर सिंह बघेल
उत्तर- (a) इब्राहीम लोदी
व्याख्या- राजा संग्राम शाह ने 1513 से 1543 तक गढ़ा राज्य में शासन किया। जलालुद्दीन लोदी ने इब्राहीम लोदी से बगावत की, राजा संग्राम शाह ने जलालुद्दीन को बन्दी बना इब्राहीम के समक्ष प्रस्तुत किया फलस्वरूप उन्हें शाह (राजा या समर्थ) की उपाधि मिली। राजा संग्राम शाह की पुत्रवधू थीं रानी दुर्गावती।

प्र. 14 परियात्र पहाड़ से उद्गमित नदी है -
(a) चर्मण्वती (b) क्षिप्रा
(c) वैनगंगा (d) सोन नदी
उत्तर- (b) क्षिप्रा
व्याख्या- विंध्याचल का पश्चिमी भाग परियात्र कहलाता है। क्षिप्रा इंदौर जिले से निकलती है, इसकी कुल लम्बाई 195 किमी है, इसमें से 93 किमी उज्जैन जिले में बहती है।

प्र. 15 मध्यप्रदेश में NTPC का संस्थान है -
(a) महेश्वर प्रोजेक्ट
(b) ओंकारेश्वर प्रोजेक्ट
(c) रिहंद प्रोजेक्ट
(d) विंध्याचल प्रोजेक्ट
उत्तर- (d) विंध्याचल प्रोजेक्ट
व्याख्या- NTPC देश में तापीय विद्युत उत्पादन की शीर्ष कम्पनी है। म.प्र. में NTPC के संस्थान निम्न हैं -
1. विंध्याचल ताप वि. केन्द्र, सिंगरौली 4760 MW
2. गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर 1600 MW
3. खरगोन, सेल्दा प्लान्ट 1320 MW

प्र. 16 चौसठ योगिनी शिव मंदिर कहां है -
(a) मितावली (b) बैढ़न
(c) चीचली (d) अनहोनी
उत्तर- (a) मितावली
व्याख्या- जिला मुरैना के मितावली में चौसठ योगिनी मंदिर (इंकतेश्वर महादेव मन्दिर) वह शिव मंदिर है जिसको आधार मानकर एडविन लुटियंस ने संसद भवन (दिल्ली) बनाया।

प्र. 17 मध्यप्रदेश में ऑर्डनेंस फैक्ट्री कहां नहीं है -
(a) कटनी (b) इटारसी
(c) पीथमपुर (d) जबलपुर
उत्तर- (c) पीथमपुर
व्याख्या- म.प्र. में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कुल 06 हैं, जिनमें से 4 जबलपुर व एक-एक इटारसी व कटनी में है।

प्र. 18 म.प्र. का सर्वाधिक औसत जोत वाला जिला है -
(a) होशंगाबाद
(b) हरदा
(c) रायसेन
(d) विदिशा
उत्तर- (b) हरदा
व्याख्या- म.प्र. में कृषि जोत का औसत आकार 1.6 हेक्टेयर है। प्रदेश के शीर्ष औसत जोत वाले जिले निम्न हैं -
1. हरदा - 3.2 हेक्टेयर
2. विदिशा - 2.2 हेक्टेयर
3. रायसेन - 2.1 हेक्टेयर

नोट - मप्र का शीर्ष सिंचित जिला होशंगाबाद (77%) है।

प्र. 19 देश के खनिज उत्पादन में निम्न में से किस खनिज के उत्पादन में प्रदेश का शीर्ष हिस्सा है -
(a) बॉक्साइट
(b) कॉपर
(c) चूना पत्थर
(d) फॉस्फोराइट
उत्तर- (b) कॉपर
व्याख्या- देशव्यापी खनिज उत्पादन में मध्यप्रदेश हीरा (100%), कॉपर (64%), तथा मैगनीज (32%) उत्पादन में शीर्ष हिस्सा रखता है।

प्र. 20 सरदार सरोवर परियोजना से म.प्र. को मिलेगा -
(a) जल
(b) विद्युत
(c) मत्स्य उत्पादन
(d) उक्त सभी
उत्तर- (b) विद्युत
व्याख्या- नर्मदा नदी पर बड़गाम (गुजरात) में निर्मित सरादार सरोवर परियोजना से 1450 MW विद्युत उत्पादन का लक्ष्य है। उत्पादित विद्युत का 57% हिस्सा मध्यप्रदेश को मिलेगा।

प्र. 21 प्रस्तावित दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे म.प्र. के किस जिले से नहीं गुजरेगा -
(a) रतलाम (b) भोपाल
(c) झाबुआ (d) मंदसौर
उत्तर- (b) भोपाल
व्याख्या- 1380 किमी लम्बा आठ लेन एक्सप्रेस वे प्रदेश के तीन जिलों रतलाम, मंदसौर और झाबुआ से गुजरेगा (प्रदेश में लम्बाई 250 किमी)

प्र. 22 मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा क्षमता है -
(a) 5199 MW
(b) 2432 MW
(c) 2444 MW
(d) 20000 MW
उत्तर- (a) 5199 MW
व्याख्या- मध्यप्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 5199 मेगावॉट (MW) है, जिसमें 2432 MW सौर ऊर्जा एवं 2444 मेगावॉट पवन ऊर्जा है।

प्र. 23 केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट की लागत में से केन्द्र सरकार का हिस्सा है -
(a) 90% (b) 60%
(c) 75% (d) 40%
उत्तर- (a) 90%
व्याख्या- नदी जोड़ो अभियान के तहत देश की पहली केन-बेतवा लिंक परियोजना की कुल लागत 44605 करोड़ का 90% खर्चा केन्द्र सरकार वहन करेगी।

- परियोजना से सागर-विदिशा सहित 12 जिलों को पानी मिलेगा।
- **लक्ष्य** - 10.62 लाख हेक्टेयर सिंचाई, 72 मेगावॉट विद्युत उत्पादन।

प्र. 24 म.प्र. का शीर्ष जनजातीय आबादी (प्रतिशत में) वाला जिला है -
(a) झाबुआ
(b) बड़वानी
(c) अलीराजपुर
(d) मंडला
उत्तर- (c) अलीराजपुर
व्याख्या- म.प्र. के शीर्ष जनजातीय आबादी (प्रतिशत) वाले जिले निम्न हैं -
1. अलीराजपुर - 89%
2. झाबुआ - 87%
3. बड़वानी - 69.4%
4. डिंडोरी - 64.7%
5. मंडला - 57.9%
6. धार - 55.9%

म.प्र. में जनजातियों की आबादी राज्य की कुल आबादी का 21.1% है। देश की कुल जनजातीय आबादी का 14.7% मध्यप्रदेश में है।

प्र. 25 नीति आयोग की रिपोर्ट अनुसार म.प्र. का सबसे गरीब जिला है -
(a) अलीराजपुर
(b) झाबुआ
(c) बड़वानी
(d) धार
उत्तर- (a) अलीराजपुर
व्याख्या- नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक अनुसार गरीब राज्यों में म.प्र. का चौथा स्थान है। अलीराजपुर में सर्वाधिक गरीबी (71%) है। झाबुआ में 69%, बड़वानी में 62% आबादी गरीब है।

प्र. 26 देश का भौगोलिक केन्द्र बिन्दु कहां है -
(a) करौंदी (b) सांची
(c) रूपनाथ (d) मेघनगर
उत्तर- (a) करौंदी
व्याख्या- भौगोलिक दृष्टि से कटनी जिले के करौंदी गांव को भारत का भौगोलिक केन्द्र बिन्दु माना जाता है। देश के 8 राज्यों से गुजरने वाली कर्क रेखा करौंदी गांव से गुजरती है।

- जितेन्द्र सिंह भदौरिया
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखते हैं।)

समय-सीमा में हो मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्कों की स्थापना - मुख्यमंत्री

भोपाल, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना के लिए समय-सीमा में कार्य सुनिश्चित किया जाये। मंडियों में गोदामों की स्थापना के प्रयास भी तेजी से हों। निजी व्यक्तियों और फर्मों को भी इसके लिए आगे लाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अनाज की भंडारण क्षमता बढ़ाई जाए। गोदामों से समय-सीमा में उठाव भी सुनिश्चित करायें। वेयरहाउस भरने और खाली करने के लिए नीति बनाकर कार्य करें। गोदामों का संधारण, रखरखाव एवं सुरक्षा पीपीपी मोड के माध्यम से करें। श्री चौहान ने गोदामों की रूफ-टॉप पर सोलर पैनल स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दें।

श्री चौहान ने कहा कि मार्कफेड के कैप जिम्मेदारी से संधारित करें। उन्होंने धान, मूंग सहित अन्य फसलों का उपार्जन अच्छे ढंग से करने के निर्देश दिए। श्री चौहान ने कहा प्रदेश के किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाये। गड़बड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाये। घटिया किस्म के धान उत्पादन को हतोत्साहित करें। अच्छी गुणवत्ता वाली फसलों का उत्पादन हो। दतिया जिले की क्रांति धान के उपार्जन की समीक्षा भी की गई।

फसलों की खरीदी का मॉडल बनायें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में फसलों की खरीदी का मॉडल तैयार करें। ईमानदारी से खरीदी के सभी प्रयास किए जाएं। पारदर्शी व्यवस्था को बढ़ावा दें। श्री चौहान ने प्रदेश में सरप्लस गेहूं के स्टॉक के लिए केंद्र को चिट्ठी लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने धान की मिलिंग का कार्य तेजी से कराने और धान मिलिंग क्षमता में वृद्धि की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

फोर्टिफाइड नमक, आटा

श्री चौहान ने जनजातीय विकासखण्डों में डबल फोर्टिफाइड नमक का वितरण कराने एवं अन्य विकासखण्डों में वितरण बढ़ाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने पीडीएस में फोर्टिफाइड आटे का वितरण पायलट प्रोजेक्ट के रूप में करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड में रैंकिंग बढ़ायें।

खेल चर्चा

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने संन्यास के लिये बनाया नया नियम

कोलंबो, युवा खिलाड़ियों के संन्यास से चिंतित श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के संन्यास लेने के लिये नया नियम लागू किया है। इस नियम के तहत अब खिलाड़ियों को संन्यास लेने से तीन महीने पहले बोर्ड को नोटिस देना होगा। इसके अलावा खिलाड़ी को बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिये छह माह का इंतजार करना होगा। इसके बाद ही खिलाड़ी क्रिकेट से संन्यास ले सकेंगे। बोर्ड ने कहा कि उन्हीं खिलाड़ियों को अन्य देशों की ट्वेंटी-20 लीग में खेलने की अनुमति दी जायेगी, जो इस प्रक्रिया के तहत अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे। हाल ही में श्रीलंका के भानुका राजपक्षे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से और दनुष्का गुणाथिलका ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लिया है।

एशेज सीरीज का चौथा मैच हुआ ड्रॉ

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज का चौथा मैच ड्रॉ रहा। यह मैच बेहद रोमांचक रहा। इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के बावजूद मैच को ड्रॉ कराने में सफल रहे। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में आठ विकेट पर 416 रन बनाये। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 294 रन ही बना सकी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट खोकर 265 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिये 388 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी लड़खड़ाते हुये नजर आये। हालांकि निचले क्रम में बल्लेबाजों ने टिककर बल्लेबाजी कर टीम को हार से बचाया। मैच में ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा ने दोनों पारियों में शतक बनाये। वहीं इंग्लैंड के लिये जॉनी बेयरस्टो ने पहली पारी में शतक बनाया।

क्रिस मॉरिस ने क्रिकेट से लिया संन्यास

सेंचुरियन, दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने क्रिकेट के सभी

प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। 34 वर्षीय मॉरिस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर संन्यास के बारे में जानकारी दी। मॉरिस ने कहा कि मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास का ऐलान करता हूं। मैं अब कोचिंग में अपना रोल निभाना चाहता हूं। माना जा रहा है कि मॉरिस अब दक्षिण अफ्रीका की घरेलू टीम टाइटंस में कोच बनेंगे। क्रिस मॉरिस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे हैं। आईपीएल-2021 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने मॉरिस को 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। मॉरिस से पहले युवराज सिंह नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे। मॉरिस ने दक्षिण अफ्रीका के लिये 4 टेस्ट, 42 वन-डे और 23 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। मॉरिस ने अपना आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

एडिलेड इंटरनेशनल टूर्नामेंट

बोपन्ना और रामनाथन की जोड़ी ने जीता युगल वर्ग का खिताब

एडिलेड, भारतीय दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और राजकुमार रामानाथन की जोड़ी ने एडिलेड अंतर्राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट में धमाकेदार जीत दर्ज की है। उन्होंने पुरुष जोड़ी के फाइनल मैच में क्रोएशिया के शीर्ष वरीयता प्राप्त इवान डोडिग और मार्सेलो मेलो की जोड़ी को सेंटर कोर्ट में 7-6, 6-1 से मात देकर खितावी मुकाबले पर अपना कब्जा जमाया है।

पहले सेट में हुई कड़ी टक्कर

मुकाबले के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक समय मुकाबला 6-6 की बराबरी पर था, लेकिन बोपन्ना और रामानाथन ने शानदार प्रदर्शन करते हुये सेट 7-6 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद मुकाबले के दूसरे सेट में दोनों ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा और एकतरफा 6-1 से जीत दर्ज कर ली।

भारतीय जोड़ी का प्रदर्शन

एटीपी दौरे पर पहली बार भारतीय जोड़ी बनाने वाले बोपन्ना और रामानाथन के लिये यह टुर्नामेंट बड़ा ही शानदार रहा है। दोनों ही खिलाड़ियों ने नथानिएल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो की जोड़ी के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले को छोड़कर टूर्नामेंट में सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली है। नथानिएल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो के खिलाफ हुये मुकाबले में भारतीय जोड़ी को सुपर टाई-ब्रेकर तक जाना पड़ा था। बोपन्ना और रामानाथन की भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त बोस्निया के टोमिस्लाव ब्रिकिक और मैक्सिको के सैंटियागो गोंजालेज की जोड़ी को 6-2, 6-4 से मात दी थी।

- **रोहन बोपन्ना का यह 20वां एटीपी पुरुष युगल खिताब है, जबकि रामकुमार रामानाथन का पहला खिताब है।**
- **गेल मोनफिल्स ने एडीलेड इंटरनेशनल के रूप में अपना ग्यारहवां एटीपी एकल खिताब जीता है।**
- **मोनफिल्स और खाचानोव अब ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलते नजर आयेंगे।**
- **एश्ले बार्टी ने दूसरी बार जीता है एडिलेड इंटरनेशनल खिताब।**
- **बार्टी इससे पहले वर्ष 2020 में भी बन चुकी हैं चैम्पियन।**

पुरुष एकल वर्ग में मोनफिल्स बने चैंपियन

एडिलेड इंटरनेशनल टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब फ्रांस के गेल मोनफिल्स ने जीता। मोनफिल्स ने टूर्नामेंट के फाइनल में रूस के कारेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। मोनफिल्स के मुकाबले खाचानोव को जीत का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन मोनफिल्स ने बेहतरीन खेल दिखाते हुये खाचानोव की चुनौती को ध्वस्त कर दिया। मैच के दौरान खाचानोव अपनी लय में नजर नहीं आये।

महिला एकल वर्ग में बार्टी बनी चैंपियन

ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब जीता। टूर्नामेंट के फाइनल में बार्टी ने कजाकिस्तान की इलिना रिबाकिना को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह बार्टी के टेनिस कॅरियर का 14वां डब्ल्यूटीए खिताब है। रिबाकिना ने पहले सेट में बार्टी के सामने कड़ी चुनौती पेश की, इसके बाद बार्टी ने जोरदार वापसी करते हुये 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में रिबाकिना बार्टी के सामने ज्यादा देर टिक नहीं पाईं।

टाटा समूह बना आईपीएल का मुख्य प्रायोजक

मुंबई, इंडियन प्रीमियर लीग में अगले दो वर्ष तक टाटा समूह मुख्य प्रायोजक होगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक में टाटा समूह को मुख्य प्रायोजक बनाने का फैसला किया गया। टाटा समूह चीनी मोबाइल कंपनी वीवो की जगह लेगा। आईपीएल में टाटा समूह के मुख्य प्रायोजक बनने से बीसीसीआई को 130 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। टाटा समूह दो वर्ष के लिये टाइटल स्पॉन्सरशिप करार के तहत 670 करोड़ रुपये देगा, जबकि वीवो करार रद्द करने के लिये बीसीसीआई को 454 करोड़ रुपये देगा। इस तरह बीसीसीआई को आईपीएल-2022 और 2023 के लिये कुल 1124 करोड़ रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि बीसीसीआई के लिये यह महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि टाटा समूह सौ वर्ष पुरानी विरासत है।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट जीतकर ड्रॉ की सीरीज

क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच क्राइस्टचर्च में खेले गये टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच को न्यूजीलैंड ने पारी और 117 रन से अपने नाम किया है। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज बचाने में सफल रहा। सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई। मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 6 विकेट खोकर 521 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिये टॉम लॉथम ने 252 तथा डेवोन कॉन्वोय ने 109 रनों की पारी खेली। पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले बांग्लादेश के बल्लेबाज दूसरे मैच में ढेर हो गये। बांग्लादेश की पहली पारी में 126 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में लिटन दास (102) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। दूसरी पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज 278 रन ही बना सके।

आईसीसी ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट के नियमों में किया बदलाव

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की प्लेइंग कंडीशन में बदलाव करने की घोषणा की है। नये नियमों के तहत ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में धीमी ओवर गति पर पेनाल्टी का नियम लागू किया गया है। नये नियम के तहत अगर कोई टीम ओवर रेट में तय समय से पीछे होगी, तो बाकी के बचे ओवरों में एक फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर खड़ा नहीं हो पायेगा। उसे 30 गज के दायरे में ही फील्डिंग करनी होगी। मौजूदा नियमों में पावरप्ले में दो खिलाड़ी ही 30 गज की सीमा के बाहर खड़े हो सकते हैं, अभी पावरप्ले के बाद पांच खिलाड़ी सीमा रेखा पर फील्डिंग कर सकते हैं।

पहले धीमी ओवर गति के लिये केवल जुर्माना लगता था और खिलाड़ियों की मैच फीस कटती थी। नये नियम आने के बाद भी पुरानी सजा बनी रहेगी। यह बदलाव आईसीसी क्रिकेट कमेटी की सिफारिश पर लागू किये गये हैं। इसके अलावा आईसीसी ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान प्रत्येक पारी के बीच में ड्रिंक्स इंटरवल (ब्रेक) को भी अनुमति दी है। यह इंटरवल ढाई मिनट का रहेगा और ऑप्शनल रहेगा। इस नियम को लागू करने से पहले दोनों टीमों के बीच सहमति होना जरूरी है।

आईसीसी द्वारा जारी बयान में कहा गया कि ओवर रेट के नियम पहले से तय हैं। इनके तहत फील्डिंग करने वाली टीम तय समय में आखिरी ओवर की पहली गेंद फेंकने की स्थिति में होनी चाहिये। यदि वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो बचे हुये ओवर्स में 30 गज से बाहर उनका एक फील्डर कम रहेगा।

एफआईएच मैच ऑफ द ईयर

भारत के चार मैच पुरस्कार के लिये नामांकित

नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मैच ऑफ द ईयर-2021 अवॉर्ड के लिये भारतीय हॉकी टीमों के चार मैचों को नामांकित किया है। इनमें टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कांस्य पदक मुकाबला भी शामिल है। भारतीय टीम ने इस मैच को जीत कर ओलिंपिक में 41 साल बाद पदक जीता था। इसके अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम के दो मैच भी इस पुरस्कार के लिये नामांकित किये गये हैं। इनमें से एक भारत और ब्रिटेन के बीच कांस्य पदक के लिये खेला गया मुकाबला है, जिसमें भारतीय महिला हॉकी टीम को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था और ब्रिटेन को कड़ी टक्कर दी थी।

मैच ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिये भारतीय और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच टोक्यो ओलिंपिक में खेले गये क्वार्टर फाइनल मैच को भी नामांकित किया गया है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को 1-0 से हराकर पहली बार ओलिंपिक खेलों में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इसके अलावा जूनियर हॉकी विश्वकप-2021 में भारत और फ्रांस के बीच खेले गये टूर्नामेंट के पहले मुकाबले को भी इस पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। इस मुकाबले में फ्रांस ने उलटफेर करते हुये भारत को हराया था। इसके बाद फ्रांस ने भारत को कांस्य पदक के लिये हुये मुकाबले में भी हराया था।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजाज पटेल बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दिसम्बर महीने के लिये प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार का ऐलान कर दिया है। इस पुरस्कार के लिये न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल को चुना गया है। एजाज को यह पुरस्कार दिसम्बर माह में मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेले गये टेस्ट मैच में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने के लिये दिया गया है। इसके अलावा एजाज ने इस मैच में कुल 14 विकेट लिये तथा कानपुर टेस्ट मैच में रचिन रविंद्र के साथ जुझारू बल्लेबाजी कर न्यूजीलैंड को हार से बचाया था।

मयंक और स्टार्क को छोड़ा पीछे

दिसम्बर महीने में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये एजाज पटेल के साथ भारत के मयंक अग्रवाल और ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क को भी नामांकित

किया गया था। मयंक ने दिसम्बर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। मयंक ने मुंबई टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक बनाया था। इस मैच में एजाज पटेल के परफेक्ट-10 के बावजूद न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं मिशेल स्टार्क इंग्लैंड के खिलाफ जारी एशेज सीरीज में शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। एशेज सीरीज में स्टार्क 4 मैचों में 15 विकेट ले चुके हैं। आईसीसी ने कहा कि एजाज का मुंबई टेस्ट में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने का ऐतिहासिक प्रदर्शन मयंक और स्टार्क के प्रदर्शन पर हावी रहा, इसीलिये उन्हें प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

- **एजाज पटेल टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले विश्व के तीसरे गेंदबाज हैं।**
- **एजाज से पहले जिम लेकर (1956) तथा अनिल कुंबले (1999) ने टेस्ट क्रिकेट में परफेक्ट-10 ले चुके हैं।**
- **आईसीसी ने दिसम्बर माह में किसी भी महिला खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ नहीं चुना है।**

कनाडा ने जीता एटीपी कप का खिताब

मेलबर्न, कनाडा ने फेलिक्स ऑगर एलियासिमे और डेनिस शापोवालोव के शानदार प्रदर्शन के दम पर पहली बार एटीपी टेनिस कप टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में कनाडा ने स्पेन को 2-0 से हराया। फाइनल के पहले एकल मुकाबले में डेनिस शापोवालोव ने पाब्लो करेनो बुस्टा को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराकर कनाडा को बढ़त दिलाई, वहीं दूसरे एकल मुकाबले में फेलिक्स ऑगर एलियासिमे ने स्पेनिश स्टार रोबर्टो बटिस्टा अगुट को कड़े मुकाबले में 7-6 (7-3), 6-3 से हराया।

पहले दोनों मुकाबले जीतने के बाद कनाडा को विजेता घोषित किया गया और पुरुष युगल मुकाबले की जरूरत नहीं पड़ी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

म्यांमार की अपदस्थ नेता सू की को चार वर्ष की कैद

म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सू की को एक अदालत ने चार साल की सजा सुनाई। सू की को अवैध रूप से

'वॉकी-टॉकी' आयात करने, रखने और कोरोना वायरस संबंधी पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए दोषी पाया गया। सेना द्वारा पिछले साल फरवरी में म्यांमार में सू की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था और सत्ता की कमान अपने हाथ में ले ली थी। तब से सू की सेना की हिरासत में हैं। 76 वर्षीय नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के खिलाफ दायर किए गए लगभग एक दर्जन मामलों में सुनवाई चल रही है। पिछले महीने ही सू की को दो अन्य मामलों में दोषी पाया गया था और चार साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद देश की सैन्य सरकार के प्रमुख ने सजा को आधा कर दिया था।

25वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव

भारत के युवा वैश्विक समृद्धि की गाथा लिख रहे हैं - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पुदुचेरी में 25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि आज दुनिया भारत को एक आशा और विश्वास की दृष्टि से देखती है, क्योंकि भारत का जन भी युवा है और भारत का मन भी युवा है। भारत अपने सामर्थ्य से भी युवा है और अपने सपनों से भी युवा है। भारत अपने चिंतन से भी युवा है और अपनी चेतना से भी युवा है। उन्होंने कहा कि भारत की सोच एवं दर्शन ने हमेशा बदलाव को स्वीकार किया है और इसकी प्राचीनता में आधुनिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवा हमेशा जरूरत के समय आगे आए हैं। जब भी राष्ट्रीय चेतना में विभाजन होता है, शंकर जैसे युवा सामने आते हैं और आदि शंकराचार्य के रूप में देश को एकता के सूत्र में पिरोते हैं। अत्याचार के काल में गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे जैसे युवाओं के बलिदान आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। जब भारत को अपनी आजादी के लिए बलिदान की जरूरत थी, तब भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और नेताजी सुभाष जैसे युवा क्रांतिकारी देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने के लिए आगे

आए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कभी देश को आध्यात्मिक उत्थान की जरूरत होती है, अरबिंदो और सुब्रमण्य भारती जैसे मनीषी सामने आते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्य भी हैं, उनका डेमोक्रेटिक डिविडेंड भी अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि भारत अपने युवाओं को डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ-साथ डेवलपमेंट ड्राइवर भी मानता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा में अगर टेक्नोलॉजी का चार्म है, तो लोकतंत्र की चेतना भी है। आज भारत के युवा में श्रम का सामर्थ्य है, तो भविष्य की स्पष्टता भी है। इसीलिये, भारत आज जो कहता है, दुनिया उसे आने वाले कल की आवाज मानती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा वैश्विक समृद्धि की गाथा लिख रहे हैं। पूरी दुनिया के यूनिकॉर्न इकोसिस्टम में भारतीय युवाओं का जलवा है। भारत के पास आज 50 हजार से अधिक स्टार्ट-अप्स का मजबूत इकोसिस्टम है। इनमें से 10 हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप्स महामारी की चुनौती के बीच सामने आये। प्रधानमंत्री ने नये भारत का मंत्र दिया। प्रतिस्पर्धा करो और जीतो; यानी जुट जाओ और जीतो; जुट जाओ और जंग जीतो। प्रधानमंत्री ने ओलिंपिक्स और पैरालिंपिक्स में तथा टीकाकरण अभियान में युवाओं के प्रदर्शन को युवाओं में जिम्मेदारी के एहसास और जीतने की इच्छा की मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हमारे ऐसे अनेक सेनानी रहे हैं, जिनके योगदान को वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों के बारे में हमारे युवा जितना ज्यादा लिखेंगे, रिसर्च करेंगे, उतना ही देश की आने वाली पीढ़ियों में जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वच्छता अभियान के पक्ष में आवाज उठायें और उसमें योगदान करें।

//डॉ. कैथरीन केल्विन//

नासा की मुख्य वैज्ञानिक और वरिष्ठ जलवायु सलाहकार बनीं

नासा ने डॉ. कैथरीन केल्विन को मुख्य वैज्ञानिक और वरिष्ठ जलवायु सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। नासा एजेंसी ने एक प्रेस रिलीज में यह जानकारी दी। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने घोषणा करते हुए बताया कि डॉ. कैथरीन केल्विन प्रभावी मुख्य वैज्ञानिक और वरिष्ठ जलवायु सलाहकार के रूप में दोहरी भूमिकाओं को निभाते हुए एजेंसी की सेवा करेंगी। प्रेस रिलीज में आगे बताया गया कि इस दौरान केल्विन एकीकृत मानव-पृथ्वी प्रणाली मॉडलिंग में अपनी विशेषज्ञता लाएगीं।

इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि बाइडेन प्रशासन के पास धरती की रक्षा हेतु महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए डेटा है।

नासा के कार्यकाल से पहले केल्विन मैरीलैंड के कॉलेज पार्क में पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी के ज्वॉइंट ग्लोबल चेंज रिसर्च इंस्टीट्यूट में पृथ्वी की वैज्ञानिक थीं। साथ ही वह संस्थान के ग्लोबल चेंज एनालिसिस मॉडल पर भी काम करती थीं। यह मॉडल इंसान और धरती के बीच के संबंधों की खोज और विश्लेषण करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रणाली है। इसके साथ ही वह ऊर्जा विभाग के ऊर्जा एक्सास्केल अर्थ सिस्टम मॉडल पर भी काम करती थीं, जो धरती के सिस्टम को समझने के लिए एक प्रणाली है।

यूक्रेन मुद्दा

बाइडेन ने दी प्रतिबंध की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तो अमेरिका रूस पर नए प्रतिबंध लगा सकता है। इसके जवाब में पुतिन ने कहा कि अमेरिका के इस तरह के किसी कदम से दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह खत्म हो जाएंगे।

यूक्रेन के निकट रूसी सेना के जमावड़े को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों ने लगभग एक घंटे तक खुलकर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच इस महीने यह दूसरी बातचीत थी। यह वार्ता पुतिन के अनुरोध पर हुई। टेलीफोन पर हुई बातचीत के बारे में मॉस्को में

पत्रकारों को बताते हुए विदेशी मामलों पर पुतिन के सलाहकार यूरी यूशाकोव ने कहा कि अमेरिका यदि और प्रतिबंध लगाता है तो यह बहुत बड़ी गलती होगी। इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। दूसरी तरफ, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि दोनों नेता इस बात पर सहमत थे कि ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां दोनों पक्ष सार्थक प्रगति कर सकते हैं। लेकिन ऐसे मतभेद भी हैं, जिनका समाधान निकालना असंभव हो सकता है।

रायटर के अनुसार, दोनों पक्षों के अधिकारियों ने बताया कि बातचीत का लहजा गंभीर था। दोनों नेता किसी समाधान या समझौते को लेकर सहमति बनाने में उल्लेखनीय प्रगति नहीं कर सके। हालांकि, इस बातचीत ने दोनों देशों के बीच होने वाली आगामी वार्ताओं के लिए मंच तैयार कर दिया है।

एएनआई के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने बाइडेन और पुतिन के बीच बातचीत का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक प्रवक्ता फ्लोरेंसिया सोटो निनो ने कहा कि हम हमेशा सदस्य देशों के बीच बातचीत का स्वागत करते हैं।

\\आईएनएस विक्रांत//

पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का एक और समुद्री परीक्षण शुरू

भारत के प्रथम स्वदेशी विमानवाहक पोत (आईएनएस) विक्रांत ने अगस्त में बेड़े में शामिल होने से पहले गहरे समुद्र में

- **चालीस हजार टन वजनी इस विमानवाहक पोत ने गत वर्ष अगस्त में पांच दिवसीय पहली समुद्री यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की थी और गत वर्ष अक्टूबर में 10 दिवसीय समुद्री परीक्षण किया था। भारत में बनने वाला यह सबसे बड़ा और सबसे जटिल युद्धपोत है।**

जटिल युद्धाभ्यास के लिए एक और परीक्षण शुरू किया।

नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक माधवाल ने कहा, आईएनएस अब जटिल युद्धाभ्यास करने के लिए रवाना हुआ है, ताकि इसकी विशिष्ट रीडिंग स्थापित की जा सके कि पोत विभिन्न परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान जहाज के विभिन्न सेंसर सूट का भी परीक्षण किया जाएगा।

इस युद्धपोत का निर्माण लगभग 23,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया और इसके निर्माण में भारत को उन

चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास अत्याधुनिक विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता है। राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू हाल ही में कोच्चि में इस युद्धपोत को देखने गये थे।

कमांडर माधवाल ने कहा, 'दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की लगातार दो हाई प्रोफाइल यात्राओं के बाद, आईएनएस विक्रांत का अगले सेट का समुद्री परीक्षण किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने प्रगति की समीक्षा करने के बाद अपनी संतुष्टि व्यक्त की थी और परियोजना में शामिल सभी हितधारकों को शुभकामनाएं दी थीं।'

यह युद्धपोत लड़ाकू जेट मिग-29के, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर बहु-उद्देश्यीय हेलीकॉप्टर संचालित करेगा। इसमें 2,300 से अधिक कंपार्टमेंट हैं, जिन्हें लगभग 1700 लोगों के दल के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें महिला अधिकारियों को समायोजित करने के लिए विशेष केबिन भी शामिल हैं।

[उत्तर कोरिया ने]

फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल : जापान

जापान के तटरक्षकों के अनुसार उत्तर कोरिया की ओर से एक बैलिस्टिक मिसाइल फिर से दागी गई है। इस साल के पहले सप्ताह में ही उत्तर कोरिया ने इस तरह की दूसरी फायरिंग की है। जापान और दक्षिण कोरिया दोनों ने ही इसकी पुष्टि की है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह एक बैलिस्टिक मिसाइल थी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने एक हाइपरसोनिक मिसाइल दागी जिसने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया। उत्तर कोरिया द्वारा शुरू किए गए परीक्षण से दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत रुकी हुई है। इस बीच अस्थिर अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का मुकाबला करने और सेना को मजबूत करने के लिए नेता किम जोंग उन ने नए साल पर इस संकल्प को रेखांकित किया था।

इससे पहले अक्टूबर महीने में उत्तर कोरिया ने आखिरी बार अपना मिसाइल परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया ने अपनी सबमरीन से दागे जाने वाली मिसाइल का परीक्षण किया था। जापान के पीएम फूमिओ किशिदा ने उत्तर कोरिया के ताजा मिसाइल टेस्ट की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगा रहे हैं कि मिसाइल कहीं जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में तो नहीं गिरी।

जापान के प्रधानमंत्री किशिदा ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि उत्तर कोरिया पिछले साल से ही मिसाइल का परीक्षण कर रहा है। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने शासन के 10 साल पूरा होने के मौके पर देश को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने परमाणु बम और अमेरिका की तुलना में ट्रैक्टर के कारखानों और स्कूल ड्रेस का अधिक जिक्र किया। ऐसा पहली बार देखा गया है जब किम जोंग ने हथियारों और सेना को मजबूत करने के बजाए देश के विकास से जुड़ी बातें की हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया इस समय भुखमरी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में किम जोंग अपनी जनता को इस मुश्किल वक्त से निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.वी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।

G-D11105/R-46465/2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

होम आइसोलेशन
सावधानी में ही सुरक्षा है...

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

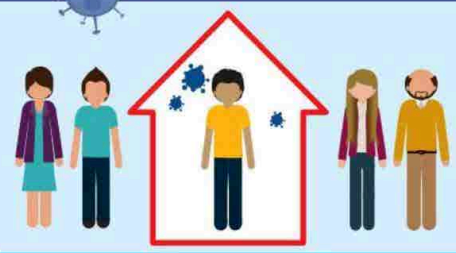

कोविड-19 प्रोटोकॉल अनुसार होम आइसोलेशन संबंधी निर्देश

होम आइसोलेशन

हल्के लक्षण वाले (सर्दी, खांसी, बुखार एवं गले में खराश) एवं बिना लक्षण वाले तथा जिनका ऑक्सीमीटर अनुसार ऑक्सीजन सेचुरेशन का स्तर 93 प्रतिशत से अधिक हो। ऐसे मरीज चिकित्सक की सलाह अनुसार होम आइसोलेशन में रहेंगे।

संक्रमित मरीजों के लिए सावधानियां

- होम आइसोलेशन में संक्रमित मरीज हवादार एवं शौचालययुक्त पृथक कक्ष में रहें।
- होम आइसोलेशन वाले मरीज ट्रिपल लेयर मास्क पहनें, मास्क हर 8 घंटे में बदल लेना चाहिये। मास्क के भीगने/गंदा होने पर मास्क बदलें। उपयोग किये जाने के बाद मास्क को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर कागज के बैग में न्यूनतम 72 घंटे रखने के पश्चात ही निपटान किया जाये।
- हाथों को कम से कम 40 सेकेण्ड तक साबुन और पानी से बार-बार साफ करना चाहिये।
- कमरे में बार-बार ना घूमें तथा छूने वाली सतहों (जैसे टेबल, दरवाजे के नॉब्स, हैंडल आदि) को साबुन व पानी से साफ करना चाहिये।
- रोगी को आराम करना चाहिये और अधिक से अधिक तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिये।
- रोगी को अपने स्वास्थ्य की स्वयं निगरानी (तापमान, नब्ज की दर, ऑक्सीजन सेचुरेशन, श्वांस की संख्या प्रति मिनट, बेहतर/पूर्ववत/खराब) तथा कैसा महसूस कर रहे हैं (बेहतर/पूर्ववत/खराब) की लगातार रीडिंग करते रहें तथा लक्षण दिखायी देने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
- होम आइसोलेशन उपचाररत रोगियों के परिवार के सदस्यों सहित संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में लक्षण पाये जाने पर कोविड-19 की जांच अवश्य करवायें।

देखभालकर्ता के लिए सावधानियां

- ऐसा व्यक्ति जिसने कोविड-19 वैक्सीन के दोनों डोज पूर्ण कर लिये हों वह मरीज की देखभाल करे और इस दौरान चिकित्सा अधिकारी के संपर्क में अवश्य रहे।
- हल्के और बिना लक्षण वाले जो होम आइसोलेशन में हों उनके परिवार जन कंट्रोल रुम से संपर्क में रहें ताकि मरीज को जरुरत पड़ने पर टेस्टिंग एवं आवश्यकतानुसार हॉस्पिटल में बिस्तर इत्यादि समय पर मिल सकें।
- देखभालकर्ता ट्रिपल लेयर मेडिकल मास्क का सदैव उपयोग करें। यदि रोगी के कक्ष में ही रह रहा हो तो एन-95 मास्क का उपयोग करें। यदि मास्क गीला या गंदा हो जाये तो उसे तत्काल बदलें।
- रोगी के सीधे संपर्क में न आयें न ही हाथ मिलाएं। रोगी की देखभाल एवं साफ-सफाई करते समय ग्लब्स पहनें तथा ग्लब्स उतारने के पश्चात हाथों को साबुन व पानी से धोएं।
- देखभालकर्ता अपने मुंह, नाक तथा चेहरे को छूने से बचें एवं मास्क के सामने वाले भाग को उपयोग के दौरान न छुएं।
- उपयोग में लाये गये मास्क, दस्ताने, ऊतक, रक्त तथा Body fluids से संक्रमित स्वैब, इस्तेमाल की गई सिरिंज, दवाई आदि बायो मेडिकल कचरे को पीले बैग में भरकर निपटान किया जाना चाहिए।
- अतिथि/परिचितों को घर में न आने दें।

होम आइसोलेशन अवधि की समाप्ति

- होम आइसोलेशन में उपचाररत रोगी पॉजीटिव पाये जाने के सात दिन बाद डिस्चार्ज किये जायेंगे। डिस्चार्ज के समय पिछले तीन दिनों से लगातार उन्हें बुखार न आया हो व ऑक्सीजन सेचुरेशन का स्तर 93 प्रतिशत से अधिक हो।
- होम आइसोलेशन से डिस्चार्ज रोगी मास्क का उपयोग जारी रखेंगे।
- होम आइसोलेशन से डिस्चार्ज होने पर पुनः कोविड जांच की आवश्यकता नहीं है।

घर में यदि कोई सदस्य 15 वर्ष से अधिक का हो तो कोविड-19 का टीका जरुर लगवायें।

सावधानी

- 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग रोगियों और कोमॉर्बिड स्थितियों जैसे - उच्च रक्त चाप, मधुमेह, हृदय रोग, क्रॉनिक लंग्स/लीवर/गुर्दे की बीमारी इत्यादि वाले लोगों को चिकित्सक द्वारा उचित परीक्षण व सलाह के बाद ही होम आइसोलेशन में रहेंगे।
- ऐसे मरीज जो एचआईवी, कैंसर से पीड़ित हैं जिनका ट्रान्सप्लान्ट हुआ हो उन्हें चिकित्सक की अनुमति के पश्चात ही होम आइसोलेशन में रहने की अनुमति दी जा सकेगी।
- देखभाल के दौरान सर्दी, खांसी, बुखार, गले में खराश आदि होने पर समीप के फीवर क्लीनिक में संपर्क/जांच कराएं।

अस्पताल कब जाएं

- तीन दिनों से अधिक समय से 100 डिग्री फैरेनहाइट या उससे अधिक बुखार होना।
- सांस लेने में कठिनाई होना।
- ऑक्सीजन सेचुरेशन 93 प्रतिशत से कम होने एवं श्वसन दर 24 प्रति मिनिट से अधिक होना।
- छाती में निरंतर दर्द/दबाव महसूस होना।
- मानसिक भ्रम की स्थिति अथवा बेहोशी।
- अत्यधिक थकान व मांसपेशियों में दर्द।

गंभीर लक्षण पाये जाने पर जिला अस्पताल जाकर चिकित्सक से परामर्श अनुसार उपचार/भर्ती हों।

1
नियमित रूप से साबुन और पानी से 20 सेकण्ड तक हाथ धोएं
2
खांसते या छींकते समय नाक और मुँह किसी कपड़े या कोहनी से ढकें
3
1 मीटर
जिस व्यक्ति में खाँसी, जुकाम या बुखार के लक्षण हों उससे दूरी बनाएं
अगर खांसी, बुखार या सांस लेने में कठिनाई हो तो तुरंत डॉक्टर से मिलें
* Source WHO/GoI
कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा घटाएं ये सरल उपाय अपनाएं
हेल्पलाइन नंबर 1075/104/181

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जनहित में जारी | प्रदेश नियंत्रण कक्ष नं. (0755) 2527133, 2527149, 2527173

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2022

म.प्र. जनसंपर्क द्वारा जारी